THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 372 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.5 2080 शनिवार, 30 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सी-विजिल एप से मिलीं 79 हजार शिकायतें

चुनाव आयोग का दावा-99 प्रतिशत का हुआ समाधान

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने सी-विजिल एप को आचार संहिता का उल्लंघन को चिन्हित करने के लिए एक प्रभावशाली उपकरण बताया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से इस एप के माध्यम से 79,000 से अधिक शिकायतें मिलीं है। आयोग ने आगे बताया कि 99 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। उनमें से 89 प्रतिशत का समाधान 100 मिनट में किया गया है। आयोग ने बताया कि 58,500 शिकायतें अवैध बैनर होर्डिंग्स को लेकर दर्ज की गई थी, जबकि 1,400 शिकायतें पैसे, उपहार बांटने और शराब वितरित करने के संबंध में थे।

बिल गेट्स ने मोदी का इंटरव्यू लिया

'अप्रशिक्षित हाथों में एआई नहीं आना चाहिए, इसके दुरूपयोग का खतरा'

बिल गेट्स ने दीं पोषण से जुड़ी किताबें, तो पीएम ने दिए 'वोकल फॉर लोकल' गिफ्ट्स

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स से अपने आवास पर मुलाकात की। दोनों के बीच इस बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लेकर डिजिटल पेमेंट्स तक के मुद्दे पर बात की। बातचीत के बाद गेट्स ने पीएम मोदी को कुछ पोषण से जुड़ी किताबें उपहार में दीं। वहीं, प्रधानमंत्री ने उन्हें 'वोकल फॉर लोकल' गिफ्ट हैम्पर दिया।

बिल गेट्स ने पीएम मोदी को उपहार में किताबें देते हुए कहा, ये कुछ पोषण से जुड़ी किताबें हैं। अंततः हम पोषण पर प्रगति कर रहे हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने उनका आभार जताया। वहीं, नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' गिफ्ट हैम्पर दिया। इसमें एक मोती का बॉक्स था, जिसपर मोदी ने कहा कि यह तमिलनाडु के थूथुकुडी में बनाए गए मोती हैं। उन्होंने कहा कि तूतीकोरिन या थूथुकुडी को तमिलनाडु के पर्ल सिटी के रूप में जाना जाता है। वहां के मछुआरे इस क्षेत्र में बहुत बड़ा काम करते हैं।

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पीएम मोदी के आवास पर बिल गेट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल रेवोल्यूशन, हेल्थकेयर, एजुकेशन, एग्रीकल्चर, नारी शक्ति, क्लाइमेट चेंज और गवर्नेंस सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगाह किया कि अकुशल, अप्रशिक्षित हाथों में एआई जैसी शक्तिशाली तकनीक नहीं आनी चाहिए। इसके एआई का गलत इस्तेमाल हो सकता है। पीएम ने माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स को दिए एक इंटरव्यू में ये बात कही।

इस इंटरव्यू में पीएम मोदी ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत ने अपने नागरिकों के लाभ के लिए टेक्नोलॉजी का लोकतंत्रीकरण किया है। जीवन में सुधार के लिए डिजिटल की शक्ति को अपनाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश चौथी औद्योगिक क्रांति में उल्लेखनीय प्रगति करेगा।

बिल गेट्स-जी-20 अब ज्यादा इन्क्लूसिव हो गया है। इसलिए इसे देखना शानदार है कि भारत ने वास्तव में डिजिटल इनोवेशन जैसी चीजों को बढ़ावा दिया है। जी-20 वास्तव में एक मैकेनिज्म हो सकता है, जो संबंधों में सुधार ला सकता है। आप जानते हैं कि हमारा फाउंडेशन भारत में पॉजिटिव रिजल्ट से उत्साहित है। हम साथ मिलकर इसे अन्य देशों में भी लेकर जाएंगे। पीएम मोदी-आपकी बात सही है, जब मैं इंडोनेशिया में में जी-20 समिट में गया था तब दुनिया के सभी देशों की उत्सुकता थी कि आप ने डिजिटल रिवॉल्यूशन कैसे लाया है। तब मैं उनको समझाता था कि मैंने इस टेक्नोलॉजी को लोकतांत्रिक बना दिया है। इस पर एकाधिकार नहीं रहेगा। ये जनता का, जनता के द्वारा होगा और जनता इसमें वैल्यू ऐड करेगी। इससे आम लोगों का टेक पर भरोसा बनेगा। जैसे 10 डॉक्टर हैं, सब एबीबीएस, लेकिन एक डॉक्टर के पास ज्यादा लोग जाते हैं। यह बताता है कि उस डॉक्टर में लोगों का भरोसा है।

बिल गेट्स-भारत ना केवल टेक्नोलॉजी को अपना रहा है, बल्कि इसे लीड भी कर रहा है... ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जिनके बारे में आप उत्साहित हैं?

इस सवाल पर पीएम बोले- स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में मैंने 2 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर गांवों में बनाएं। मैं स्वास्थ्य केंद्रों को मॉडर्न टेक्नोलॉजी से बड़े अस्पतालों के साथ जोड़ देता हूं। शुरूआत में उन्हें लगता था कि डॉक्टर सामने नहीं है, मुझे देखे बिना इलाज कैसे कर रहा है?

लेकिन बाद में उन्हें समझ आया कि टेक्नोलॉजी की मदद से सैकड़ों किलोमीटर दूर बैठा डॉक्टर भी उन्हें सही इलाज दे रहा है। लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। जिस तरह का इलाज बड़े अस्पतालों में होता है वैसा ही छोटे आरोग्य मंदिर में भी हो रहा है। ये डिजिटल प्लेटफॉर्म का कमाल है।

मैं बच्चों तक बेस्ट एजुकेशन पहुंचाना चाहता हूं। टीचर्स की जो कमियां हैं, उसे टेक से भरना चाहता हूं। दूसरा, बच्चों का इंटरेस्ट विजुअल्स में और स्टोरी-टेलिंग में है। मैं उस तरह के कंटेंट बनाने की दिशा में भी काम कर रहा हूं।

जयशंकर से मिले यूक्रेनी विदेश मंत्री

हैदराबाद हाउस में दोनों के बीच बैठक

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा गुरुवार को भारत पहुंचे। यह उनकी भारत की पहली यात्रा है। शुक्रवार को उन्होंने केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। हैदराबाद हाउस में जयशंकर ने यूक्रेनी विदेश मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हैदराबाद हाउस में यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा का स्वागत है। डिमित्रो कुलेबा के साथ बैठक में जयशंकर ने कहा, हाल के महीनों में हमने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि हमारे बीच चुछ विचार मिले और हमने अपने रिश्तों को थोड़ा गहरा किया। आज इस चर्चा के बाद हम अंतरसरकारी आयोग की चर्चा का इंतजार कर रहे हैं। आपकी यात्रा से हमें आपके क्षेत्र की स्थिति के बारे में जानने का मौका मिला। हमारी टीम ने इसपर चर्चा के लिए एजेंडा तैयार किया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री कुलेबा ने कहा, भारत और यूक्रेन पारंपरिक मित्र रहे हैं। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि हम इससे भी बढ़कर कुछ कर सकते हैं और हमें करना चाहिए।

न केवल अपने राष्ट्र के हितों के लिए बल्कि वैश्विक विकास के लिए भी करना चाहिए। हम नए क्षेत्रों को लेकर चर्चा के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की कई बार आपस में फोन पर बात कर चुके हैं। बता दें कि गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचने के बाद दिमित्रो कुलेबा सबसे पहले राजघाट गए और वहां उन्होंने बापू को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए कुलेबा ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए शांति फॉर्मूला विकसित करना, भारत व यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की के बीच बातचीत को आगे बढ़ाना है।

असम के चार जिलों में छह महीने के लिए बढ़ाया गया 'अफस्पा' : गृह मंत्रालय ने जारी किया आदेश

दिसपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। असम के चार जिलों में अगले छह महीनों के लिए अफस्पा (सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम) बढ़ा दिया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव और शिवसागर जिलों में एक अप्रैल 2024 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए अफस्पा बढ़ाया गया है। अधिसूचना में कहा गया कि असम राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई है। इसलिए, अब तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, चराइदेव और शिवसागर जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित किया गया है। इन जिलों में 01.04.2024 से छह महीने की अवधि के लिए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 की धारा 3 के तहत अफस्पा लागू रहेगा। 'अफस्पा' अशांत क्षेत्रों में काम करने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों को सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव के लिए आवश्यक समझे जाने पर तलाशी लेने, गिरफ्तार करने की शक्तियां देता है।

44 प्रतिशत दागी और 25 अरबपति

महिला प्रतिनिधित्व सिर्फ 15 प्रतिशत, ऐसा है मौजूदा लोकसभा सांसदों का हाल

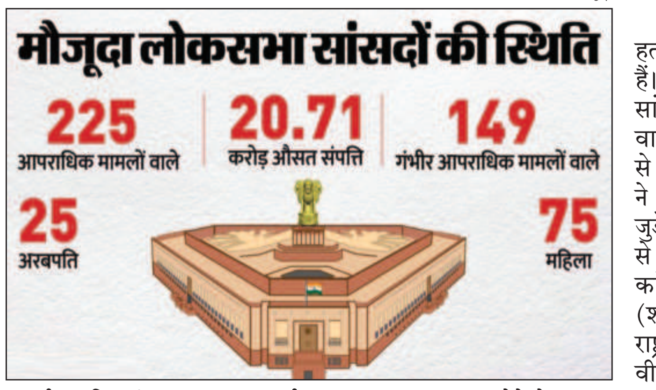

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी सरगर्मियों के बीच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने मौजूदा लोकसभा सांसदों से जुड़ी एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, 44 प्रतिशत वर्तमान सांसदों कि खिलाफ आपराधिक मामले, जबकि 29 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं वर्तमान में 25 अरबपति सांसद भी हैं।

एडीआर की रिपोर्ट क्या है :

एडीआर ने लोकसभा 2019 के 543 में से 514 वर्तमान सांसदों के शपथपत्रों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। अकबरपुर लोकसभा सीट से भाजपा सांसद देवेन्द्र सिंह का शपथपत्र उपलब्ध न होने के कारण उनका विश्लेषण रिपोर्ट में नहीं है और 28 सीटें रिक्त हैं। यह रिपोर्ट 2019 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद हुए उपचुनावों में उम्मीदवारों द्वारा दाखिल किए गए हलफनामों पर आधारित है।

44 प्रतिशत सांसद दागी :

514 में से 225 (44 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। वहीं 149 (29 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें हत्या, हत्या का प्रयास, सांप्रदायिक हिंसा, अपहरण, महिलाओं के ऊपर अत्याचार इत्यादि से जुड़े अपराध शामिल हैं।

9 वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर हत्या से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इनमें से भाजपा के 5 वर्तमान सांसद जबकि कांग्रेस, बसपा, वाईएसआर कांग्रेस और निर्दलीय से एक-एक सांसद है। 28 सांसदों ने अपने ऊपर हत्या का प्रयास से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इनमें से भाजपा से 21 सांसद जबकि कांग्रेस, टीएमसी, बसपा, एनसीपी (शरद गुट), वाईएसआर कांग्रेस, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी और वीसीके से एक-एक सांसद है। 16 वर्तमान सांसदों ने महिलाओं के ऊपर अत्याचार से जुड़े मामले घोषित किए हैं। इन 16 में से 3 वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर दुष्कर्म (आईपीसी-376) से जुड़े मामले घोषित किए हैं।

पार्टीवार दागी सांसद :

भाजपा के सबसे ज्यादा 294 में से 118 (40 प्रतिशत) वर्तमान सांसदों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके बाद कांग्रेस के 46 में से 26 (57 प्रतिशत), डीएमके के 24 में से 11 (46 प्रतिशत), टीएमसी के 19 में से 8 (42 प्रतिशत), जदयू के 16 में से 12 (75 प्रतिशत) और वाईएसआर कांग्रेस के 17 में से 8 (47 प्रतिशत) सांसद हैं।

सत्येंद्र जैन की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सत्येंद्र जैन के खिलाफ महाठग सुकेश चंद्रशेखर से 10 करोड़ रुपये की उगाही के मामले में गृह मंत्रालय ने सीबीआई जांच को मंजूरी दे दी है। आप मंत्री सत्येंद्र जैन वर्तमान समय मे जेल में बंद हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस साल फरवरी में पीओसी अधिनियम की धारा 17ए के तहत जैन पर मुकदमा चलाने और जांच करने की मंजूरी देने के लिए सीबीआई का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा था।

आरोप है कि तिहाड़ जेल में बंद रहने के दौरान शांति और आराम से रहने के नाम पर पैसे मांगे गए थे। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने जैन को गिरफ्तार किया था। वह भी सुकेश के साथ जेल में बंद थे। जेल में बंद जैन ने जेल अधिकारियों पर अपनी मालिश और दूसरी वीआईपी सुविधा प्रदान करने का दबाव डाला था।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, एवलांच से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

एमपी-महाराष्ट्र-आंध्र के 5 शहरों में तापमान 40 डिग्री पार, 19 राज्यों में बूंदाबांदी की संभावना

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। देश में 29 मार्च से वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से मौसम का मिजाज बदलने लगा है। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी हो रही है। शुक्रवार (29 मार्च) को राज्य के सोनमर्ग के हंग इलाके में एवलांच हुआ। इससे दो कारें बर्फ में फंस गईं। कार में फंसे लोगों का रेस्क्यू किया गया। हालांकि, एवलांच से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद हो गया है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 30 मार्च को भी भारी बारिश और बर्फबारी की आशंका जताई है। 19 राज्यों में बूंदाबांदी की संभावना है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट है। यहां आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, ओडिशा और सिक्किम में बादल छाए रहेंगे। इन राज्यों में गरज के साथ छिटपुट बारिश हो सकती है।

सबसे ज्यादा 5 गर्म शहरों में एमपी-महाराष्ट्र के 4 शहर :

कुछ राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। सबसे ज्यादा गर्मी मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के 5 शहरों में हैं। महाराष्ट्र के अकोला में 29 मार्च को 42.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। यह पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

इसके बाद मध्य प्रदेश का दमोह और गुना दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे। तापमान के मामले में आंध्र प्रदेश का नांद्याल चौथे और महाराष्ट्र का परभणी पांचवें नंबर पर रहा। इन सभी शहरों में पारा 40 डिग्री के ऊपर दर्ज किया गया। आईएमडी ने 30 मार्च को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में 1 अप्रैल से गर्मी और उमस से राहत मिलने की संभावना है।

अप्रैल-मई में भीषण गर्मी की आशंका :

आईएमडी के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने शुक्रवार (29 मार्च) बताया कि अप्रैल-मई में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा।

इस दौरान हीटवेव चलने की आशंका है। अप्रैल में देश के मध्य भाग में हीटवेव की स्थिति रहेगी। मई सीजन का सबसे गर्म महीना होगा। इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में भीषण गर्मी पड़ सकती है।

अब देसी परमाणु घड़ी तय करेगी कंप्यूटर-स्मार्टफोन पर समय, खत्म होगी अमेरिकी नेटवर्क पर निर्भरता

बेंगलूरू, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत अपने समय में कोई बदलाव किए बिना घरेलू कंप्यूटरों और स्मार्टफोन को देसी रूबिडियम परमाणु घड़ी के साथ जोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। यानी यह घड़ी ही हमारे कंप्यूटर और स्मार्टफोन पर समय निर्धारित करेगी। इसके साथ ही, भारत ऐसा करने वाले चार अन्य देशों के विशिष्ठ क्लब में शामिल हो जाएगा। वर्तमान में इंटरनेट पर भारतीय सिस्टम अमेरिका स्थित नेटवर्क टाइम प्रोटोकॉल से जुड़े होते हैं। यही पूरे कंप्यूटर नेटवर्क पर समय को निर्धारित करता है।

इस परमाणु घड़ी को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने विकसित किया है। इसका पहली बार इस्तेमाल भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (आईआरएनएसएस) या नाविक में किया गया था। कारगिल युद्ध के दौरान अमेरिका ने जब भारत में जीपीएस पहुंच देने से इनकार किया था, उसके बाद रूबिडियम परमाणु घड़ी को बनाया गया था। 2013 से 2023 के बीच लॉन्च नौ नाविक उपग्रह में आयातित परमाणु घड़ी का इस्तेमाल किया गया था। स्वदेश निर्मित इस परमाणु घड़ी का इस्तेमाल पहली बार मई, 2023 में लॉन्च नाविक के 10वें और नवीनतम संस्करण में किया गया था।

सबसे सटीक आकलन : परमाणु घड़ियों को आकलन के लिहाज से सबसे सटीक माना जाता है। इनमें सेकेंड के अरबवें हिस्से की गणना करने की क्षमता होती है। हर उपग्रह में एक परमाणु घड़ी होती है। अलग-अलग ऑर्बिट में स्थित इन्हीं उपग्रहों में लगी यह परमाणु घड़ी ही पॉजीशनिंग की जानकारी देती है।

'टीएमसी नेता ने किया निजता का हनन'

संदेशखाली की महिलाओं की दुर्दशा सामने लाने वालीं रेखा पात्रा का आरोप

कोलकाता, 29 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित संदेशखाली गांव हाल ही में काफी चर्चाओं में रहा। यहां की महिलाओं ने आरोप लगाया था कि शाहजहां शेख ने उनकी जमीन पर कब्जा करने के साथ-साथ कुछ महिलाओं के साथ यौन शोषण भी किया है, जिसकी जांच चल रही है। बंगाल की पूरी सियासत अभी संदेशखाली के ईर्दगिर्द भटक रही है। महिलाओं की दुर्दशा को उजागर करने वाली बशीरहाट से भाजपा उम्मीदवार रेखा पात्रा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार देवांग्शु भट्टाचार्य के खिलाफ उनकी निजता के कथित उल्लंघन को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। रेखा पात्रा ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि तामलुक लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार और पार्टी की सोशल मीडिया इकाई के प्रमुख भट्टाचार्य ने उनकी निजी जानकारी और बैंक खातों का ब्यौरा सार्वजनिक किया।

यह जानकारियां सार्वजनिक करने का आरोप :

पात्रा के वकील ने पत्र में कहा, हाल ही में देवांग्शु भट्टाचार्य ने फेसबुक पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने तामलुक से टीएमसी उम्मीदवार की निजी जानकारी साझा की, जैसे- फोन नंबर, बैंक खाते का ब्यौरा, स्वास्थ्य साथी योजना के साथ-साथ दुआरे सरकार की योजना से जुड़ी जानकारियां। ऐसा करना स्पष्ट रूप से पात्रा की निजता का हनन है।

टीएमसी नेता के खिलाफ तुरंत हो कार्रवाई :

भाजपा उम्मीदवार ने अपने वकील के माध्यम से आयोग से आग्रह किया कि वे निजता के अधिकार का उल्लंघन करने, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संरक्षण (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने के लिए टीएमसी नेता के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें।

तृणमूल ने चुनाव आयोग को सौंपा ज्ञापन

कहा-सोरेन-केजरीवाल के बाद 'उनका' निशाना बंगाल, उठाई मांग

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव होने में अब एक महीने से भी कम का समय रह गया है। सात चरण में होने वाले आम चुनाव के लिए 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं ने सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग का आरोप लगाते हुए सोमवार को चुनाव आयोग का रुख किया और उसके हस्तक्षेप की मांग की। बताया जा रहा है कि उन्होंने चुनाव आयोग कार्यालय को एक ज्ञापन सौंपा है। साथ ही अपनी समस्याओं को रखने के लिए समय मांगा है।

टीएमसी नेता शशि पांजा ने पत्रकारों से कहा, हमने चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा है। हमें आयोग बातचीत के लिए सोमवार का समय देगा। हम आयोग के साथ लंबी बातचीत करेंगे और अपनी समस्याओं को सामने रखेंगे। चुनाव से पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जिस तरह से गिरफ्तार किया गया है, उससे तृणमूल कार्यकर्ता बहुत परेशान हैं। अब आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) की घोषणा की गई है। हालात आयोग के नियंत्रण में है, फिर भी दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, उनका लक्ष्य पश्चिम बंगाल है। वे महुआ मोइत्रा तक पहुंच गए हैं और प्रचार कर रहे टीएमसी उम्मीदवारों को परेशान कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल सरकार से जुड़े लोगों को परेशान किया जा रहा है। केंद्रीय जांच एजेंसियां भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण अपना रही हैं। टीएमसी नेता शशि पांजा ने कहा, हम लोग बहुत विचलित और चिंतित हैं क्योंकि चुनाव आयोग के हाथ में पूरी शक्ति है और हम चाहते हैं कि वे अपनी शक्ति का इस्तेमाल करें क्योंकि पश्चिम बंगाल में जिसकी शक्ति अधिक चल रही है वो है केंद्र सरकार।

पहले कपड़े उतार कर पीटा, फिर जूते चाटने पर किया मजबूर छह आरोपी हुए गिरफ्तार

ठाणे, 29 मार्च (एजेंसियां)। ठाणे के नवी मुंबई नगर में एक व्यक्ति पर हमला करने तथा उसे जूते चाटने के लिए मजबूर करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एपीएमसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना बुधवार की शाम को हुई थी। उन्होंने बृहस्पतिवार को बताया कि पीड़ित व्यक्ति एपीएमसी में स्थित एक कंपनी की दुकान में कार्यरत था।

उन्होंने बताया कि मसाले तैयार करने की कंपनी के मालिक रौनक दयालजीभाई भानुशाली और उसके कर्मचारियों ने मसाले चुराने का आरोप लगाया और पीड़ित पर हमला किया। अधिकारी के अनुसार, हमलावर कर्मचारियों की पहचान संजय चौधरी, लालाजी बाबूबाई पागी, वीरेंद्र कुमार लक्ष्मण गौतम, योगेश और करण के रूप में हुई है।

'यह बीजेपी का टैक्स टेररिज्म'

इनकम टैक्स ने कांग्रेस को थमाया 1800 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस को आयकर विभाग से फिर बड़ा झटका लगा है। लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को लगभग 1800 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। ये नोटिस असेसमेंट ईयर 2017-2018 और 2020-2021 के लिए भेजा गया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि बीजेपी को 4600 करोड़ रुपये का टैक्स देना चाहिए लेकिन इनकम टैक्स आंख मूंदकर बैठा है और कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। उन्हें सिर्फ कांग्रेस दिख रही है, हमारी पार्टी को प्रताड़ित किया जा रहा है।

अजय माकन ने क्या कहा

माकन ने कहा कि बीजेपी टैक्स टेररिज्म में जुटा है और कांग्रेस पर हमला कर रहा है। इसके दो पहलू हैं। पहला, किसी तरह की समानता नहीं बरती जा रही। कांग्रेस पर धड़ाधड़ जुर्माना लगाया जा रहा है जबकि बीजेपी को लेकर विभाग मौन है। दूसरा, बीजेपी ने मुख्य विपक्ष को कमजोर कर दिया है। जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29सी के तहत बताया गया है कि आखिरी चुनावी चंदा किस तरह से राजनीतिक दलों को दिया जाना चाहिए। हमने बीते सात साल, विशेष रूप से 2017-2018 का विश्लेषण किया है, जिसे पता चला है कि बीजेपी को 42 करोड़ रुपये का चंदा मिला है, लेकिन इसे देना वाले के एड्रेस का कोई अता-पता नहीं है। इसी साल हम पर 14 लाख के चंदे पर 135 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत जिन लोगों ने बीस हजार रुपये से ज्यादा का जुर्माना दिया है, उनकी पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। 14 लाख के चुनावी उल्लंघनों पर हम पर 135 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बीजेपी को 42 करोड़ रुपये दिए गए लेकिन इसका कोई ब्योरा नहीं है। अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि आपको पता है 1800 कितना होता है? 1800 रुपये नहीं है, 1800 करोड़ रुपये है। पिछले 2019 लोकसभा चुनाव का हमारी पार्टी का पूरा खर्चा 800 करोड़ रुपये था। तो 1800 करोड़ रुपये इतना होता है।

बीजेपी पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना लगना चाहिए

माकन ने कहा कि आयकर विभाग ने जिस पैरामीटर्स पर कांग्रेस पार्टी पर जुर्माना लगाया है।

अगर उन्हीं पैरामीटर्स पर बीजेपी पर लगाया जाए तो बीते सात सालों के आधार पर उन पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना लगना चाहिए। लेकिन इसे नजरअंदाज किया जा रहा है।माकन ने कहा कि हम तीन बार सुप्रीम कोर्ट गए हैं। हम अदालत में जनहित याचिका दाखिल करेंगे ताकि बीजेपी से 4600 करोड़ रुपये की वसूली की जा सके, जिसे आयकर विभाग द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है।

कूनो में जश्न; एक साल का हुआ यहां जन्मा पहला चीता

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव करेंगे नामकरण

श्योपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत में जन्मा पहला भारतीय चीता आज एक साल हो गया। इस बात से ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि चीतों को अब भारतीय हवा-पानी रास आने लगा है। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए चीते अब भारतीय माहौल में ढल चुके हैं। भारत की भूमि पर एक के बाद एक चीते जन्म ले रहें हैं, जिससे इनकी संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। कूनो नेशनल पार्क में जन्मे चीतों की संख्या विदेशी चीतों से ज्यादा हो गई है। इस समय कूनो में जन्मे 14 शावक हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए चीतों की संख्या 13 है। यहां जन्मा पहला चीता आज एक साल का हो गया है। अभी इसका नाम नहीं रखा गया है। कूनों में आज चीते के जन्मदिन के उत्सव की तैयारी चल रही है। माना जा रहा है कि आज केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव चीते का नामकरण कर सकते हैं। बता दें कि कूनो प्रोजेक्ट चीता के तहत कूनो में 20 चीते लाए गए थे, जिनमें से 7 की मौत हो गई और 13 जीवित हैं।

बांधवगढ़ टाइगर पार्क में बाघ के हमले से चरवाहा घायल, अस्पताल में चल रहा इलाज

उमरिया, 29 मार्च (एजेंसियां)। उमरिया जिले में बाघों और मनुष्यों के टकराव की खबरें लगातार आ रही हैं। अब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के एक बाघ ने चरवाहे पर हमला कर दिया। चरवाहा उस समय घर लौट रहा था। मामला उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत धमोखर परिक्षेत्र के बदरेहल बीट का है। वहां बाघ ने एक व्यक्ति पर हमला किया है। गुरुवार देर शाम हुई इस घटना में बहादुर सिंह पिता मरदन सिंह मरावी, उम्र 65 वर्ष, निवासी बदरेहल गंभीर रूप से घायल हुआ है। अब घटना के बाद जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची संबंधित पार्क टीम घायल को जिला अस्पताल लाई है। फिलहाल घायल का इलाज जारी है। अब इस घटना में घायल का गले और चेहरे पर गंभीर रूप से चोटें लगी हैं। बताया गया है कि घायल अपने मवेशियों को लेकर वापस घर लौट रहा था। उसी समय बदरेहल बीट के आरएफ 103 के करीब झाड़ियों की ओट में छिपे बाघ ने उस पर हमला कर दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की बहू बीजेपी में होंगी शामिल, महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकूरकर ने बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है. उनके कल मुंबई में बीजेपी में शामिल होने की संभावना है. राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण के हस्तक्षेप से एक और कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल हो सकती हैं. मराठवाड़ा के नेता अशोक चव्हाण के बीजेपी में शामिल होने के बाद मराठवाड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बेचैनी है. इस मुद्दे पर अभी तक चाकूरकर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है. खबर है कि हाल ही में कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए अशोक चव्हाण ने उनकी पार्टी में एंट्री के लिए मध्यस्थता की थी. पांच साल पहले, डॉ. अर्चना चाकूरकर बीजेपी में शामिल होने वाली थीं. लेकिन किन्हीं कारणों से उन्होंने इनकार कर दिया. लेकिन इस बार उनके ससुर पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल चाकूरकर के बेटे पूर्व विधायक बसवराज पाटिल बीजेपी में शामिल हो गए हैं. इससे पहले अशोक चव्हाण भी बीजेपी में शामिल हो चुके हैं.

कासगंज जेल से बाहर नहीं आ पाएगा अब्बास अंसारी? इलाहाबाद हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

कासगंज, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के परिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। अंसारी परिवार जेल में बंद विधायक बेटे अब्बास अंसारी को मुख्तार अंसारी के जनाजे में शामिल कराना चाहता थाइसके लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक अर्जी मेंशन की जानी थी। एमपी एमएलए से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली जस्टिस संजय कुमार सिंह की बेंच में मुख्तार के परिवार की अर्जी मेंशन होनी थी।

यह बेंच आज नहीं बैठी और इसके मुकदमे जस्टिस समित गोपाल की बेंच में ट्रांसफर कर दिए गए। जस्टिस समित गोपाल की बेंच ने दूसरी बेंच से आए किसी भी मुकदमे को सुनने से इनकार कर दिया इस वजह से मुख्तार के परिवार की अर्जी हाईकोर्ट में मेंशन नहीं हो सकी है। अंसारी परिवार अब सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करने की तैयारी में जुट गया है। थोड़ी देर में अब सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की अर्जी जाएगी।

हालांकि वकील इस बात की कोशिश में भी जुटे हुए हैं कि मामला चीफ जस्टिस के यहां मेंशन हो जाए और चीफ जस्टिस किसी बेंच को सुनवाई के लिए नॉमिनेट कर दें। विधायक बेटे अब्बास अंसारी को पिता मुख्तार अंसारी के जनाजे में शामिल होने के लिए पैरोल दिए जाने या फिर न्यायिक हिरासत में कब्रिस्तान तक लाए जाने की इजाजत दिए जाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल होनी थी ।विधायक बेटा अब्बास अंसारी इन दिनों यूपी की कासगंज जेल में बंद है। हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिलने के बाद अब्बास अंसारी का पिता मुख्तार के जनाजे में शामिल हो पाना अब बेहद मुश्किल होगा। अब्बास अंसारी अब शायद ही पिता के जनाजे में शामिल हो सके। सुप्रीम कोर्ट से भी कोई राहत मिल पाना बेहद मुश्किल लग रहा है।

सीमा हैदर पर 1 या 2 नहीं 20 धाराओं में एफआईआर दर्ज हो

सूरजपुर कोर्ट पहुंचे गुलाम हैदर के वकील

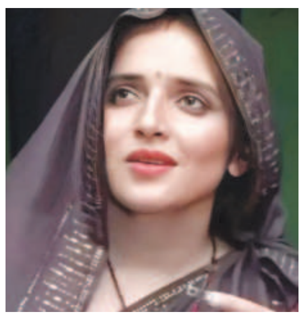

जेवर, 29 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में रह रही सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के वकील सूरजपुर कोर्ट पहुंचे हैं। सूरजपुर कोर्ट में सीमा, उसके पति सचिन मीणा और पिता नेत्रपाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर 156/3 के तहत अर्जी दाखिल की गई है। दरअसल, कोर्ट ने जेवर पुलिस को नोटिस जारी किया है और उसे 18 अप्रैल तक जवाब दाखिल करना होगा। 20 के करीब धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की इसमें अपील की गई है। गुलाम हैदर के वकील मोमिन ने कोर्ट में यह अर्जी लगाई थी। उसने सचिन से शादी के दावा को छलावा बताया है। गुलाम हैदर की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया के बाद सीमा हैदर और सचिन मीणा के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि गुलाम हैदर पहले भी अपने चार बच्चों को उसे देने के लिए भारत सरकार से भी गुहार लगा चुका है। इससे पहले, गुलाम हैदर के वकील ने सीमा और सचिन को तीन करोड़ रुपये का नोटिस भेजा था। इसके अलावा सीमा और सचिन के वकील डॉ। एपी। सिंह को भी पांच करोड़ रुपये का नोटिस भेजा था। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति की ओर से वकील मोमिन मलिक ने तीनों को करोड़ों के नोटिस भेजकर एक महीने के अंदर माफी मांगने की मांग की है। जुर्माना जमा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई शुरू करने की भी चेतावनी दी है। बता दें कि, पाकिस्तान से बच्चों के साथ सीमा हैदर अपने प्रेमी से मिलने भारत के ग्रेटर नोएडा आई थी। उसने यहां पर सचिन मीणा से शादी कर ली। सीमा के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने हरियाणा के पानीपत के सीनियर एडवोकेट मोमिन मलिक को अपना वकील नियुक्त किया है।

उद्धव गुट के लोकसभा उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को ईडी का दूसरा समन

इस मामले में होगी पूछताछ

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। ईडी ने शिवसेना (यूबीटी) लोकसभा के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया है। कीर्तिकर को ईडी ने दूसरा समन भेजा है। आठ अप्रैल को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। खिचड़ी घोटाले में अमोल कीर्तिकर को समन जारी हुआ है। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच अमोल कीर्तिकर की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) की तरफ से उन्हें लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। अमोल कीर्तिकर के पिता, गजानन कीर्तिकर, जो अब एकनाथ शिंदे गुट से जुड़े हैं, वर्तमान में मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से सांसद हैं। 'खिचड़ी' घोटाला कोविड-19 अवधि के दौरान प्रवासी श्रमिकों को 'खिचड़ी' वितरित करने के ठेके देने में अनियमितताओं के इर्द-गिर्द घूमता है।

सितंबर 2023 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने खिचड़ी वितरण से संबंधित 6.37 करोड़ रुपये के घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए अमोल कीर्तिकर सहित कई व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद अक्टूबर 2023 में ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के करीबी सूरज चव्हाण को गिरफ्तार किया। चव्हाण की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया गया था।

महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका

इस सीट से उम्मीदवार रश्मी बर्वे का जाति प्रमाण पत्र खारिज

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की रामटेक (एससी) लोकसभा सीट से उम्मीदवार रश्मी बर्वे का जाति वैधता प्रमाणपत्र रद्द करना राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है, पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने दावा किया। नागपुर की जाति छानबीन समिति ने बर्वे के प्रमाणपत्र को अवैध करार दिया था। कांग्रेस ने कुछ दिन पहले रामटेक से अपने उम्मीदवार के रूप में नागपुर जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष बर्वे के नाम की घोषणा की थी।

क्या बोले नाना पटोले?

पटोले ने गोंदिया में संवाददाताओं से कहा, उनका मुकाबला एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राजू परवे से है। भाजपा 2024 का लोकसभा चुनाव हारने जा रही है और इसलिए, वह विपक्ष के खिलाफ इस तरह से साजिश रच रही है। बर्वे का जाति वैधता प्रमाणपत्र रद्द करना राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है। उन्होंने कहा, हालांकि, पार्टी इस घटनाक्रम से डरी हुई नहीं है क्योंकि उसने रामटेक सीट के लिए दूसरा नामांकन दाखिल किया है। पटोले ने दावा किया कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करती है, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए उसे दूसरे दलों से उम्मीदवार आयात करने पड़ते हैं।

शिवसेना ने किसे बनाया उम्मीदवार?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने गुरुवार को राज्य की आठ लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की, जिसमें सात मौजूदा सांसद भी शामिल हैं। इसने रामटेक (एससी) सीट से पूर्व कांग्रेस विधायक राजू परवे को टिकट दिया है, जहां 19 अप्रैल को मतदान होगा। परवे हाल ही में शिवसेना में शामिल हुए थे। उन्होंने सेना के मौजूदा सांसद कृपाल तुमाने की जगह ली है। सूची में अन्य सात नाम, सभी मौजूदा सांसद, राहुल शेवाले (मुंबई दक्षिण मध्य), संजय मांडलिक (कोल्हापुर), सदाशिव लोखंडे (शिरडी (एससी) प्रतापराव जाधव (बुलढाणा), हेमंत पाटिल (हिंगोली), श्रीरंग बार्ने (मावल) और धैर्यशील माने (हतकनंगले) हैं।

पीतमपुरा बार में जन्मदिन मनाने पहुंचे युवक का हत्यारोपी गिरफ्तार, घटना के बाद से था फरार

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के पीतमपुरा स्थित वर्धमान मॉल में 10 फरवरी 2024 रात बर्थडे पार्टी के दौरान रेस्तरां बार के कर्मचारियों ने मामूली बात पर 23 वर्षीय जतिन की हत्या कर दी थी। मंगोलपुरी थाना पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी एक माह आठ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने इस मामले में जतिन के घायल दोस्तों वरद और प्रशांत के बयान पर हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। थाना पुलिस से मिली सूचना के मुताबिक जतिन बैंक में काम करता था। वह बुध विहार, दिल्ली का रहने वाला था। 20 फरवरी की रात वह अपने दोस्तों के साथ अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने वर्धमान मॉल स्थित यारां दा अड्डा रेस्तरां बार मे गया था। जहां काम करने वालों के साथ उनकी कहासुनी, झगड़े में बदल गई।

यूट्यूब वीडियो से बनाना सीखा हथियार, घर में खोल रखी थी फैक्ट्री, बस्ती पुलिस ने किया भंडाफोड़

बस्ती, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा से पहले अराजक तत्वों से निपटने के लिए बस्ती जिला प्रशासन ने कमर कसते हुए अब ग्राउंड जीरो पर कार्रवाई करना भी शुरू कर दिया है। असलहा बनाने वाले एक ऐसी फैक्ट्री का भंडाफोड़ बस्ती पुलिस ने किया है जो बीच शहर में पिछले कई महीनो से बेधड़क संचालित हो रही थी। कोतवाली थाना क्षेत्र के मूड़घाट चौराहे पर शशि नारायण निषाद नाम के एक व्यक्ति के घर में अवैध रूप से कई साल से असलहा बनाने का कार्य किया जा रहा था। इस मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को हुई तो एसपी के निर्देशन में एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की तो वह भी दंग रह गई।

शशि नारायण अपने ही घर के ऊपरी हिस्से में बने एक कमरे में अवैध तरीके से सालों से असलहो को असेंबल करने का काम कर रहा था। पुलिस ने जब सख्ती से अवैध असलहों की फैक्ट्री चलाने वाले आरोपी शशि नारायण से पूछताछ किया तो उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। शशि नारायण निषाद उर्फ जान सहनी ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि वह अवैध तरीके से असलेले की फैक्ट्री लगभग 6-7 महीने से चला रहा था। उसने अवैध तरीके से असलहो को बनाने का काम यूट्यूब से सीखा था, और वह महज अपने शौक की वजह से असलहे बनाया करता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी सचिन नारायण इंटरनेट का काफी जानकार है और इसी हुनर का प्रयोग वह अवैध असलहे बनाने में करने लगा। आरोपी के पास से मुख्य रूप से दो एयर गन की बॉडी लकड़ी का बट्ट दो छोटा एयर गन देशी तमंचा एक कारतूस लकड़ी का पिस्टल नुमा ढांचा एक मैगजीन कैप चार पाइप 5 नाल समेत असलहा बनाने के कई औजार बरामद हुए है। वहीं पुलिस उपाधीक्षक सत्येंद्र भूषण तिवारी ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि मुखबिर की सूचना पर जानकारी मिली कि मूड घाट चौराहे पर एक घर के अंदर अवैध तरीके से की फैक्ट्री चलाई जा रही है इसके बाद पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री के संचालक शशि नारायण को भारी मात्रा में असलहे बनाने के उपकरणों के साथ गिरफ्तार किया।

बिना किसी आधार के पति पर चारित्रिक लांछन लगाना "क्रूरता", कोर्ट ने कहा- गुजारा भत्ते की हकदार नहीं है पत्नी

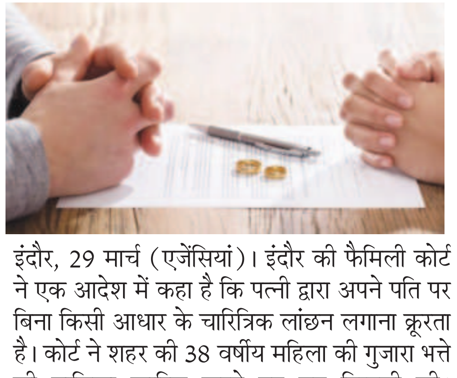

इंदौर, 29 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर की फैमिली कोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि पत्नी द्वारा अपने पति पर बिना किसी आधार के चारित्रिक लांछन लगाना क्रूरता है। कोर्ट ने शहर की 38 वर्षीय महिला की गुजारा भत्ते की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में महिला ने मुख्य तौर पर यह आरोप लगाया था कि उसके 42 वर्षीय पति के एक अन्य महिला से अवैध संबंधों को लेकर आपत्ति जताए जाने के बाद उसे प्रताड़ित करके घर से बाहर निकाल दिया गया है। फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश एन।पी। सिंह ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 7 मार्च को यह अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा,''(पत्नी द्वारा) बिना किसी आधार के पति पर चारित्रिक दोष लगाना क्रूरता है।'' फैमिली कोर्ट में याचिका दायर करने वाली महिला अपने पति से करीब ढाई साल से अलग रह रही है। उसने इस अर्जी के जरिये अदालत से गुहार की थी कि उसे उसके पति से हर महीने 20,000 रुपये का गुजारा भत्ता दिलाया जाए। फैमिली कोर्ट ने कहा कि वह इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि महिला ने बिना किसी पर्याप्त कारण के अपने पति को छोड़ दिया है और वह किसी तरह की भरण-पोषण राशि पाने की हकदार नहीं है। अदालत ने कहा, ''यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस दम्पति की अवयस्क संतानें प्रतिवादी (पति) के पास हैं और वही उनका भरण-पोषण कर रहा है।'' महिला ने दो लाख रुपये के दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाते हुए अपने पति और सास-ससुर के खिलाफ एक स्थानीय पुलिस थाने में वर्ष 2021 के दौरान एफआईआर भी दर्ज कराई थी। फैमिली कोर्ट ने रेखांकित किया कि महिला ने इस प्राथमिकी में संबंधित महिला से अपने पति के कथित अवैध संबंधों को लेकर किसी विवाद का कोई उल्लेख नहीं किया। उधर, महिला के पति की ओर से फैमिली कोर्ट में कहा गया कि उसकी पत्नी जान-बूझकर उसके साथ नहीं रहना चाहती और उस पर उसके माता-पिता से अलग रहने का दबाव बनाती है। महिला का पति इंदौर नगर निगम का कर्मचारी है। इस व्यक्ति ने अदालत में कहा कि उसकी पत्नी सिलाई-कढ़ाई करके हर महीने 20,000 रुपये से 25,000 रुपये कमा रही है और खुद का भरण-पोषण कर सकती है।

हिमाचल प्रदेश छात्रवृत्ति घोटाला मामले में जांच पूरी सीबीआई ने 105 लोगों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

शिमला, 29 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल में 250 करोड़ रुपये के बहुचर्चित छात्रवृत्ति घोटाला मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) ने जांच पूरी कर ली है। केंद्रीय एजेंसी की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस भ्रष्टाचार के सिलसिले में 20 संस्थानों और उनके मालिकों, हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग और बैंक के अधिकारियों सहित 105 व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। 19 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। केंद्रीय एजेंसी की ओर से कोर्ट में अब चार्जशीट दाख़िल कर दिए जाने के बाद मामले का ट्रायल शुरू होगा और केंद्रीय एजेंसी का पक्ष सुनकर फ़ैसला सुनाया जाएगा। सीबीआई की ओर से बताया गया है कि 2019 में सरकार की अनुशंसा पर सीबीआई ने जांच शुरू की थी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सूबे में निजी शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ छात्रवृत्ति में फर्जीवाड़े की शिकायत की थी। वर्ष 2013 से 2017 के दौरान करीब 181 करोड़ का हेरफेर हुआ था जो जांच में बाद में और बड़ी राशि के तौर पर तब्दील हुआ। खास तौर पर एससी एसटी छात्रों की छात्रवृत्ति में धांधली हुई थी।

ईडी भी कर रही है जांच

सीबीआई की प्राथमिकी के बाद ईडी भी इस मामले में जांच कर रही है। वर्ष 2023 में सितंबर महीने के पहले हफ्ते में ईडी ने मंडी जिले के बल्ह में एक निजी संस्थान पर रेड मारी थी। छापों के दौरान बैंक खातों में 2.55 करोड़ रुपये की अघोषित नकदी जब्त की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एएसएएमएस एजुकेशन ग्रुप के पार्टनर राजदीप जोसन और कृष्ण कुमार, केसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट पंडोगा के उपाध्यक्ष हितेश गांधी और हिमाचल उच्च शिक्षा निदेशालय की छात्रवृत्ति शाखा के तत्कालीन अधिकारी अरविंद राजटा की गिरफ्तारी हुई है।

सुविचार: कमज़ोर तब रुकते है जब वो थक जाते है, लेकिन विजेता तब रुकते है जब वो जीत जाते है।

कांग्रेसी बनते ही केके ने कहा तेलंगाना राज्य की पहल कांग्रेस ने की थी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस में शामिल होते वक्त केके ने शुक्रवार को हैदराबाद में आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस ने टीआरएस से पहले तेलंगाना के बारे में सोचा था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लिए कांग्रेस फोरम के बारे में पहले ही सोचा जा चुका था। उन्होंने कहा कि सीएफटी का गठन बगरेड्डी के अध्यक्ष के रूप में किया गया था। 42 विधायकों ने सोनिया को पत्र लिखकर इस्तीफा देने की बात कही थी।

तेलंगाना के लिए कई नेता भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने याद दिलाया कि कृष्णा राव ने पहले इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि तेलंगाना संघर्ष 1998 से शुरू हुआ। छह कार्यसमितियों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि वह युद्ध समूह के सदस्य के तौर पर काम करते थे। केसीआर पर परोक्ष रूप से टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि बीआरएस परिवार द्वारा चलाया जाता है। चाहे कुछ भी किया जाए, कैडर अलग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआरएस और केसीआर द्वारा दिये गये सम्मान को वह भूल नहीं सकते। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने कुछ मुद्दों को ठीक नहीं किया है जिन्हें ठीक करने की जरूरत है।

बता दें कि केशव राव ने हाल ही में कांग्रेस नेता दीपा दास मुंशी से मुलाकात की है। केशव राव कैडर में बहुत वरिष्ठ पद पर थे और कांग्रेस में उनका प्रवेश घर वापसी जैसा होगा। केशव राव ने कहा कि वह जल्द ही अपने घर कांग्रेस में वापस जायेंगे। कांग्रेस पार्टी मेरा अपना घर है। जो तीर्थयात्रा पर जाते हैं वे हमेशा घर पहुंचते हैं। मैं भी अपने घर कांग्रेस में लौटूंगा। मैंने 53 साल तक कांग्रेस पार्टी में काम किया और 10 साल तक बीआरएस में काम किया। मैं तेलंगाना के लिए बीआरएस में शामिल हुआ। यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने तेलंगाना दिया। पहली बार, मैं कांग्रेस की दूसरी प्राथमिकता वाले वोटों से राज्यसभा के लिए चुना गया। मेरा जन्म और पालन-पोषण कांग्रेस में हुआ। मैं उसी पार्टी में मरना चाहता हूं।

क्या सिकंदराबाद लोकसभा सीट से दानम नागेंदर को हटाएगी कांग्रेस?

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसा लगता है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र से खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र का नाम हटाने की योजना बना रही है। कांग्रेस पहले ही सिकंदराबाद संसदीय सीट के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में दानम नागेंदर के नाम की घोषणा कर चुकी है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेतृत्व दानम नागेंदर के नाम के फैसले पर पुनर्विचार कर रहा है और एक और उम्मीदवार की घोषणा करने की योजना बना रहा है।

सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने उनके व्यवहार पर असंतोष जताया है और अब खबर है कि पार्टी किसी और को टिकट देने की पेशकश कर रही है। कथित तौर पर एआईसीसी ने दानम को विधायक सीट से इस्तीफा देने के लिए कहा, लेकिन खैरताबाद विधायक इस समय विधायक पद छोड़ने की स्थिति में नहीं हैं। दूसरी ओर, दानम नागेंदर के चुनाव के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर की जा रही हैं। कोर्ट ने उन्हें पहले ही नोटिस जारी कर दिया था। खबर है कि सभी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए एआईसीसी उनकी जगह किसी और उम्मीदवार को मैदान में उतारने की योजना बना रही है।

इसी बीच पूर्व मेयर बोंतु राममोहन का नाम सामने आया है। खबर है कि एआईसीसी उनके नाम के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। एक-दो दिन में संभावना है कि सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बदलने पर स्थिति स्पष्ट हो जायेगी।

लोकसभा चुनाव के बाद खाली हो जाएगा बीआरएस : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने भविष्यवाणी की है कि लोकसभा चुनाव के बाद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) खाली हो जाएगी। शुक्रवार को अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से अनौपचारिक बातचीत में कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में लड़ाई भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच होगी और बीआरएस के लिए एक भी सीअ जीतने की संभावना नहीं होगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार ने सभी क्षेत्रों को नष्ट कर दिया था और केसीआर के परिवार के सदस्य बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल थे। केसीआर के परिवार के सदस्य जेल जाने से अब ज्यादा दूर नहीं है। जो नेता भ्रष्टाचार और अन्य अनियमितताओं में शामिल हैं, वे निश्चित रूप से जल्द ही जेल जाएंगे।

बीआरएस नेताओं के पार्टी छोड़ने और कांग्रेस में शामिल होने के सवाल का जवाब देते हुए, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने स्पष्ट किया कि वास्तव में, कांग्रेस पार्टी ने कोई गेट नहीं खोला है, लेकिन बीआरएस के चुने हुए प्रतिनिधि कांग्रेस के गेट तोड़ रहे हैं और सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

उन्होंने खुलासा किया, निकट भविष्य में केसीआर के परिवार के सदस्यों को छोड़कर बीआरएस पार्टी में कोई नहीं बचेगा। बीआरएस नेता के केशव राव के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री ने कहा कि यह केशव राव द्वारा सबसे पुरानी पार्टी में वापस आने का निर्णय था।

बीआरएस को एक और झटका

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय चुनाव के दौरान बीआरएस पार्टी का पलायन से दम घुट रहा है। प्रमुख नेता, मौजूदा सांसद और विधायक कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। हाल ही में नरसापुर के पूर्व विधायक और बीआरएस के प्रमुख नेता मदन रेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के साथ मदन रेड्डी की मुलाकात के दौरान मेदक संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के सांसद उम्मीदवार नीलम मधु मुदिराज, नरसापुर निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी प्रभारी अवुला राजिरेड्डी के साथ नरसापुर कांग्रेस और बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि बेटी के साथ होंगे कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक और बीआरएस विधायक कडियम श्रीहरि और उनकी बेटी काव्या के साथ कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। एआईसीसी के तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं का एक समूह शुक्रवार को यहां कादियम के आवास पर गया और उन्हें कांग्रेस में आमंत्रित किया। टीम में मल्लू रवि, संपत कुमार और रोहिन रेड्डी शामिल थे।

कांग्रेस नेताओं ने कडियम के आवास पर आधे घंटे से अधिक समय बिताया और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए दीपादास मुंशी ने कहा कि कडियम श्रीहरि और उनकी बेटी काव्या दोनों को कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। स्टेशन घनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन्हें और उनकी बेटी को पार्टी में आमंत्रित किया है और वह अपने समर्थकों से बात करने के बाद निर्णय लेंगे। इस बीच, कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वारंगल लोकसभा क्षेत्र के लिए काव्या का नाम लगभग तय हो गया है और पार्टी में शामिल होने के बाद उनके नाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

नेता भले ही पार्टी छोड दें लेकिन मैं कार्यकर्ताओं के लिए काम करता रहूंगा : केटीआर

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ रहे हैं इसे अपने विवेक पर छोड़ देना आम बात है। आज तेलंगाना भवन में आयोजित चेवेल्ला संसदीय क्षेत्र की बैठक में केटीआर ने कहा कि भले ही नेता पार्टी छोड़ दें, लेकिन वह खुद पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए काम करेंगे और आपके पास आएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह आगामी स्थानीय निकाय चुनाव जीतेंगे।

रंजीत रेड्डी और महेन्दर रेड्डी ने पार्टी को धोखा दिया है और जिस दिन केसीआर की बेटी कविता को गिरफ्तार किया गया, रंजीत रेड्डी हंसते हुए कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद रंजीत रेड्डी उन्हें फोन करने वाले पहले व्यक्ति थे और कहा था कि इस बार उन्हें अग्रिम उम्मीदवार होना चाहिए और उन्होंने खुद को चेवेल्ला का उम्मीदवार घोषित किया था। पार्टी बदलने से पहले दोनों ने आगे की परफॉर्मेंस देते हुए कहा कि वे पार्टी नहीं बदल रहे हैं। उनके मामले में, पार्टी कार्यकर्ताओं को वोट के रूप में बदला लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे दोबारा शामिल होना चाहे भी तो उन्हें बीआरएस में शामिल नहीं किया जाएगा।

केटीआर ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी मल्काजीगिरी में चुनाव लड़ने की उनकी चुनौती का जवाब नहीं दे रहे हैं और वह कह रहे हैं कि वह राज्य की अन्य सभी एमपी सीटें जीतेंगे क्योंकि वह मौजूदा स्थिति से पीछे हट गए हैं। रेवंत रेड्डी लीक के नायक बन गए और उन्होंने कहा कि ये नाटक इसलिए किए जा रहे हैं ताकि लोग चुनावी वादों पर सवाल न उठाएं। केटीआर ने आलोचना की कि छह गारंटी खत्म हो गई हैं और छह बाजीगरी बची हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में प्रदेश का कोई भी वर्ग खुश नहीं है।

बीआरएस नेताओं ने की कडियम श्रीहरि की आलोचना

वारंगल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेताओं ने आज पार्टी विधायक कडियम श्रीहरि के प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के फैसले की आलोचना की।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, पार्टी के पूर्व विधायक विनय भास्कर, पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने वारंगल एमपी सीट से पार्टी के उम्मीदवार और कडियम श्रीहरि की बेटी काव्या द्वारा बीआरएस पार्टी अध्यक्ष केसीआर को लिखे अपने त्याग पत्र में की गई टिप्पणियों को व्यक्त किया। मैं 31 तारीख को होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बात करने के लिए सुबह 8 बजे कडियम श्रीहरि के घर गया था और तब भी कोई टिप्पणी नहीं की। कडियम श्रीहरि ने अहंकार के कारण कई लोगों के जीवन का बलिदान दिया है। यही कडियम श्रीहरि का इतिहास है।

सुदर्शन रेड्डी ने कहा, नेताओं के बीच पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को दबाना। कडियम श्रीहरि का टीडीपी में काम करते हुए चंद्रबाबू नायडू को रोकने और पद लेने का इतिहास रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कडियम श्रीहरि ने पार्टी नेता विजया रामा राव, दोम्मती सांबैया, एमपी दयाकर, अरूरी रमेश और राजैया को बाहर कर दिया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ साजिश रची और हमारी पार्टी को धोखा दिया। उन्होंने मांग की कि अगर कडियम श्रीहरि ईमानदार व्यक्ति हैं तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने पूछा, अगर कादियाम की वरिष्ठता का सम्मान किया जाता है और उन्हें केसीआर ने डिप्टी सीएम बनाया है, तो क्या आप ऐसा गंदा काम करेंगे।

उन्होंने श्रीहरि से यह भी कहा कि अगर उनमें आत्मसम्मान है तो वह विधायक पद से इस्तीफा दें और कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ें। सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि पिछले एक महीने में बीआरएस पार्टी में जो घटनाक्रम हुआ है उसके लिए कडियम श्रीहरि जिम्मेदार हैं। कडियम श्रीहरि बीआरएस पार्टी में एक बार भी खाली नहीं हैं। कडियम श्रीहरि को उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए उपचुनाव लाकर पूरी पार्टी ने उनकी जीत के लिए काम किया। कडियम श्रीहरि, जो हमेशा मूल्यों के बारे में बात करते हैं, अपनी बेटी के लिए मूल्यों को किनारे नहीं रखते,'' उन्होंने उनसे दोबारा मूल्यों के बारे में बात न करने के लिए कहा। हम शनिवार को स्टेशन घनापुर पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक कर रहे हैं।

एससीआर के गुंडलकम्मा दारसी के बीच नई रेलवे लाइन शुरू

नादिकुडी-श्रीकालाहस्ती नई रेलवे लाइन परियोजना का हिस्सा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुंडलकम्मा दारसी के बीच 27 किलोमीटर की दूरी तक नई रेलवे लाइन पूरी हो गई है और ट्रेन संचालन के लिए चालू कर दी गई है। यह नई रेलवे लाइन आंध्र प्रदेश राज्य में नादिकुडी श्रीकालाहस्ती नई रेलवे लाइन परियोजना का एक हिस्सा है। शुरूआत के लिए, इस गैर-विद्युतीकृत रेल खंड पर ट्रेनों को 75 किमी प्रति घंटे की अधिकतम अनुमेय गति से संचालित करने की अनुमति दी गई है। नादिकुडी-श्रीकालाहस्ती नई रेलवे लाइन परियोजना दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य में शुरू की गई महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित परियोजनाओं में से एक है। यह पहली बार गुंटूर, प्रकाशम और नेल्लोर जिलों के आंतरिक क्षेत्रों में कई नए क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ता है। इस परियोजना को वर्ष 2011-12 में 309 किलोमीटर की अनुमानित लागत 2,289 करोड़, रेलवे और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच 50 प्रतिशत लागत साझेदारी के आधार पर और राज्य सरकार द्वारा आवश्यक भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने के प्रावधान के साथ स्वीकृत किया गया था। परियोजना को 5 चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है। चरण-I: पिदुगुरल्ला सावल्यापुरम (47 किमी), चरण- II: गुंडलकम्मा दारसी (27 किमी), चरण-III: दारसी कनिगिरि (52 किलोमीटर) और वेंकटगिरि-अल्तुरिपाडु (15 किलोमीटर), चरण-IV: कनिगिरि पामुरु (35 किमी) और अटलुरिपाडु-वेंकटपुरम (43 किमी), चरण-V: पामुरु ओबुलयापल्ले वेंकटपुरम (90 किमी) शामिल हैं। पिदुगुरल्ला-सावल्यापुरम के बीच 47 किलोमीटर का पहला खंड पहले ही पूरा हो चुका है और विद्युतीकरण के साथ चालू हो चुका है। नादिकुडे पिदुगुरल्ला के बीच का खंड बीबीनगर को गुंटूर से जोड़ने वाली मौजूदा लाइन में पड़ता है और सावल्यापुरम गुंडलाकम्मा के बीच का खंड गुंटूर को गुंटकल से जोड़ने वाली मौजूदा रेल लाइन पर पड़ता है। अब, गुंडलाकम्मा दारसी के बीच 27 किलोमीटर के खंड के पूरा होने और चालू होने के साथ, नादिकुडे दारसी के बीच 122 किलोमीटर की रेल लाइनों का निरंतर विस्तार ट्रेन सेवाओं के संचालन के लिए उपलब्ध होगा।

यह परियोजना आंध्र प्रदेश राज्य में रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए शुरू की गई है और इसे विजयवाड़ा और चेन्नई के बीच वर्तमान तटीय रेलवे लाइन के वैकल्पिक मार्ग के रूप में संकल्पित किया गया है। वर्तमान मार्ग संतृप्त है और कभी-कभी चक्रवात और बाढ़ के अधीन होता है, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर परिणाम होते हैं। रेल यातायात में व्यवधान। प्रस्तावित नई लाइन न केवल एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करेगी, बल्कि पर्याप्त यात्री यातायात के लिए गुंजाइश प्रदान करने के अलावा, इस खनिज समृद्ध बेल्ट में माल परिवहन की सुविधा भी प्रदान करेगी। एक बार परियोजना पूरी हो जाने पर, गुंटूर और मंदिर शहर, तिरुपति के बीच सबसे छोटा मार्ग के रूप में काम करें।

हमारी पार्टी से सारा कचरा निकल चुका है : पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी

संगारेड्डी, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कई पार्टी नेताओं के पार्टी छोड़ने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने आज स्पष्ट किया कि केवल मजबूत लोग ही पार्टी से जुड़े हुए हैं और जो भी बकवास है वे अब पार्टी से चले गये है। उन्होंने शुक्रवार को सिद्दीपेट जिले के जोगीपेट में अंधोल विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने पार्टी से कांग्रेस पार्टी में नेताओं के पलायन पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने कहा, इस तरह पद, सत्ता और व्यापार के लिए पार्टी में आए स्वार्थी और धोखेबाज लोग पार्टी बदल रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर धोखेबाजों की सूची लिखी जाती है, तो सबसे पहले बीबी पाटिल का नाम लिखा जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि जो नेता और कार्यकर्ता शुरू से गुलाबी झंडा लेकर चल रहे थे, वे अभी भी बीआरएस पार्टी से जुड़े हुए हैं। राज्य में बीआरएस और केंद्र में भाजपा 10 साल से सत्ता में है। हम आपको बीआरएस सरकार द्वारा लागू की गई 100 योजनाओं के बारे में बता सकते हैं। पोचाराम ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों को चुनौती दी कि वे अपने द्वारा लागू की गई एक भी योजना के बारे में बताएं। पोचारम ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में सीएम रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद से एक भी रुपया जारी नहीं किया गया है। हाल ही में तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता सौंपी है। इसके साथ ही रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार बनी। रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में बीआरएस पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं ने कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा पहना हुआ था। बीआरएस पार्टी के राज्यसभा सदस्य केशव राव और उनकी बेटी जीएचएमसी मेयर विजया लक्ष्मी ने भी कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है।

जो हमारे साथ हुआ वही कांग्रेस के साथ होगा

बीआरएस नेताओं की चेतावनी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। लोकसभा चुनाव के दौरान तेलंगाना में पलायन का सिलसिला जारी है। विपक्षी बीआरएस के सभी प्रमुख नेता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। इसी संदर्भ में बीआरएस के नेता कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेताओं को सुझाव दे रहे हैं। बीआरएस नेताओं की यह टिप्पणी कि जो हमारे साथ हुआ वही कांग्रेस नेताओं के साथ भी होगा, राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है। अतीत में, जब बीआरएस पार्टी सत्ता में थी, तो अन्य दलों से नेताओं के पलायन के कारण, आपसी कलह शुरू हो गया और ऐसी स्थिति थी कि पार्टी में एक-दूसरे से बात नहीं हो पाती थी।

कांग्रेस नेताओं को पहले ही आगाह कर दिया गया है कि ऐसी स्थिति बनने वाली है। हाल ही में खबर आई है कि कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के बीच इस बात पर चर्चा चल रही है कि पार्टी में नए लोगों को पहली प्राथमिकता दी जाए और उन्हें टिकट दिए जाएं। बीआरएस नेताओं ने उन रिपोर्टों की पृष्ठभूमि में ऐसी टिप्पणियां कीं जिनमें कहा गया था कि कांग्रेस पार्टी में टिकटों के मामले में पहले से ही आंतरिक झगड़े हैं।

राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहे हैं कि बीआरएस नेताओं की टिप्पणी के पीछे क्या मंशा है. क्या जो लोग अतीत में बीआरएस में स्थानांतरित होने पर दुश्मन थे, वे समूह के झगड़े और पार्टी में अपने अनुभवों से सीखे गए सबक के साथ दोस्त बनने में असमर्थ हैं? या फिर आप पार्टी बदलने के इच्छुक नेताओं को पहले से चेतावनी देकर बीआरएस को पार्टी छोड़ने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर वे वहां गए तो भी यह हमारा अतीत होगा?

रेलवे पुलिस ने बिना बताए घर से निकले छात्रों को बचाया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आरपीएफ और जीआरपी स्टाफ काचीगुड़ा, हैदराबाद ने तीन छात्रों को बचाया। इनमें दो लड़कियां, एक लड़का शामिल हैं। कक्षा 10 की छात्रा 16 साल की किरण सिंघा निवासी पटेवा, महासमुंद, छत्तीसगढ़, हेनपुष्पा पटेल, 15 वर्ष, कक्षा 9वीं की छात्र, निवासी पटेवा, महासमुंद, छत्तीसगढ़ और छात्रा शिवम मिश्रा, 17 वर्ष, निवासी पेवंडी, रोहतास, बिहार की आपस में मुलाकात दो महीने पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी और वे चारमीनार देखने के लिए रायपुर से हैदराबाद आए थे। वे अपने माता-पिता को बताए बिना घर से आ गए। वे बीते 28 मार्च रायपुर रेलवे स्टेशन से काचीगुडा रेलवे स्टेशन के लिए ट्रेन नंबर 12252 वैनगंगा एसएफ एक्सप्रेस (कोरबा-यशवंतपुर) में सवार होने के बाद आज काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर गए। राजकीय रेलवे पुलिस स्टेशन, काचीगुडा, पुलिस निरीक्षक आर.येलप्पा इस संबंध में बताया कि तीनों को सुरक्षित बचा लिया गया। पटेवा पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया था। पटेवा पुलिस स्टेशन छत्तीसगढ़ पुलिस और एक बच्चे के माता-पिता अपने बच्चों को अपने साथ ले जाने के लिए पटेवा, छत्तीसगढ़ से आ रहे हैं। इसके अलावा तीन बच्चों को चाइल्ड लाइन सदस्य रजिता के माध्यम से बाल कल्याण समिति को सौंप दिया गया।

मुख्तार अंसारी की मौत पर आरजेडी कांग्रेस ने यूपी सरकार को निशाने पर लिया, मनोज झा ने कही ये बात

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के गैंगस्टर मुख्तार अंसारी की मौत के बाद सियासी बयानबाजी का दौर जारी है। रात जैसे ही मुख्तार अंसारी की मौत की पुष्टि हुई उसके बाद से विपक्ष यूपी सरकार पर हमलावर है। विपक्ष में बैठे नेता यूपी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। आरजेडी और कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, उत्तर प्रदेश एक अलग तरह का प्रदेश बन गया है। मौत और हत्या का फर्क मिट गया है। मौत और हत्या का फर्क जब मिट जाए तो अराजकता होती है।

कांग्रेस ने मौत को बताया संदेह

वहीं दूसरी ओर मुख्तार अंसारी की मौत पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाए हैं। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने मुख्तार अंसारी के मौत पर कहा कि पोस्टमार्टम हो रहा है, लेकिन जिस तरीके से मृत्यु हुई है संदेह के घेरे में है। इसकी जांच होनी चाहिए। इससे पहले मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि संवैधानिक संस्थाओं को इस पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। उधर पप्पू यादव ने भी सवाल उठाए हैं। इस तरह विपक्ष के नेताओं का यूपी सरकार पर आरोप का दौर जारी है।

अपने पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मौत पर आई बीएसपी सुप्रीमो मायावती की प्रतिक्रिया, की ये मांग

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत के मामले की उच्च स्तरीय जांच की शुक्रवार को मांग की। बीएसपी सुप्रीमो ने मुख्तार की मौत के अगले दिन शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मुख्तार अंसारी की जेल में हुई मौत को लेकर उनके परिवार द्वारा जो लगातार आशंकायें व गंभीर आरोप लगाए गए हैं, उनकी उच्च-स्तरीय जांच जरूरी है, ताकि उनकी मौत के सही तथ्य सामने आ सकें।'

बीएसपी से ही पहली बार विधायक बना था मुख्तार

मायावती ने अपनी पोस्ट में कहा, 'ऐसे में उनके परिवार का दुःखी होना स्वाभाविक है। कुदरत उन्हें इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे।' मऊ विधानसभा सीट से 1996 से 2017 तक लगातार 5 बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी ने पहली बार (1996) और आखिरी बार (2017) बीएसपी के टिकट पर ही चुनाव जीता था। वह दो बार निर्दल और एक बार अपने भाई सांसद अफजाल अंसारी के नेतृत्व वाली कौमी एकता दल के टिकट पर निर्वाचित हुआ था। बीएसपी से गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी को समाजवादी पार्टी ने वहां से अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

सपा ने भी मुख्तार के निधन पर जताया शोक

बता दें कि समाजवादी पार्टी ने भी गुरुवार देर रात मुख्तार के निधन पर शोक जताया। पार्टी के 'एक्स' अकाउंट पर अपने पोस्ट किया गया, 'पूर्व विधायक श्री मुख्तार अंसारी जी का इंतकाल, दुःखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। विनम्र श्रद्धांजलि!' माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी को गुरुवार को तबीयत बिगड़ने के बाद जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गयी। बांदा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सुनील कौशल ने बताया, 'मेडिकल कॉलेज में दिल का दौरा पड़ने से अंसारी की मौत हो गई।'

परिवार ने लगाया है 'धीमा जहर' देने का आरोप

मुख्तार के परिजनों ने उसे जेल में खाने में जहर दिये जाने का आरोप लगाया था। गाजीपुर से बीएसपी सांसद अफजाल ने मंगलवार को कहा था कि 'मुख्तार ने उन्हें बताया था कि करीब 40 दिन पहले भी उन्हें जहर दिया गया था और हाल ही में शायद 19 या 22 मार्च को फिर ऐसा किया गया, जिसके बाद से उनकी हालत खराब है।' अफजाल ने कहा था कि 21 मार्च को बाराबंकी की अदालत में एक मामले की डिजिटल माध्यम से सुनवाई के दिन मुख्तार के वकील ने अदालत में दरखास्त दी थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके मुवक्किल को जेल में 'धीमा जहर' दिया गया है जिससे उनकी हालत बिगड़ती जा रही है।

मुख्तार अंसारी की मौत पर ओपी राजभर ने साधी चुप्पी कभी बताया था भाई और जान

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने मुख्तार अंसारी की मौत पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी मां की तबीयत सीरियस है इसलिए वह भी किसी मामले पर कोई बात नहीं करेंगे। ओम प्रकाश राजभर संजय निषाद के घर पर हो रही एक मीटिंग में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। आपको बता दें कि मुख्तार का बड़ा बेटा अब्बास अंसारी ओपी राजभर की पार्टी से ही विधायक है। अब्बास फिलहाल जेल में बंद और उसे जमानत पर बाहर लाने के लिए परिवार ने हाईकोर्ट का रुख किया है। राजभर ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 से पहले जेल में मुख्तार से मुलाकात की थी। उन्होंने कई मौकों पर मुख्तार की जमकर तारीफ की और उन्हें अपना भाई और जान बताया था। वहीं मुख्तार की मौत के बाद सपा नेता शिवपाल यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

शिवपाल और आदित्य ने उठाए सवाल

उधर, सपा नेता आदित्य यादव ने इस मामले की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि मुख्तार अंसारी मामले की जांच होनी चाहिये। जांच होगा तो सारे बातें सामने आयेगी। प्रशासन पर कुछ प्रेशर भी रहा है। न्यायपालिका को चीजें तय करनी चाहिये । मौजूद सरकार ने अनदेखी की है। इसके अलावा शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मुख्तार के परिवार से हमारे पुराने रिश्ते रहे हैं। आजादी की लड़ाई में परिवार का योगदान रहा। मुख्तार अंसारी की मौत संदेह के घेरे में है। कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। जेल में मौत होती है तो सरकार की जिम्मेदारी है।

बिहार के मनरेगा मजदूरों के लिए खुशखबरी मेहनताना में की गई बढ़ोतरी; अब मिलेंगे 228 रुपये

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत मजदूरी को संशोधित किया गया है। अलग अलग राज्यों में मेहनताने में चार से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। एक अधिसूचना के अनुसार, अब योजना के तहत अकुशल श्रमिकों को देश में सबसे ज्यादा 374 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी हरियाणा में मिलेगी जबकि सबसे कम मेहनताना उन्हें अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में मिलेगा जहां इस योजना के तहत काम करने पर मजदूरों को 234 रुपये प्रति दिन की मजदूरी मिलेगी।

बिहार में मजदूरों को अब 228 रुपये प्रति दिन मिलेंगे

सिक्किम की तीन पंचायतों ग्नथांग, लाचुंग और लाचेन में मजदूरी दर 374 रुपये प्रतिदिन है। बिहार ने 17 रुपये की वृद्धि कर मेहनताना 228 रुपये कर दिया है। लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लगे होने की वजह से चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने योजना के तहत मिलने वाली मजदूरी में बदलाव की अधिसूचना जारी की। योजना के तहत 2023 की मजदूरी दरों पर बढ़ोतरी की गई है। गोवा में मजदूरी दर में 34 रुपये की बढ़ोतरी की गई है जो देश में सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ने सात रुपये का इजाफा किया है जो सबसे कम है तथा अब मनरेगा के तहत काम करने पर श्रमिक को प्रति दिन 237 रुपये मिलेंगे। बिहार में मजदूरों का मेहनताना 17 रुपये बढ़ाया गया वहीं उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड ने मजदूरी में मात्र सात रुपये बढ़ी।

एयरपोर्ट पर पकड़ी गई 5 लाख की सिगरेट,कहां से आई ये सिगरेट

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट पर तस्करी का माल लगातार पकड़ में आ रहा है। एक बार फिर से कस्टम विभाग की टीम ने करीब 5 लाख रुपए की विदेशी सिगरेट पकड़ी है। टांडा निवासी एक व्यक्ति शारजाह से सिगरेट लेकर आया था। पिछले 10 दिन में तीसरी बार कस्टम विभाग की टीम ने सिगरेट की तस्करी पकड़ी है। एयरपोर्ट पर पिछले दो महीने में 1 करोड़ 60 लाख रुपए से ज्यादा का सिगरेट पकड़ा जा चुका है। सोने और सिगरेट की तस्करी देखे तो 6 करोड़ 20 लाख रुपए से ज्यादा का माल पकड़ा जा चुका है। इससे पहले 21 मार्च को भी 10 लोग पकड़े गए थे। इनके पास से करीब 22 लाख रुपए का सिगरेट मिला था। अबू धाबी से आने वाली उड़ान से 5 यात्रियों को रोका गया। उनसे पूछा गया तो पता चला कि उनके पास 1046 डिब्बे है। बाजार में इसकी कीमत 22 लाख 42 हजार रुपए से ज्यादा है। कस्टम यात्रियों से पूछताछ के आधार पर आगे की जांच में जुट गया है। इसके अलावा 20 मार्च को अबू धाबी से आने वाले विमान संख्या 6ई 094 से आए यात्रियों से संदेह के आधार पर पूछताछ शुरू की गई।

आरजेडी के लिए 2025 की राह मुश्किल

जदयू-भाजपा के विधायकों पर डोरे डालने का दांव पड़ा उल्टा

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा के बजट सत्र में सरकार बनाने के लिए बेचैन राजद ने साल 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार बनाने की आस छोड़ दी है। यह इससे पता चलता है कि राजद अपने विधायकों को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बना रहा है। जोड़ तोड़ से जब तक सरकार बनने की आस थी, राजद ने अपने विधायकों को कह दिया था कि वे लोकसभा चुनाव लड़ने के बारे में न सोचें। लेकिन, अपने विधायकों के पाला बदलने के बाद से राजद ने साल 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले सरकार बनाने का इरादा छोड़ दिया है।

राजद का दांव उसी पर भारी

इस साल 28 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महागठबंधन से नाता तोड़ कर राजग में शामिल हो गए। 12 फरवरी को उन्होंने विश्वासमत हासिल किया। महागठबंधन ने विश्वास मत के दौरान ही सरकार को अपदस्थ करने की योजना बनाई। जदयू और भाजपा के आठ विधायकों को अपने पक्ष में लाने का प्रयास किया। लेकिन, दांव उलट गया। जदयू के एक विधायक अनुपस्थित रहे। जबकि राजद के तीन विधायक पाला बदलकर सत्ता पक्ष में बैठ गए। सरकार को विश्वास मत मिल गया, लेकिन उसके बाद भी राजद का प्रयास जारी रहा। रणनीति यह बनी कि राजग के विधायकों को अपने पक्ष में करने का अभियान जारी रखा जाए।

महागठबंधन में लग गई सेंध

इधर, महागठबंधन के विधायकों की संख्या कम होती गई। तीन के बाद राजद के दो और विधायक सत्ता पक्ष में बैठ गए। कांग्रेस के दो विधायकों ने भी सत्ता पक्ष का रुख किया। भाकपा माले के एक विधायक की सदस्यता समाप्त हो गई। इसका प्रभाव यह पड़ा कि वर्तमान में 242 सदस्यों वाली विधानसभा में महागठबंधन के विधायकों की प्रभावी संख्या 114 से घटकर 106 रह गई है। जदयू विधायक बीमा भारती को राजद ने अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे यह भी प्रमाणित होता है कि राजद ने जदयू-भाजपा विधायकों को अपने पाले में करने के लिए संपर्क किया था। उन्हें प्रलोभन भी दिया गया था। दूसरे दल से नामांकन के दिन ही उनकी विधायकी जा सकती है। क्योंकि यह दल बदल कानून के तहत स्वतः दल त्याग का मामला हो जाएगा। राजद ने अपने दो विधायकों सुरेंद्र यादव और कुमार सर्वजीत को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। यह चुनाव परिणाम पर निर्भर है कि ये विधायक चुनाव के बाद लोकसभा जाते हैं या नहीं। यह विधायकों की संख्या कम होने का डर ही है कि राजग के घटक दलों-भाजपा और जदयू ने किसी विधायक को टिकट नहीं दिया। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी राजग के घटक दलों के इकलौते विधायक हैं, जो चुनाव लड़ रहे हैं।

मुख्तार अंसारी की मौत पर

पूर्व भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी ने जाहिर की खुशी, बोलीं- आज हमारे लिए होली है

वाराणसी, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी द्वारा मारे गए पूर्व भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी अलका राय ने माफिया की मौत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि उसकी (मुख्तार अंसारी) मौत पर मैं क्या कह सकती हूं? यह भगवान का आशीर्वाद है। मैं न्याय के लिए उनसे प्रार्थना करती थी और आज न्याय मिल गया है। हमने घटना (हत्या) के बाद कभी होली नहीं मनाई, मुझे लगा कि आज हमारे लिए होली है। माफिया मुख्तार अंसारी की भाजपा नेता कृष्णानंद राय से अदावत थी। उसने धोखे से कृष्णानंद समेत सात लोगों की गाजीपुर के गोडउर में हत्या करा दी। कृष्णानंद रहे होते तो मुख्तार न तो राजनीति में आगे बढ़ पाता न ही जरायम की दुनिया में। कृष्णानंद राय ने साल 2002 विधान सभा चुनाव में मोहम्मदाबाद सीट से मुख्तार के बड़े भाई को हरा दिया। कृष्णानंद राय को बृजेश सिंह का साथ मिल रहा था जिससे वह मुख्तार अंसारी हो हर जगह चुनौती दे रहे थे। इससे मुख्तार बुरी तरह से बौखलाया हुआ था। कृष्णानंद से बदला लेने की फिराक में था। लखनऊ में मुख्तार व कृष्णानंद का आमना-सामना हो गया। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलीं। इस घटना में किसी जान तो नहीं गई लेकिन मुख्तार व कृष्णानंद की दुश्मनी और बढ़ गई। 29 नवंबर 2005 को गाजीपुर में ही एक क्रिकेट मैच का उद्घाटन कर वापस अपने गांव गोडउर लौटने के दौरान अत्याधुनिक असलहों से लैस

हमलावरों ने बसनियां चट्टी में कृष्णानंद राय की कार को रोक दिया। उनकी गाड़ी पर एके 47 से 400 राउंड से ज्यादा गोलियां चलाईं। सात लोगों की मौत हुई उनके शरीर से 69 गोलियां निकली थीं। इस हत्याकांड में मुख्तार अंसारी के साथ उसका भाई अफजाल अंसारी और मुन्ना बजरंगी समेत सात लोगों पर आरोप लगे।

रोहिणी युवा और महिला मतदाताओं के बीच होंगी आकर्षण का केंद्र, रुडी को पीएम मोदी पर भरोसा

सारण, 29 मार्च (एजेंसियां)। सारण लोकसभा की सीट पर इस बार देश दुनिया की नजरें होंगी। सिंगापुर में रहने वाली और पिता लालू प्रसाद को किडनी देकर चर्चा में आयी रोहिणी आचार्य महागठबंधन से राजद की उम्मीदवार होंगी। रोहिणी को लेकर युवा और महिला मतदाताओं में चर्चा है। वहीं मौजूदा सांसद राजीव प्रताप रूडी पर भाजपा ने इस बार भी भरोसा जताया है। रूडी केंद्र में मंत्री भी रहे हैं। इस बार के चुनाव में सारण क्षेत्र में जातीय गोलबंदी हावी रहेगी।

यहां के मढौरा, छपरा, गरखा, अमनौर, परसा और सोनपुर विधानसभा क्षेत्र का इलाका सारण लोकसभा सीट का हिस्सा है। इनमें छपरा और अमनौर विधानसभा सीट पर भाजपा का कब्जा है। जबकि, बाकी की चार विधानसभा सीटों पर राजद काबिज है। चुनावी जानकार बताते हैं कि सारण लोकसभा सीट पर दोनों गठबंधनों में कांटे की टक्कर होती रही है। लालू प्रसाद के बाद यहां से उनके परिवार का कोई दूसरा सदस्य चुनाव नहीं जीत पाया है। लालू प्रसाद 1977 के लोकसभा चुनाव में पहली बार सारण सीट से ही जीतकर लोकसभा पहुंचे थे।

राबड़ी देवी भी यहां से उम्मीदवार बनीं हैं

बाद के दिनों में पूर्व सीएम राबड़ी देवी भी यहां से उम्मीदवार बनीं। 2019 के चुनाव में राजद ने लालू-राबड़ी के समधी चंद्रिका राय को सारण सीट से

लोकसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्हें भी जीत नहीं मिल पायी और एक बार फिर राजीव प्रताप रूडी चुनाव जीतने में सफल रहे। इस बार लालू-राबड़ी की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य यहां से उम्मीदवार होंगी। यहां पांचवे चरण में 20 मई को वोट होगा। 26 अप्रैल से तीन मई तक नामांकन लिये जायेंगे।

राजपूत या यादव ही सांसद होते रहे हैं

इस सीट पर यादव और राजपूतों के बीच ही मुख्य मुकाबला होता रहा है। मुख्य पार्टियां भी इन्हीं दोनों जातियों के उम्मीदवार को मैदान में उतारती हैं। भाजपा से वर्तमान सांसद राजीव प्रताप रूडी राजपूत जाति से हैं। यहां के पूर्व के सांसद राजपूत या यादव समाज से ही रहे हैं। सारण लोकसभा क्षेत्र में दोनों खेमों में बंटे मतदाता अपने प्रत्याशियों के पक्ष में जमकर वोट करते हैं। यादव और राजपूत मतदाताओं के बाद शहरी इलाकों में कायस्थ और वैश्य मतदाताओं का भी अच्छा खासा वोट है।

पप्पू यादव के बाद बीमा भारती का चुनाव लड़ने का ऐलान पप्पू सिंह ने नहीं खोला पत्ता

पूर्णिया, 29 मार्च (एजेंसियां)। पूर्णिया सीट को लेकर जदयू ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी है, जबकि महागठबंधन में सीट को लेकर मचा घमासान अभी तक थमा नहीं है। अभी तक आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं होने से महागठबंधन के दो बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस में सीट को लेकर संशय बना हुआ है। हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और जदयू से राजद में शामिल हुईं बीमा भारती ने इस सीट से चुनाव लड़ने का दावा किया है। इधर, कांग्रेस नेता सह पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने अभी तक अपना पत्ता नहीं खोला है। उन्होंने अपने समर्थकों से उनके आने तक 'वेट एंड वाच' करने की सलाह दी है। हाल ही में जदयू से राजद में शामिल हुईं रूपौली की विधायक बीमा भारती ने दावा किया है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने उन्हें पूर्णिया लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाये जाने का आशीर्वाद दिया है। उनके आशीर्वाद से वह तीन अप्रैल को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। उन्होंने दावा किया कि जिस तारीख को वह राजद में शामिल हुईं, उसी दिन उन्हें पार्टी का सिंबल भी अलॉट कर दिया गया था। कांग्रेस पार्टी में विलय के बाद पहली बार होली के दिन पूर्णिया पहुंचे पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने एकबार फिर कहा है कि वह हर हाल में पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगे। पूर्णिया कोई उनसे छीन नहीं सकता। इससे पहले वे होली के मौके पर सीधे जनता के बीच गये और उनका आर्शीवाद लिया।

सोनिया के हटने से कांग्रेस के गढ़ में बदलेगा रण? मोदी लहर में भी नहीं ढह पाया मजबूत किला

रायबरेली, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का रायबरेली जिला कई मायनों में राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण है। जिले की सरकारी वेबसाइट बताती है कि रायबरेली को भरों ने स्थापित किया था, इसलिए इसका नाम पहले भरौली या बरौली था, बाद में बरेली हो गया। आगे लगे 'राय' का रिश्ता कायस्थों से जोड़ा जाता है जो कुछ समय के लिए यहां काबिज थे। हालांकि, सियासत में तनिक दिलचस्पी रखने वाला भी इस क्षेत्र को जरूर जानता है, क्योंकि यह कांग्रेस के गांधी परिवार का गढ़ रहा है। यूपी का यह लोकसभा क्षेत्र 2014 और 2019 के मोदी लहर में भी नहीं डगमगाया। 2019 में तो पड़ोसी लोकसभा सीट अमेठी से राहुल गांधी हारे, लेकिन सोनिया गांधी रायबरेली पर काबिज होने में कामयाब रहीं। हालांकि, सोनिया गांधी के इस बार चुनाव से हटने से रण का समीकरण बदला नजर आ रहा है। उपचुनावों को जोड़ लें तो रायबरेली में अब तक कुल 20 संसदीय चुनाव हुए हैं, जिसमें 17 बार कांग्रेस को जीत मिली है। एक बार जनता पार्टी व दो बार भाजपा के खाते में सीट आई है। 90 के दशक में सपा भी दो बार लड़ाई में आई, लेकिन जीत नहीं पाई। 2009 से उसने गांधी परिवार के समर्थन में उम्मीदवार उतारना बंद कर दिया। बसपा यहां जरूर लड़ती रही है। 2009 में वह दूसरे नंबर पर जरूर थी, लेकिन लड़ाई में कभी नहीं रही।

फिरोज का आगाज, इंदिरा की अगुआई

आजादी के बाद हुए पहले चुनाव में यह सीट रायबरेली-प्रतापगढ़ के नाम से जानी जाती थी। नेहरू के दामाद और इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी ने यहां से पर्चा भरा। इंदिरा तब कांग्रेस की राजनीति में हाथ बंटाने लगी थीं। पति के प्रचार के लिए वह भी रायबरेली पहुंचीं। फिरोज आसानी से चुनाव जीत गए और उन्होंने अगले दो चुनाव जीतकर हैटट्रिक लगाई। 1960 में जीत के बाद उनका निधन हो गया। उपचुनाव में आरपी सिंह ने उनकी जगह ली। 62 में भी जीत कांग्रेस के ही खाते में रही। लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद इंदिरा पीएम बनीं। चुनाव मैदान में उनका उतरना लाजिमी था। 1967 में उन्होंने पति की सीट रायबरेली को चुना और रायबरेली ने उन्हें।

जब राजनारायण ने पलट दी कुर्सी

देश की राजनीति और वैश्विक कूटनीति में इंदिरा का कद आसमान तक पहुंच चुका था। सफलता के इस उत्साह में इंदिरा ने ऐसी चूक कर दी जो भारतीय लोकतंत्र में काले अध्याय के तौर पर जानी जाती है। 1975 में इंदिरा ने इमरजेंसी लगा दी। इसके बाद 77 का चुनाव हुआ तो जेपी की अगुआई में पूरे देश में 'इंदिरा हटाओ' का नारा गूंज रहा था। इसने 25 साल से अभेद्य रहा रायबरेली का किला भी तोड़ दिया। इंदिरा गांधी को कोर्ट में हराने वाले राजनारायण यहां भी जीत गए और इंदिरा हार गईं। 1971 में इसी सीट से राजनारायण को हार मिली थी। हालांकि, गुबार निकालने के बाद रायबरेली फिर कांग्रेस के साथ हो गया। 80 में यहां इंदिरा को जीत मिली, लेकिन उन्होंने रायबरेली की जगह आंध्र प्रदेश के मेडक से नुमाइंदगी का फैसला किया। उपचुनाव व उसके बाद 84 के आम चुनाव में उनकी विरासत अरुण नेहरू ने संभाली। 89 और 91 में इंदिरा की मामी शीला कौल ने कांग्रेस के टिकट पर रायबरेली का प्रतिनिधित्व किया।

शीला कौल के बेटे-बेटी की जमानत जब्त

90 का दशक कांग्रेस के लिए खराब दौर की पटकथा लिखने लगा था। 91 में चुनाव के बीच राजीव गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के सिर से गांधी परिवार की छांव हट गई। राहुल और प्रियंका छोटे थे और सोनिया गांधी राजनीति से दूर। इस दौर में रायबरेली भी कांग्रेस से रूठ गई। 1996 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां शीला कौल के बेटे विक्रम कौल को उम्मीदवार बनाया लेकिन जीत मिली भाजपा के अशोक सिंह को। दूसरे नंबर पर जनता दल के अशोक सिंह रहे व तीसरे नंबर पर बसपा। रायबरेली से 11 चुनाव जीतने वाली कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई। 98 में भी यही कहानी दोहराई गई। अशोक ने दोबारा कमल खिलाया। इस बार दूसरे-तीसरे पर सपा-बसपा रही। नेहरू के बेटी-दामाद को स्वीकारने वाले रायबरेली ने इस बार शीला की बेटी की जमानत जब्त करा दी।

सोनिया की वापसी और एकमत रायबरेली

कांग्रेस आखिरकार सोनिया को राजनीति में लाने में कामयाब हुई। 1998 में कांग्रेस अध्यक्ष बनीं सोनिया ने 99 के चुनाव में अमेठी से पर्चा भरा। उसका असर बगल की सीट रायबरेली पर भी हुआ। कांग्रेस की हार का सिलसिला टूटा व कैप्टन सतीश शर्मा चुनाव जीते। कांग्रेस के टिकट पर दो बार चुनाव जीते अरुण नेहरू को भाजपा ने टिकट दिया था, लेकिन जनता ने उन्हें चौथे नंबर पर धकेल दिया। 2004 से सोनिया ने खुद रायबरेली की नुमाइंदगी का फैसला किया। सोनिया पर रायबरेली हमेशा एकमत रहा और अब तक उन्होंने यहां एकतरफा जीत हासिल की है। 2006 में लाभ के पद मामले में फंसने के चलते सोनिया को इस्तीफा देना पड़ा था। तब हुए उपचुनाव में रायबरेली में उन्हें 80% वोट मिले थे। भाजपा ने यहां पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विनय कटियार को उतारा, लेकिन वह 20 हजार वोट भी नहीं हासिल कर सके।

कोरोना काल में गई नौकरी तो बन गई चोर

बेंगलुरु में गिरफ्तार नोएडा की जस्सी के पास मिले 15 लैपटॉप

नोएडा, 29 मार्च (एजेंसियां)। कोरोना नोएडा की रहने वाली 26 वर्षीय युवती जस्सी अग्रवाल को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उस पर लोगों के लैपटॉप और गैजेट्स चोरी करने के आरोप लगे हैं। पुलिस ने जब जस्सी को हिरासत में लिया तो उसके पास से 10 से 15 लैपटॉप बरामद किए गए जिनकी कीमत 10 से 15 लाख रुपए थी। जस्सी अग्रवाल नोएडा की रहने वाली थी और अपनी नौकरी के लिए बेंगलुरु आई थी। लेकिन कोरोना काल के दौरान उसकी नौकरी चली गई। इसके बाद वह पीजी से लैपटॉप और गैजेट्स चोरी करने लगी और उन्हें अपने होमटाउन की ब्लैक मार्केट में बेच दिया करती थी। चोरी करने के लिए जस्सी गुपचुप तरीके से पीजी और हॉस्टलों के खाली कमरों में घुस जाती और चार्जिंग के लिए रखे लैपटॉप चोरी कर लेती थी। पुलिस ने जस्सी के पास से 10 से 15 लाख की कीमत के कुल 24 लैपटॉप बरामद किए हैं। डीसीपी वाइटफील्ड ने कहा कि जस्सी कई इलाकों में चोरी की वारदात को अंजाम दे रही थी और यह पिछले कुछ समय से चल रहा था।

हमारी क्राइम ब्रांच ने उसके पीजी में प्रवेश करने और चोरी के गैजेट्स के साथ बाहर निकलने की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर ली है। जस्सी फिलहाल पुलिस हिरासत में है। उसकी गिरफ्तारी 26 मार्च को एक पीजी निवासी से मिली शिकायत के आधार पर हुई, जिसने महसूस किया कि लैपटॉप अक्सर गायब हो रहे हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 300 फुट गहरी खाई में गिरी एसयूवी कार, 10 लोगों की मौत

जम्मू, 29 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिले रामबन में शुक्रवार को एक एसयूवी फिसलकर खाई में जा गिरी। इस हादसे में दस लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि वाहन श्रीनगर से जम्मू की ओर आ रहा था। देर रात करीब सवा एक बजे जिले के बैटरी चश्मा इलाके में एसयूवी 300 फुट गहरी खाई में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि दस लोगों की मौत हो गई है। पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के जवान मौके पर हैं। भारी बारिश के बीच 10 यात्रियों के शव देखे गए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में कार चालक जम्मू के अंब घरोटा के बलवान सिंह (47) और बिहार के पश्चिमी चंपारण के विपीन मुखिया भैरगंग शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान चल रहा है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख प्रकट किया है। राष्ट्रपति ने कहा, 'जम्मू-

श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन क्षेत्र में एक गाड़ी के खाई में गिरने से अनेक लोगों के हताहत होने का समाचार बहुत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।' उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रामबन सड़क हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। एक शोक संदेश में उपराज्यपाल ने कहा, 'आज रामबन में हुई दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख लगा, जिसमें बहुमूल्य जानें चली गईं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने जिला प्रशासन और संभागीय आयुक्त को पीड़ितों के परिजनों को सभी सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ। जितेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने हादसे की जानकारी मिलते ही डीसी रामबन बसीर-उल-हक से बात की। पुलिस, एसडीआरएफ और सिविल क्यूआरटी मौके पर पहुंच गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वह लगातार प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना जताई।

रामबन सड़क हादसे पर विभिन्न राजनीतिक नेताओं ने दुख व्यक्त किया है। पीडीपी ने हादसे पर दुख जताते हुए उपराज्यपाल से पीड़ित परिवारों को त्वरित चिकित्सा सहायता और राहत प्रदान करने की अपील की। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल वानी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन, अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने भी हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ संवेदना व्यक्त की है। डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने भी रामबन सड़क हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिले के बैटरी चश्मा के पास एक टैक्सी के गहरी खाई में गिर जाने से 10 लोगों की मौत खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। एसडीआरएफ और पुलिस के साथ-साथ रामबन, बनिहाल और रामसू के स्थानीय गैर सरकारी संगठन बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। इस हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति उन्होंने हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

'मैं गुना-शिवपुरी का स्पाइडरमैन हूं'

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आम सभा में क्यों कही ये बात?

गुना, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए विभिन्न पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों के नाम जारी कर दिए हैं। ये उम्मीदवार अब रैलियां कर लोगों का समर्थन जुटा रहे हैं। इस बीच मध्य प्रदेश के गुना से भाजपा के उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी में रावत समुदाय की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वो गुना के स्पाइडरमैन हैं। गुना की जनता को संबोधित करते हुए सिंधिया ने लोगों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में भाजपा को हर बूथ पर 370 वोट अतिरिक्त मिलें ताकि नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री चुने जाएं। सभा में बोलते हुए सिंधिया ने कहा कि वह गुना क्षेत्र के लिए 'स्पाइडरमैन' हैं क्योंकि उन्होंने एक 'मकड़ी' की तरह यहां सड़कों का विशाल जाल बुना है। सिंधिया ने कहा, बीस साल पहले जब मैंने राजनीति के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया, तो मैंने तय किया कि अगर कोई आपकी समस्याओं का समाधान नहीं करेगा, तो ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे। मैं शिवपुरी का स्पाइडरमैन हूं। मैंने यहां सड़कों का एक नेटवर्क बनाया है, एक नेटवर्क बनाया है सबस्टेशनों का, सिंचाई सुविधाओं का नेटवर्क और यहां के लोगों के लिए प्रगति और विकास का नेटवर्क। सिंधिया ने आगे कहा कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हमें प्रत्येक बूथ पर भाजपा के वोट 370 तक बढ़ाने पर काम करना होगा।'

चाय से समोसा तक का जिला निर्वाचन समितियों ने तय किया दाम, जानें कहां कितना खर्च कर सकेंगे उम्मीदवार

जालंधर, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इसके मद्देनजर सभी राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। वहीं चुनावी प्रचार को देखते हुए चुनाव आयोग भी सख्ती बरत रहा है। वहीं, उम्मीदवारों के खर्च पर भी भारतीय निर्वाचन आयोग की नजर रहेगी। इसलिए चुनाव प्रचार में इस्तेमाल होने वाली हर छोटी से छोटी चीज के दाम तय किए गए हैं। अगर उम्मीदवार अपने कार्यकर्ता के लिए चाय, पानी और खाने का प्रबंध करता है, तो उसका हिसाब चुनाव आयोग की तरफ से तय दाम के अनुसार देना होगा। आइए जानते हैं किन-किन राज्यों के जिलों में

दाम तय कर दिए गए हैं।

जालंधर और मध्य प्रदेश में तय दाम

सबसे पहले इस लिस्ट में पंजाब का जालंधर आता है। यहां उम्मीदवार एक कप चाय के लिए 15 रुपये खर्च सकता है। वहीं, अगर प्रत्याशी जनसभाओं और प्रचार के दौरान अपने समर्थकों को समोसा खिलाना चाहता है तो उसकी कीमत भी यही होगी। हालांकि, मध्य प्रदेश के मंडला में एक कप चाय के लिए सात रुपये और समोसा के लिए 7.50 रुपये खर्च कर सकते हैं।

बारीकी से नजर रख रहीं जिला निर्वाचन समितियां

जिला निर्वाचन समितियों की तरफ से प्रचार अभियान पर बहुत बारीकी से नजर रखी जा रही है, ताकि नियमों के तहत चुनाव संपन्न हो। पार्टियों की तरफ से उम्मीदवार के नाम घोषित होने के बाद डोर टु डोर चुनाव प्रचार किया जाता है। इसके अलावा, रैली, पंडाल, लाउडस्पीकर सहित ढोल-ताशे का उपयोग होता है। इसलिए जिला चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले खर्च की सीमा तय कर दी है। उम्मीदवारों को निर्धारित सीमा के अंदर अपने खर्च का प्रबंधन करना होगा। हालांकि, जिला निर्वाचन समितियों द्वारा तय किए गए दाम अक्सर सोशल मीडिया पर मीम का हिस्सा बन जाते हैं। क्योंकि तय किए गए दाम मौजूदा महंगाई से मेल नहीं खाते हैं।

किस राज्य में कितना खर्च?

आंध्र प्रदेश सहित ज्यादातर राज्यों में लोकसभा उम्मीदवार के लिए खर्च की सीमा 95 लाख रुपये तय की गई है। हालांकि, अरुणाचल प्रदेश, गोवा और सिक्किम में तय किया खर्च थोड़ा कम है। यहां खर्च की सीमा 75 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार है। इसी तरह केंद्र शासित प्रदेशों के लिए खर्च सीमा 75 लाख रुपये से 95 लाख रुपये प्रति उम्मीदवार के बीच है, जो क्षेत्र के आधार पर है।

छोले भटूरे से लेकर चिकन तक

जालंधर में छोले भटूरे की कीमत 40 रुपये, जबकि मटन और चिकन की कीमत क्रमशः 250 और 500 रुपये किलोग्राम तय की गई है। इसके अलावा, मेन्यू में धोधा, जिसकी कीमत 450 रुपये प्रति किलोग्राम और घी पिन्नी, जिसका दाम 300 रुपये प्रति किलोग्राम तय किया गया है। वहीं अगर लस्सी और नींबू पानी पीना है तो उसके लिए क्रमशः 20 और 15 रुपये प्रति ग्लास खर्च कर सकते हैं।

बालाघाट में इतना खर्च कर सकता है प्रत्याशी

मध्य प्रदेश के बालाघाट में अगर कोई उम्मीदवार अपने कार्यकर्ता को चाय पिलाता है, तो प्रति चाय पांच रुपये चुनाव खर्च में जुड़ेगा। वहीं, समोसे की कीमत 10 रुपये से अधिक है। इतना ही नहीं इसके रेट कार्ड में इडली, सांभर वड़ा और पोहा-जलेबी भी शामिल है। इसके लिए 20 रुपये की कीमत तय की गई है, जबकि डोसा और उपमा के लिए उम्मीदवार 30 रुपये प्रति प्लेट खर्च कर सकता है। हिंसा प्रभावित मणिपुर के थौबल जिले में चाय, समोसा, कचौड़ी, खजूर और गाजा की कीमत 10 रुपये तय की गई है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर राज्य के तेंग्नौपाल जिले में उम्मीदवारों को ब्लैक टी के लिए पांच रुपये और दूध चाय के लिए 10 रुपये खर्च करने होंगे।

इस लिस्ट में बत्तख और सूअर के मांस के साथ मांसाहारी खाना अधिक शामिल है, जिनकी कीमत क्रमशः 300 रुपये और 400 रुपये प्रति किलोग्राम है। चिकन (ब्रॉयलर) और रोहू, मृगल और सारेंग जैसी मछलियां भी सूची में हैं।

चेन्नई में भी दाम तय

चेन्नई की बात करें तो यहां चाय की कीमत 10 रुपये से 15 रुपये और कॉफी की कीमत 15 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दी गई है, जबकि चिकन बिरयानी की दर 2019 की तुलना में 180 रुपये से घटाकर 150 रुपये प्रति पैकेट कर दी गई है।

नोएडा में जानें कितना खर्च कर सकते हैं उम्मीदवार

गौतम बुद्ध नगर (नोएडा/ग्रेटर नोएडा) में शाकाहारी थाली के लिए 100 रुपये, एक समोसा या एक कप चाय के लिए 10 रुपये, कचौरी के लिए 15 रुपये, एक सैंडविच के लिए 25 रुपये और एक किलोग्राम जलेबी के लिए 90 रुपये प्रति किलो खर्च कर सकते हैं।

बस कंडक्टर से इश्क, फिर शादी प्रेग्नेंट हुई तो पता चली पति की सच्चाई, पहुंच गई सुसाइड करने

अहमदाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में लव जिहाद का मामला सामने आया है। एक महिला ने अपने ही पति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। मामला अहमदाबाद के रिवरफ्रंट का है। एक महिला यहां सुसाइड करने के मकसद से पहुंची थी। उसने यह आत्मघाती कदम उठाने से पहले एक वीडियो बनाया। जैसे ही वह सुसाइड करने वाली थी, उसे बचा लिया गया। जब मामला पुलिस तक पहुंचा तो महिला ने आपबीती सुनाई। बताया कि वह मेघानीनगर की रहने वाली है। उसके पति की कुछ साल पहले मौत हो गई थी। जिसके बाद वो अकेले रह गई। इस दौरान उसकी नौकरी एक कंप्यूटर सेंटर में लग गई। कंप्यूटर सेंटर लाल दरवाजा इलाके में है। महिला वहां कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी करने लगी। रोजाना वह एएमटीएस बस से लाल दरवाजा इलाके तक जाती थी। इस दौरान उसकी दोस्ती एएमटीएस बस के कंडक्टर से हो गई। कंडक्टर ने उसे अपना नाम सुरेश बताया। कहा कि उसे कोई भी परेशानी हो तो वो उससे बात कर सकती है। दोनों के बीच फिर बातचीत होने लगी और जल्द ही उनके बीच अफेयर भी शुरू हो गया। इस दौरान कंडक्टर एक बाक उसे अहमदाबाद के जुहापुर में अपने परिचित के घर ले गया। वहां दोनों ने शादी कर ली। महिला जल्द ही प्रेग्नेंट भी हो गई। लेकिन बाद में उसे पता चला कि सुरेश का असली नाम तौसीफ है। उसने महिला से झूठ कहकर शादी की थी। यहां तक कि तौसीफ पहले से शादीशुदा भी था। उसके दो बच्चे भी हैं। महिला को जैसे ही तौसीफ की सच्चाई पता लगी, वो ये धोखा बर्दाश्त नहीं कर पाई। गुरुवार को वो रिवरफ्रंट पहुंची। उसने पहले एक वीडियो बनाया। फिर जैसे ही वो नदी में कूदने लगी तो कुछ लोगों ने उसे देख लिया। और सुसाइड करने से महिला को बचा लिया। लोगों ने उससे इसके पीछे की वजह पूछी तो महिला ने रो-रोकर अपने साथ हुए धोखे की दास्तां उन्हें सुनाई। फिर वो पुलिस स्टेशन गई और तौसीफ के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। महिला ने कहा कि उसने तौसीफ को अपनी सच्चाई बताई थी। लेकिन तौसीफ ने उसे धोखा दिया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर तौसीफ के खिलाफ मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया लिया। तौसीफ को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने 30 मार्च तक रिमांड पर लिया है। फिलहाल उससे पूछताछ जारी है। पुलिस सच्चाई का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

सीपीएस पध्दति के बिना चीरा लगे 121 किलो अफीम और डोडा जब्त चार बंदूक और तलवार बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 29 मार्च (एजेंसियां)। मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम सेमली में दबिश देकर सीपीएस पद्धति का अवैध मादक पदार्थ अफीम का डोडा बिना चीरा वाला डंकल सहित कुल 121 किलोग्राम बिना अफीम निकला हवा कीमत 18 लाख रुपये का जब्त किया है। साथ ही मौके से पुलिस को अवैध हथियार भी मिले हैं। एसपी अनुराग सुजानिया ने पुलिस कंट्रोल रूम पर प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि नई आबादी थाना टीआई वरुण तिवारी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना क्षेत्र के ग्राम सेमली में एक मकान में भारी मात्रा में सीपीएस पद्धति की अवैध मादक पदार्थ डोडा रखा हुआ है।

मोहाली पुलिस ने चौरा माधरे गैंग के 3 गुर्गों को किया गिरफ्तार, पिस्टल और कारतूस भी बरामद

जालंधर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की मोहाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसएसओसी मोहाली ने यूएसए स्थित पवित्तर चौरा और हुसनदीप सिंह चौरा माधरे गिरोह के तीन प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार कर एक बड़े अपराधिक नेटवर्क को खत्म किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान लवजीत खख, गुरसेवक बम्ब और बहादुर खान के रूप में हुई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर पोस्ट कर मामले की जानकारी दी है। इन आरोपियों से एक पिस्तौल, 15 कारतूस और और एक टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ी भी जब्त की गई है। डीजीपी गौरव यादव के अनुसार, पुलिस की गिरफ्त में आए तीनों आरोपी हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, हथियार अधिनियम, एनडीपीएस सहित कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। वे अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर मोहाली में रह रहे थे।

जालंधर में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड

वहीं पंजाब के जालंधर सिटी के सबसे पॉश एरिया से सटे आबादपुरा से पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड का मामला सामने आया है। पुलिस को आरोपियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी जिसके बाद जब पुलिस आरोपियों को पकड़ने गई तो उन्होंने फरार होने की कोशिश की। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जब पुलिस ने फायरिंग की एक गोली गैंगस्टर चिंटू के पैर को गोली छूकर निकल गई। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूरे मामले का एक सीसीटी फुटेज भी सामने आया है जिसमें आरोपी पुलिस को देखकर गोली चलाते भी नजर आ रहे है। पुलिस ने आरोपियों से आधुनिक हथियार भी बरामद किए है। पूरी वारदात में दोनों तरफ से करीब 12 गोलियां चली। गोलियों का गड़गड़ाहट से पूरे मोहल्ले में दहशत फैल गई। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों की पहचान चिंटू, साजन जोशी, नीरज, और किशन उर्फ गंजा के रूप में हुई है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

रणदीप सुरजेवाला का हरियाणा सरकार पर निशाना, 'बेरोजगारी से युवा पलायन को मजबूर'

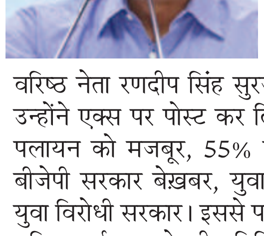

चंडीगढ, 29 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की तरफ से भारतीय रोजगार रिपोर्ट 2024 जारी की गई है। चुनावी तैयारियों के बीच आई रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत में युवाओं की बेरोजगारी की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। इसी रिपोर्ट का हवाला देते हुए हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा सरकार को घेरा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि हरियाणा में बेरोज़गारी से युवा पलायन को मजबूर, 55% युवा पढ़े लिखे हरियाणा छोड़ जा रहे। बीजेपी सरकार बेख़बर, युवा निराश और बेजार। अब बदलेंगे ऐसी युवा विरोधी सरकार। इससे पहले कांग्रेस के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की प्रतिक्रिया सामने आई थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि हमारे युवा मोदी सरकार की दयनीय उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं, क्योंकि लगातार बढ़ती बेरोजगारी ने उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है।

आईएलओ और आईएचडी रिपोर्ट निर्णायक रूप से कहती है कि भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर है। लेकिन, मोदी सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार यह कहकर प्रिय नेता का बचाव करते हैं कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक, आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती। आईएलओ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे लिखा कि 83 प्रतिशत भारतीय युवा बेरोजगार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के केवल 17.5% युवा नियमित काम में लगे हुए हैं। आर्थिक गतिविधियों में शामिल युवाओं का प्रतिशत 2012 में 42% से घटकर 2022 तक 37% हो गया है। मोदी सरकार के तहत नौकरियों की भारी कमी के कारण कांग्रेस-यूपीए सरकार की तुलना में कम युवा अब आर्थिक गतिविधियों में शामिल हैं। 2012 की तुलना में मोदी सरकार में युवाओं की बेरोजगारी दर तीन गुना हो गई है। कांग्रेस नेताओं की तरफ से बीजेपी सरकार से बेरोजगारी की समस्या को गंभीरता से लेने की अपील की गई है।

एमपी में महिलाओं को टिकट दिए जाने पर सियासत, बीजेपी-कांग्रेस के ये हैं दावे

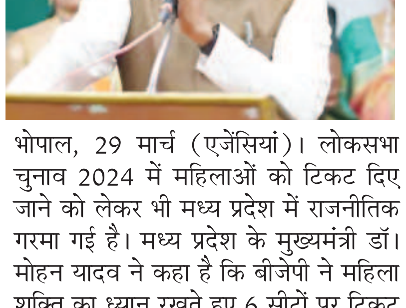

भोपाल, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में महिलाओं को टिकट दिए जाने को लेकर भी मध्य प्रदेश में राजनीतिक गरमा गई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कहा है कि बीजेपी ने महिला शक्ति का ध्यान रखते हुए 6 सीटों पर टिकट दिए हैं, जबकि कांग्रेस महज एक सीट पर ही महिला का चुनाव लड़ा रही है। इससे साफ तौर पर समझ आता है कि महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र किसकी हिस्सेदारी ज्यादा है। ऐसा माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव 2023 में बीजेपी को महिला वोट बैंक के जरिए सत्ता की चाबी हासिल करने में काफी आसानी हुई है। इसी के चलते इस बार भी लोकसभा चुनाव में लाडली बहन योजना, लाडली लक्ष्मी योजना जैसी सरकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए बीजेपी हर मंच से महिलाओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने राज्य की 29 लोकसभा सीटों पर में से 6 पर महिलाओं को चुनाव लड़ाने का पासा भी फेंक दिया है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस केवल एक सीट पर महिला को चुनाव लड़ा रही है जबकि बीजेपी 6 सीटों पर चुनाव लड़ा कर महिलाओं की राजनीति के क्षेत्र में भी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर रही है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश की 29 में से 6 लोकसभा सीटों पर महिलाओं को उतारा है। बीजेपी ने बालाघाट से डॉक्टर भारती पारधी को टिकट दिया है। वहीं, भिंड से बीजेपी ने काफी पढ़ी लिखी संध्या राय को कांग्रेस के फूल सिंह बरैया के सामने मैदान में उतारा है। इसी तरह सागर से लता वानखेड़े को बीजेपी ने टिकट दिया है, जबकि धार से पूर्व मंत्री सावित्री ठाकुर को मैदान में उतारा गया है। इसी प्रकार रतलाम से कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के सामने भी अनीता नागर सिंह चौहान को टिकट मिला है। बीजेपी से 6 महिलाओं को लोकसभा चुनाव का टिकट मिला है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने एक महिला को टिकट दिया है। मध्य प्रदेश की रीवा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने नीलम मिश्रा को उम्मीदवार बनाया है। नीलम मिश्रा को बीजेपी के जनार्दन मिश्रा के सामने टिकट दिया गया है। बता दें कि जनार्दन मिश्रा दो बार सांसद रह चुके हैं और तीसरी बार मैदान में उतरे हैं

एक महीने में ही हटाए गए गुरुग्राम के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर, चुनाव आयोग को मिली शिकायत; सिरसा सांसद के हैं पति

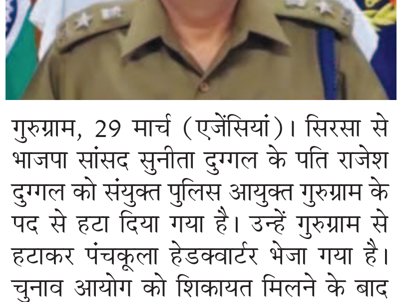

गुरुग्राम, 29 मार्च (एजेंसियां)। सिरसा से भाजपा सांसद सुनीता दुग्गल के पति राजेश दुग्गल को संयुक्त पुलिस आयुक्त गुरुग्राम के पद से हटा दिया गया है। उन्हें गुरुग्राम से हटाकर पंचकूला हेडक्वार्टर भेजा गया है। चुनाव आयोग को शिकायत मिलने के बाद उनका तबादला किया गया है। चुनाव आयोग की सलाह के बाद प्रदेश गृह सचिव ने बृहस्पतिवार देर रात आदेश जारी किए। दुग्गल ने एक मार्च को ही डीआईजी रैंक पर पदोन्नति के बाद गुरुग्राम में संयुक्त पुलिस आयुक्त के पद पर ज्वाइन किया था। इससे पहले वह फरीदाबाद में डीसीपी के पद पर तैनात थे। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में सिरसा सीट पर सुनीता दुग्गल ने अशोक तंवर को करीब साढ़े छह लाख वोट के भारी अंतर से हराकर जीत दर्ज की थी। इससे पहले इस सीट से आइएनलीडी चरणजीत सिंह रोड़ी सांसद थे।

'हिरासत में मौत' मामले में पुलिस अधिकारी की जमानत पर सख्त रुख अपनाने की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिरासत में मौत के मामले में आरोपित पुलिस अधिकारी को जमानत पर रिहा करने से पहले अदालत को सख्त दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। पुलिस अधिकारी एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में अधिक प्रभाव डाल सकता है। इन टिप्पणियों के साथ उसने एक पुलिस कांस्टेबल को दी गई जमानत को रद्द कर दिया। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने कहा कि हिरासत में मौत के मामले में आरोपित पुलिस अधिकारी की जमानत के सवाल पर निर्णय लेने के लिए कड़े रवैये की जरूरत है। ऐसे कथित

अपराध गंभीर प्रकृति के हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में उसने किसी आरोपित को जमानत देने के आदेश को अमान्य करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं किया होगा। शीर्ष अदालत हिरासत में मौत के मामले में एक पुलिस कांस्टेबल को दी गई जमानत के खिलाफ अपील पर सुनवाई कर रही थी। मृतक को डकैती से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और 11 फरवरी, 2021 को उसे हिरासत में ले लिया गया था। कुल मिलाकर इस मामले में 19 पुलिस अधिकारियों को आरोपित बनाया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 30 मार्च- 2024

संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को भारत की याद आई

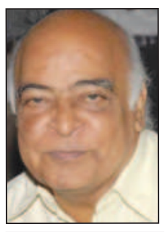

अशोक भाटिया

इकनॉमिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान इससे उबरने की हर कोशिश कर रहा है । हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने लंदन में कहा है कि पाकिस्तान के बिजनेसमैन चाहते हैं कि भारत के साथ बंद हो चुका व्यापार दोबारा से शुरू किया जाए। इशाक डार के मुताबिक इसे लेकर पाकिस्तान सीरियस है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने लंदन जाकर यह बयान ऐसे समय में दिया है जबकि भारत में आम चुनाव शुरू होने वाले हैं। इसलिए चर्चा के लिए तो इस बयान का महत्व हो सकता है लेकिन वास्तविक महत्व तभी होगा जब भारत में नयी सरकार बन जाने के बाद इस पर बातचीत होगी लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि क्या भारत को फिर से पाकिस्तान से व्यापारिक रिश्ता बहाल करना चाहिए?

अगस्त 2019 में भारत की केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए जम्मू-कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया था । ये भारतीय संविधान का एक प्रावधान था जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था। धारा हटाते हुए सेंटर ने तर्क दिया कि इससे यह राज्य पूरे देश से जुड़ सकेगा। ऐसा हुआ भी। इसी बात पर पाकिस्तान परेशान हो उठा और बौखलाकर भारत से अपने व्यापारिक रिश्ते निरस्त कर दिए।

दूसरी ओर ये बात भी हो रही थी कि ट्रेड सस्पेंशन की बड़ी वजह कुछ और ही थी। असल में उसी साल भारत ने पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन का स्टेटस ले लिया और पाकिस्तानी इंपोर्ट पर टैरिफ 200 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। भारत ने यह कदम पुलवामा हमले के बाद लिया था जिसे पाकिस्तानी टैरर गुट जैश-ए-मोहम्मद ने अंजाम दिया था। हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। अटैक के चौबीस घंटों के भीतर ही पाकिस्तान का मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा हटा दिया गया।

यहां बता दें कि वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन का टैरिफ एंड ट्रेड एग्रीमेंट 1994 कहता है कि सारे सदस्य देश एक-दूसरे को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दें, खासकर पड़ोसी देश ताकि फ्री टेड आसान हो सके हालांकि ये कोई पक्का नियम नहीं। यही वजह है कि रिश्ते खराब होने पर देश सबसे पहले आपस में यही स्टेटस खत्म करते हैं ताकि नाराजगी का आर्थिक असर भी दिखे।

भारत और पाकिस्तान साल 1996 से ही एक-दूसरे को मोस्ट-फेवर्ड नेशन मानते आए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने लंबी लिस्ट बनाई जिसमें वो आइटम थे जो भारत से आयात नहीं किए जा सकते। ये उत्पाद एक-दो नहीं बल्कि 12 सौ भी ज्यादा थे। उसका कहना था कि वो ये बैन अपने घरेलू उद्योगों को चलाए रखने के लिए लगाए हुए है हालांकि पहले वो 2 हजार से भी ज्यादा उत्पादों को आयात की मंजूरी दे चुका था। निगेटिव-लिस्टिंग के बाद केवल 138 उत्पाद ही रहे जो वो भारत से आयात कर रहा था। ध्यान रहे कि पाकिस्तान हमसे कपास, ऑर्गेनिक केमिकल, प्लास्टिक, न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर्स, मशीनरी और मैकेनिकल डिवाइस जैसी चीजें इंपोर्ट करता था। हम भी पाकिस्तान से कई चीजें आयात करते रहे जैसे- फल और सूखे मेवे, नमक, सल्फर, पत्थर, कई तरह की धातुएं और चमड़ा आदि। ट्रेड सस्पेंड करने के बाद भी पाकिस्तान हालांकि दवाएं मंगाता रहा क्योंकि उसके तुरंत बाद ही कोविड 19 का दौर आ गया था। भारत ने तब उसकी खासी मदद की थी। बंद होने के बावजूद भारत-पाकिस्तान के बीच लेनदेन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था । मीडिया की एक रिपोर्ट में सरकारी हवाले से कहा गया है कि थोड़ा-बहुत व्यापार वाघा-अटारी बॉर्डर के रास्ते हो रहा था, साथ ही कराची बंदरगाह के जरिए भी लेन देन चलता रहा लेकिन ये पहले से बहुत कम, लगभग नहीं जितना हो चुका था। पाकिस्तान हमसे सबसे ज्यादा कॉटन लिया करता था। अब वो इसके लिए ब्राजील और अमेरिका पर निर्भर है। लंबे रास्ते से आने वाले इन उत्पादों पर समय के साथ पैसे भी काफी खर्च हो रहे हैं। फिलहाल पाकिस्तान जिस आर्थिक बदहाली से गुजर रहा है, दूरदराज के देशों से आयात उसपर और भारी पड़ रहा है। यही वजह है कि उसके विदेश मंत्री ने ट्रेड की वापस बहाली की बात की। हालांकि ये बात उन्होंने सीधे-सीधे नहीं बल्कि एक इंटरनेशनल मंच पर की। तो फिलहाल ये नहीं कहा जा सकता कि आगे क्या होगा। इसके अलावा भारत की मंजूरी भी जरूरी है। दरअसल भारत के लिए पाकिस्तान किसी अन्य देश जैसा ही नहीं है। पाकिस्तान का जन्म भारत को मजहबी हिंसा में झोंककर और लाखों लोगों की कुर्बानी तथा बर्बादी पर हुआ है। उसके साथ न भारत का रिश्ता कभी सहज रहा है और न रह सकता है। इसका कारण सिर्फ यह भर नहीं है कि पाकिस्तान पहले दिन से कश्मीर पर दावा किये बैठा है और उसे आतंकवाद के जरिए हासिल करना चाहता है बल्कि जब जब भारत पाकिस्तान की ओर आगे बढेगा, उसके उन घावों से खून रिसने लगेगा जो पाकिस्तान ने अपने जन्म से अब तक भारत को दिए हैं। सर सैय्यद अहमद हों या फिर अल्लामा इकबाल या फिर मोहम्मद अली जिन्ना, किसी न किसी तरह से समय समय इन्होंने यही डर दिखाया था कि अंग्रेजों के जाने के बाद हिन्दू अक्सरियत में मुसलमान दब जाएगा। पाकिस्तान भले ही जिन्ना ने मांगा हो लेकिन अविभाजित पंजाब, सिन्ध से लेकर अविभाजित बंगाल तक मुस्लिमों ने अगर अलग पाकिस्तान का समर्थन किया तो उसके मूल में एक बड़ा कारण हिन्दू बनियों का व्यापार में वर्चस्व होना भी था। आज भी पाकिस्तान में हिन्दुओं की पहचान हिन्दू बनिया के रूप में की जाती है। उनके लिए व्यंग में एक कहावत वहां बहुत प्रचलित है कि हिन्दू वह बनिया है जिसके मुंह में राम और बगल में छूरी रहती है। इसलिए जब 1947 में भारत को काटकर पाकिस्तान बन रहा था, तब वहां के मुस्लिम व्यापारियों ने इसे अपने लिए एक अवसर के रूप में देखा था फिर वो सिन्ध के कारोबारी रहें हों या पंजाब के कारोबारी। उन्हें लगता था कि जो व्यापारिक संभावना हिन्दू बनिया छोड़कर जा रहा है वो उसे भुना लेंगे और आर्थिक रूप से समृद्ध हो जाएंगे।

शुरुआत के दो दशक जब भारत और पाकिस्तान दोनों ही सोशलिस्ट नीति पर चल रहे थे, तब पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भारत से अच्छी थी लेकिन बांग्लादेश के अलग होते ही पाकिस्तान ने जो मजहबी रफ्तार पकड़ी तो उसकी अर्थव्यवस्था दिनों दिन बिगड़ती चली गयी। वैसे तो आर्थिक रूप से पाकिस्तान के बर्बाद होने के बहुत से कारण हैं लेकिन सबसे प्रमुख कारण भारत और हिन्दुओं से नफरत ही बनी रही। पाकिस्तान कभी अमेरिका की गोद में बैठा तो कभी चीन के आगे बिछ गया लेकिन जब जब हिन्दू बनिया से तिजारत (व्यापार) बढाने की बात आई तब तब वहां के मजहबी मुल्लाओं ने बांग दिया कि क्या पाकिस्तान हिन्दुओं से तिजारत करने और अच्छा रिश्ता रखने के लिए बना था?

मुल्लाओं का तर्क अकाट्य है। यही कारण है कि जैसे जैसे पाकिस्तान सच्चे इस्लाम के रास्ते पर आगे बढता गया, वहां के लोगों के मन में भारत को लेकर नफरत बढती गयी। जिया उल हक के जमाने से आज तक तमाम उतार चढाव के बावजूद वहां की आम अवाम ही इस बात के हक में नहीं रहती कि भारत के साथ तिजारती रिश्ते बढाये जाएं। उनकी इस नफरत के बावजूद अगर पाकिस्तान ने भारत के साथ कुछ व्यापारिक रिश्ते रखे हैं तो उसका कारण अंतरराष्ट्रीय बाध्यता और उनकी अपनी आर्थिक मजबूरियां थीं।

लेकिन इस दौरान भी पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद फैलाने में कभी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कश्मीर और पंजाब में ही नहीं, मुंबई पर आतंकी हमला जैसा जघन्य कुकर्म पाकिस्तान के हुक्मरानों ने प्लान किया। एक ओर पाकिस्तान भारत के साथ व्यापार करता रहा, दूसरी ओर दो दशक तक देशभर में बम विस्फोट के जरिए हजारों लोगों की जान लेता रहा। इंदिरा गांधी से लेकर मनमोहन सिंह तक पाकिस्तान भारत के हर प्रधानमंत्री के साथ विश्वासघात करता रहा। वहां की फौज, वहां की आईएसआई सिर्फ भारत को लहुलुहान करने को अपनी जीत समझते रहे मानों पाकिस्तान का होना सिर्फ भारत को परेशान करने और उसे बर्बाद करने के लिए ही है। एक दशक पहले तक टीवी पर बैठकर आईएसआई के चीफ रहे हामिद गुल जैसे हुक्मरान भारत के मुंबई या बंगलौर जैसे शहरों को बर्बाद करने की धमकी देते रहे। परमाणु बम की धमकी तो मानों उनके लिए कंचे गोली खेलने जैसा हो।इन्हीं परिस्थितियों में 2014 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने। अपने शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने आसियान देशों के प्रमुखों को बुलाया था जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ भी शामिल थे लेकिन जल्द ही मोदी को समझ में आ गया कि अपने खिलाफ पाकिस्तानियों की नफरत को वो किसी व्यापारिक रिश्ते से नहीं ढांक सकते। दिल्ली आकर नवाज शरीफ भी इस्लामाबाद में घिर गये और उनके बाद आये इमरान खान ने तो मोदी को छोटा आदमी बताकर अपनी हेकड़ी दिखा ही दी थी। इतना सब होने के बावजूद भारत ने 1996 में पाकिस्तान को दिया मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा खत्म नहीं किया हालांकि एमएफएन में जितनी वस्तुएं शामिल की गयी थीं पाकिस्तान उसकी चौथाई का भी व्यापार बड़ी मुश्किल से कर रहा था लेकिन 2019 में पुलवामा में सैनिकों के काफिले पर आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को दिया एमएफएन का दर्जा वापस ले लिया। मोदी तो पहले ही पाकिस्तान से विमुख हो गये थे लेकिन पुलवामा अटैक के बाद मोदी सरकार ने दुनिया में पाकिस्तान को अलग थलग करने की नीति पर काम शुरु कर दिया।

अपराध के युग का अंत

कभी जिसके नाम से पूरा पूर्वांचल थर्राता था, उसी बाहुबली मुख्तार अंसारी की गुरुवार को यूपी की बांदा जेल में मौत हो गई। मुख्तार की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई। इसके साथ ही पूर्वांचल में अपराध के एक युग का अंत हो गया। पूर्वांचल के दो सबसे बड़े बाहुबली अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी का अंत सालभर में ही हो गया। पिछले साल अतीक अहमद को पुलिस हिरासत में बदमाशों ने गोलियों से भून दिया था, तो अब मुख्तार अंसारी के परिवार का आरोप है कि उन्हें जेल में धीमा जहर देकर मारा गया। अतीक और मुख्तार दशकों से राजनीतिक संरक्षण में कई काले कारनामों को अंजाम देते रहे। दोनों के खिलाफ कई गंभीर मामले चल रहे थे। दोनों का दबदबा पूरे पूर्वांचल में चलता था। उन पर हत्या, जमीन हथियाना, सुपारी लेकर हत्या करना, अपहरण और वसूली जैसे गंभीर अपराधों के आरोप थे। ऐसे कामों के लिए उन्होंने बडी संख्या में गुर्गे पाल रखे थे। मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद का कद बढ़ाने में राजनीतिक पार्टियों का भी हाथ रहा। सपा और बसपा दोनों पार्टियों ने इनका इस्तेमाल चुनाव जीतने के लिए किया। मुख्तार अंसारी 1995 से 2022 तक लगातार पांच बार मऊ से विधायक रहा। 2014 के बाद, खासकर 2017 में केंद्र और फिर राज्य में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से सब बदल गया। सीएम योगी खुद भी पूर्वांचल के गोरखपुर से ही आते हैं, ऐसे में उनका फोकस पूर्वाचंल की छवि बदलने पर रहा। माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार का बुलडोजर बहुत तेजी से चला। इसके तहत अतीक और मुख्तार की अवैध संपत्तियों को जमींदोज कर दिया गया। योगी सरकार ने अतीक और मुख्तार के लंबे समय से पेंडिंग मामलों को अदालत में तेजी से आगे बढ़ाया, जिससे उन्हें आखिरकार सजा मिली। उनकी आर्थिक और कानूनी सुरक्षा खत्म हो गई। अंसारी को 2017 के बाद से आठ बार सजा सुनाई जा चुकी है। पिछले साल मई में 32 साल पुराने अवधेश राय मर्डर केस में अंसारी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इस मामले में गवाही प्रभावित करने या कोर्ट की कार्यवाही में रूकावट डालने की उसकी चालों का अंत हो गया। राय हत्याकांड में 32 साल बाद उसे सजा मिली। इसी तरह 2021 में वाराणसी के भेलूपुर थाने में 1997 में दर्ज एक मामले में (24 साल बाद) उसके खिलाफ आरोप तय किए गए। 2022 में आगरा के जगदीशपुर थाने में 1999 में दर्ज एक अन्य मामले में भी (23 साल बाद) आरोप तय किए जा सके। साथ ही लखनऊ के आलमबाग थाने में 2000 में उसके खिलाफ दर्ज एक मामले में भी (21 साल बाद) 2021 में आरोप तय किए गए। इससे पहले, मुख्तार अंसारी के एक खास गुर्गे और शूटर मुन्ना बजरंगी को भी 2018 में बागपत जेल में ही मार दिया गया था। अतीक अहमद के खिलाफ भी 2017 से ही लगातार पुलिस कार्रवाई होती रही, पिछले साल उन्हें उनके भाई के साथ गोली मार दी गई थी। अतीक अहमद की मौत से कुछ दिन पहले ही उसके बेटे असद अहमद की भी पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस ने अतीक की 1400 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त कर लिया और करीब 50 बेनामी कंपनियों को सील कर दिया गया, जिनका इस्तेमाल अतीक वसूली से कमाए काले धन को सफेद करने के लिए करता था। बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सदन में कहा था कि 'हम माफिया को मिट्टी में मिला देंगे' और कुछ ऐसा ही अतीक और मुख्तार के मामले में हुआ भी है, हालांकि उनकी मौत विवादों में घिरी हुई है। मुख्तार के परिवार का हाल ही में ये आरोप था कि जेल में उन्हें धीरे-धीरे जहर दिया जा रहा है। उनकी मौत के बाद अब इन आरोपों की गहन जांच हो सकती है। बड़ी बात ये है कि पूर्वांचल अब अपने दो सबसे बड़े माफियाओं से मुक्त हो गया है और इसी के साथ बाहुबली और गुंडे से नेता बनने वालों का दौर भी खत्म होने के कगार पर है।

वर्ण व्यवस्था जिम्मेदार नहीं

अशोक प्रवृद्ध

भारत में आज जातिवादी राजनीति चरम पर है, हर दल जाति के मुद्दे को भुनाने के लिए तत्पर है। अनेक राजनेता तो अपने को अपनी जाति के सिरमौर ही मानने लगे हैं, और उस जाति के मतदाताओं के मत पर मात्र अपना ही अधिकार मानते हैं, लेकिन यह सत्य है कि मौजदा जाति व्यवस्था बहुत पुरानी चीज नहीं है। वर्तमान में प्रचलित जाति व्यवस्था का इतिहास बहुत पुराना नहीं है। इसलिए जाति के आधार पर समाज में पैदा हुए विभाजन और भेदभाव का कारण पूर्ण रूप से सिर्फ वर्ण व्यवस्था ही नहीं है, और न ही इसके लिए पूरी तरह अकेले वर्ण व्यवस्था को ही जिम्मेदार ठहराया जा सकता लेकिन आज विडंबना यह है कि वर्तमान की अनेक समस्याओं का जड़ जाति व्यवस्था को ठहराया जाता है, और इसके लिए भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल में प्रचलित वर्ण व्यवस्था को जिम्मेवार माना जाता है लेकिन अब यह सुखद समाचार आया है कि मद्रास उच्च न्यायालय के जस्टिस अनीता सुमंत ने उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म पर दिए भ्रामक बयान को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए एक अहम फैसले में इस प्रचलित धारणा के विपरीत टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह माना जा सकता है कि जाति व्यवस्था के चलते भेदभाव हो रहा है लेकिन इस व्यवस्था का इतिहास एक शताब्दी से भी कम का है। न्यायालय ने कहा कि तमिलनाडु में 370 पंजीकृत जातियां हैं।

अलग-अलग जातियों के बीच अक्सर तनाव की स्थिति भी पैदा हो जाती है। इन जातियों के बीच कई बार इसलिए मतभेद होते हैं कि कोई कहता है कि हमारी उपेक्षा हो रही है और दूसरे को महत्व मिल रहा है। इस संघर्ष की एक वजह सिर्फ जाति नहीं होती बल्कि एक-दूसरे को मिल रहे फायदे भी होते हैं। जब ऐसी स्थिति है तो फिर पूरा दोष सिर्फ प्राचीन वर्ण व्यवस्था पर ही कैसे मढ़ा जा सकता है? इसका जवाब हम तलाशेंगे तो न में मिलेगा। अदालत ने कहा कि इतिहास में भी ऐसा होता रहा है कि लोग जाति के नाम पर एक-दूसरे पर हमला बोलते रहे हैं। पुराने दौर की इन बुराइयों को खत्म करने के लिए यह जरूरी है कि लगातार सुधार किए जाएं। आत्मविश्लेषण हो और हम उन तरीकों के बारे में सोचें जिनके जरिए भेदभाव खत्म किया जा सके। अपने फैसले में जस्टिस अनीता सुमंत ने कहा - वर्ण व्यवस्था जन्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह लोगों के काम या पेशे पर आधारित थी। यह व्यवस्था इसलिए बनी थी कि समाज सुचारू रूप से काम कर सके। यहां लोगों की पहचान उनके काम से की जाती थी। यहां तक कि आज भी लोगों की पहचान काम के आधार पर ही होती है। अदालत ने अपने फैसले में स्टालिन को नसीहत दी है कि वह किसी वर्ग को आहत करने वाले बयान देने से बचें। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उनकी पार्टी डीएमके के नेता ए. राजा ने भगवान राम और मंदिर को लेकर भी टिप्पणी की थी जिस पर एक वर्ग ने ऐतराज जताया था। उल्लेखनीय है कि अपनी गौरवशाली संस्कृति व परंपरा से पोषित भारत सदैव से ही आर्थिक व सामाजिक रूप से समृद्ध रहा है। भारत की बौद्धिक संपदा सनातन वैदिक परंपरा में एकनिष्ठ आस्था के कारण सहस्त्राब्दियों से सम्पूर्ण विश्व में सर्वोत्तम रही है। अपने आप में पूर्ण एवं स्थायी सनातन धर्म ही भारत की सामाजिक, आर्थिक और महानता का कारण है। लेकिन यह भी सत्य है कि भारत की सामाजिक एवं आर्थिक समृद्धि ही उसकी शत्रु भी साबित हुई।

सत्ता की चाबी युवाओं के हाथ

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में अब लगभग साफ हो गया है कि सत्ता की चाबी युवा मतदाताओं के हाथ में ही रहने वाली है। यह बात राजनीतिक दलों को भी समझ में आ गई है और यही कारण है कि सभी प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा युवाओं को रीझाने के हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। दरअसल युवा मतदाताओं की मुखरता ही चुनाव परिणामों में परिलक्षित होती है। साफ है कि लोकसभा के पिछले दो चुनावों में युवा मतदाताओं का रुझान नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के प्रति रहा है। हांलाकि मजे की बात यह है कि जिन प्रदेशों में क्षेत्रीय दलों की सरकार रही हैं उन प्रदेशों के युवाओं ने क्षेत्रीय पार्टी को अधिक तरजीह दी है। इससे यह तो नही कहा जा सकता कि युवा केवल भाजपा के साथ ही है अपितु युवाओं का रुझान नेशनल और स्टेट्स पॉलिटिक्स को लेकर अलग अलग देखा जाता रहा है। हांलाकि यह भी इंट्रेस्टिंग होगा कि कोई भी दल पिछले चुनावों में समग्र रुप से 50 फीसदी मत का आंकड़ा नही छू पाये हैं। दूसरी और आजादी के 75 साल बाद भी लाख जतन के बावजूद 33 प्रतिशत मतदाताओं को हम मतदान केन्द्र तक ले जाने में सफल नहीं हो पाए हैं। तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि साक्षरता से भी इसका कोई सीधा संबंध इस मायने में नहीं है कि बिहार की साक्षरता दर बढ़ने के बावजूद मतदान प्रतिशत में दो फीसदी की गिरावट देखी गई है।

यह तो एक मिसाल मात्र है। पर दो बाते साफ हो जाती है कि युवा और महिला मतदाताओं ने मतदान के प्रति पहल की है और इसमें भी कोई संदेह नहीं कि 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाओं और युवाओं के अधिक वोट भाजपा को मिले हैं। जहां तक दुनिया के देशों के लोकतंत्र की बात है इंडोनेशिया में जितने कुल मतदाता हैं उससे ज्यादा मतदाता तो हमारे यहां 18 से 29 वर्ष की आयु के मतदाता है। फिर 26 से 35 वय के मतदाता भी युवाओं की श्रेणी में ही आते हैं। दुनिया के चार सबसे बड़े मतदाता वाले देशों के कुल मतदाताओं से भी अधिक मतदाता हमारें देश में मतदाता है। इस साल 18 वीं लोकसभा के लिए 98.6 करोड़ मतदाता मतदान में हिस्सा लेंगे जबकि योरोपीय यूनियन में 40 करोड़, इंडोनेषिया में 20.4 करोड़, अमेरिका में 16 करोड़ और पाकिस्तान में 12.8 करोड़ मतदाता है। खैर यह तो अलग बात हुई पर लोकसभा के पिछले दो चुनावों के परिणामों से साफ हो गया है कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया उसी की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि युवाओं का यह भरोसा ही नई सरकार खासतौर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार को मजबूती प्रदान करने में युवा और महिलाओं की अधिक हिस्सेदारी रही है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 18 वीं लोकसभा के चुनावों में 543 सीटों के लिए 96.8 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें एक करोड़ 82 लाख नए मतदाता हैं तो 47.15 महिला मतदाता व 49.7 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। 17 वीं लोकसभा के चुनावों में जहां करीब 1.5 करोड़ नए मतदाता या पहली बार मतदान करने वाले मतदाता थे वहीं 18 वीं लोकसभा के चुनावों में 1.82 करोड़ नए मतदाता पहलीबार मताधिकार का उपयोग करेंगे। दूसरी और गत लोकसभा चुनावों में युवा मतदाताओं को दो हिस्सों 18 से 25 वर्ष व 26 से 35 वर्ष के दो वर्गों में युवाओं को बांटते हुए मतदान प्रतिशत का विश्लेषण किया गया और मजे की बात यह कि युवाओं के दोनों ही वर्ग के युवाओं ने भाजपा को कांग्रेस की तुलना बहुत अधिक मतदान अंतर रहा। 2019 के लोकसभा चुनावों में 18 से 25 आयु वर्ग के 44 प्रतिशत युवाओं ने भरतीय जनता पार्टी को वोट दिए वहीं 26 से 35 आयु वर्ग के 46 फीसदी युवा मतदाताओं ने भाजपा पर विश्वास जताया। मजे की बात यह है कि दोनों ही आयुवर्ग के मतदाताओं में 26-26 प्रतिशत मतदाताओं ने कांग्रेस पर भरोसा जताया तो 28 से 30 प्रतिशत तक युवाओं का भरोसा अन्य दलों पर रहा।

पर कांग्रेस और भाजपा के बीच युवाओं के भरोसे का अंतर कोई छोटा मोटा नहीं बड़ा अंतर रहा है और यही कारण रहा कि भाजपा या यों कहें कि नरेन्द्र मोदी अधिक मजबूत होकर उभरे। 2019 के मत रुझानों से यहां यह बात भी साफ हो जानी चाहिए चाहे युवा हो या महिला या नए मतदाता तीनों ही श्रेणी में कांग्रेस की तुलना में बीजेपी को अधिक समर्थन मिला है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि 2024 का चुनाव जिसका बिगुल बज चुका है और पहले चरण के लिए नामांकन का काम पूरा हो गया है और दूसरे चरण के लिए नामांकन प्रगति पर है ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल हो उसे युवाओं-महिलाओं को केन्द्रीत चुनाव केंपेन चलाना ही होगा। चुनाव घोषणा पत्रों में इस तरह के एजेंडे रखने होंगे जिससे युवा मतदाता प्रभावित हो सके। भाजपा जहां 370 और 400 पार की बात कर रही हैं वहीं कांग्रेस और कहने को तो इंडी, क्योंकि अभी इनमें आपसी तालमेल पूरी तरह से नहीं बैठा है, वह भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कम्यूनिस्ट पार्टियां पिछले कुछ सालों से लगातार अपना जनाधार खोते हुए हाशिये पर जा रही है ऐसे में भाजपा या नरेन्द्र मोदी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना किसी दिवास्वप्न से अधिक नहीं लग रहा है। एक बात और अब राजनीतिक दलों को यह समझ लेना चाहिए कि आज का युवा काफी परिपक्व हो गया है और वह रेवड़ियों के झांसे में नहीं आने वाला है ऐसे में कोई ठोस रणनीति ही युवाओं को प्रभावित कर सकेगी। इसलिए साफ समझ लेना चाहिए कि युवाओं के वोट आगामी लोसभा की तस्वीर बनाएंगे और इसके लिए राजनीतिक दलों को युवाओं को अपनी और आकर्षित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़नी होगी। रजनीतिक दलों को घीसे घीसायें राजनीतिक एजेंडा और बिन्दुओं से हटकर यदि सरकार बनानी है तो ठोस रणनीति बनानी होगी। अन्यथा चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, ईडी-आईटी का उपयोग, प्यार और नफरत और न्याय अन्याय की बातें अधिक सिरे चढ़ने वाली नहीं लगती है। राजनीतिक दलों के थिंक टेंकों को इस और खासतौर से युवाओं को अपने पक्ष में करने के उपायों को सामने लाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि 18 वीं लोकसभा की चाबी पूरी तरह से युवाओं के हाथ में हैं और युवाओं को अपनी और करके ही सत्ता की सीढ़ी पार हो सकती हैं।

चुनावी बीमारी

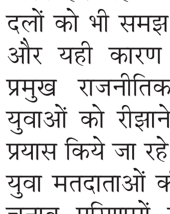

डॉ टी महादेव राव

मेरा मित्र मकरंद अचानक अजीब सा बर्ताव करने लगा है। पता नहीं उसे क्या हो गया? सुबह घर से निकलता है सामने जो भी मिलता है उसे दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करता है। चाय वाले चिरकुट को, सब्जी वाली सक्कू बाई को, ऑटो रिक्शा वाले अहमद को, किराने की दुकान वाले किशन को, पान दुकान वाले प्रहलाद को, कपड़े इस्त्री करने वाले कमल को, बेकरी वाले ब्रेगेंजा को, साइकिल दुकान वाले सैयद को गिनाता चलूं तो लंबी लिस्ट हो जाए। जिस किसी से भी मिलता है प्रणाम करता है, जी आप जनाब में बातें करता है। लगता है सारा आदर उंडेल उंडेल कर दर्शा रहा है, दिखा रहा है। हफ्ते भर से देख रहा हूं मुझसे भी बड़े आदर से पेश आ रहा है जबकि मैं उसका लंगोटिया यार हूं। मैंने मकरंद की पत्नी से पूछा कि मामला क्या है? वह भी कुछ न बता सकी। बात यह है साल भर पहले रिटायर होकर घर में रहता है। दो तीन अखबार मंगवाता है और दिन भर पढ़ता रहता है। टीवी पर समाचार चैनलों के अलावा कुछ नहीं देखता। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर एप्स देखता रहता है। भाभी ने बताया कल रात चार चोर घर में घुस आए। रात के दो बज रहे थे। मैं गहरी नींद में थी। मकरंद जी टी वी देख रहे थे। खड़का हुआ। वे चौंके। जब देखा चार हट्टे कट्टे चोर हाथ में हथौड़े और छुरियां लेकर आए, उन्होंने मुझे आवाज दी। सुनती हो तुम्हारे रिश्तेदार आए हैं। मैं ने आकर देखा चिल्लाने वाली थी, इन्होंने मना किया। चोरों को बिठाकर बोले नमस्कार जी। आइए। घर में कुछ नहीं है भई। चाहो तो तलाशी ले लो। महंगाई इतनी कि सारे गहने गिरवी पड़े हैं। पेंशन तो दस दिन में खत्म हो जाती है। बस ये टी वी है, चाहो तो ले जाओ। पहले तो चोर सकपकाए इनकी शांत चित्त मुद्रा देख। इन्होंने कहा अट्ठाइस तारीख को चोरी करने निकलोगे तो इस कॉलोनी में क्या मिलेगा?

सारे के सारे पेंशनभोगी महंगाई के मारे बीमार हैं। दस तारीख के पहले कोशिश कर लो तो शायद कुछ हासिल हो जाए। चोरों का लीडर अपनी आंखें पोंछने लगा। फिर अपनी जेब में से कुछ रुपए निकालकर इनकी हाथों में रखा और कहा माफ कीजिए अंकल। ये पांच हजार रुपए, शायद आपके काम आए। आप जैसा साहसी और दुखी मुझे नहीं दिखा। अब मैं और मेरे साथी कभी इस कॉलोनी की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखेंगे।

राष्ट्रमंडल की तर्ज पर भारतमंडलम भी बने

पंकज गांधी

आज यह सवाल सिर्फ भारत सरकार या उसके राजनैतिक समाज से नहीं है, यह भारतीय उपमहाद्वीप के उन सभी देशों के लिए भी है जिन्होंने राष्ट्रमंडल के तर्ज पर भारतमंडल के बारे में सोचा नहीं। ऐसा मंडल जो आज अपनी साझी विरासत के बदौलत एक ऐसे राष्ट्रों का समूह बन सकता है जो दुनिया का सबसे बहुरंगी और शक्तिशाली होगा। आज के दौर में समय के बृहद पड़ाव पर अखंड भारत से अलग हुए कई देश अपने स्वतंत्र अस्तित्व में हैं। ऐसे में सघन राष्ट्रवाद के इस दौर में राजनैतिक अखंड भारत की कल्पना शायद वर्तमान समय की परिधि से बाहर है लेकिन इस संयुक्त धरा की साझा संस्कृति मेलजोल और साझे इतिहास को जोड़ने हेतु दुनिया में इस तरह के कई मॉडल उपलब्ध हैं जो अलग अलग देशों के स्वतंत्र राष्ट्र के अस्तित्व और राष्ट्रवाद को बरकरार रखते हुए भी उन्हें एक सूत्र में जोड़ता है। उदाहरण के तौर पर यूरोपीय संघ, गल्फ कोआपरेटिव कौंसिल जिसे जीसीसी भी कहते हैं या राष्ट्रमंडल संगठन। अगर हम कोई ऐसी कल्पना करें कि अखंड भारत के स्वतंत्र देश एक कॉमन चार्टर के तहत उपलब्ध सभी मॉडलों का अध्ययन करते हुए एक नए मॉडल भारत-मंडल के रूप में सामने आते हैं तो यह साकार होने जैसा है।

आधुनिक दौर के कई राष्ट्र जो इस मंडल के सदस्य बन सकते हैं उसमें है भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, थाईलैंड और श्रीलंका के साथ-साथ कंबोडिया, मलेशिया, वियतनाम और इंडोनेशिया । इन सब के पुराने इतिहास और नाम के तार इस पूरे परिक्षेत्र के पुराने सम्बन्ध को बयां करते हैं कि कैसे यह पूर्व में भी अलग अलग राज्य के रूप में थे लेकिन सांस्कृतिक या साझे इतिहास के रूप में एक दूसरे से जुड़े थे और यह साझी संस्कृति और विरासत इसकी स्थापना का सूत्र होगा। आज का अफगानिस्तान जहां गांधार और कम्बोज के नाम से था, पाकिस्तान सिंध और बलोच नाम से था, नेपाल देवघर नाम से था, भूटान विदेही जनपद का हिस्सा कुछ लोग बताते हैं, तिब्बत त्रिविष्टप नाम से था, म्यांमार को ब्रह्मदेश बुलाते थे, श्री लंका सिंघली द्वीप चोल और पांडया साम्राज्य के तहत आता था। वर्तमान वर्तमान के मलेशिया, सिंगापुर कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया मलय प्रायदीप के कभी हिस्से थे। सिंगापुर सिंह पूर के नाम से जाना जाता था, थाईलैंड का पुराना नाम श्यामदेश था। इंडोनेशिया में भी हिन्दू राजाओं का ही शासन था, कंबोडिया कंबुज देश था। कंबोडिया पर वर्मन राजाओं का राज था। इसी प्रकार वियतनाम का पुराना नाम चंपा था। इन पुराने नाम के आधार पर अगर इन राष्ट्रों के स्वतंत्र आस्तित्व और सम्प्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए अगर भारत मंडल बना इन्हे यूरोपीय संघ या राष्ट्रमंडल की तरह पिरोया जाये तो दुनिया का सबसे समृद्धशाली और अर्थशक्ति क्षेत्र के रूप में यह देश उभर सकता है। इस संघ से सांस्कृतिक संबंधों की पुनर्स्थापना के साथ साथ आर्थिक व्यापार कई गुना हो जायेगा। पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है तथा एक दूसरे देश में जाने की अनावश्यक औपचारिकताओं से मुक्ति मिलने पर स्वतंत्र पारगमन सौदों से लगायत संबंधों को और बढ़ाएगा। साझी विरासत साझी संस्कृति के साथ विवाद मुक्त व संघर्ष मुक्त युद्ध विहीन समाज की स्थापना संभव होगा और मजहब आधारित हिंसा का खात्मा होगा।

इसके क्रियान्वयन के तहत सबसे पहले इन सारे देशों के साथ वार्ता शुरू की जाय, फिर उन बिंदुओं को चिन्हित किया जाय जहां समझौता हो सकता है और इस दिशा में धीरे धीरे आगे बढ़ा जाये जिसमें सबसे पहले है राष्ट्रमंडल खेलों की तरह अंतरराष्ट्रीय भारत-मंडल खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें सभी सम्बद्ध देशों के खिलाडी आयें और प्रति वर्ष यह भारत-मंडल के अलग अलग देशों में आयोजित हो। दूसरे चरण में भारत-मंडल देशों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय। तीसरे चरण के रूप में आपस में सारे देश वीसा ऑन एराइवल की सुविधा के साथ पारगमन को और आसान बना सकते हैं और जहां जहां वीसा शुल्क हो, उसे माफ़ कर सकते हैं। चौथे चरण में नाटो के तर्ज पर कॉमन नेवी के रूप में एक सुरक्षा समझौता कर सकते हैं। यूरो की तरह एक मान्य कॉमन करेंसी के प्रयोग से आपस में व्यापार की गति को बढ़ा सकते हैं और पश्चिमी देशों से आयात निर्भरता को काफी कम कर सकते हैं।कुल मिलाकर अखंड भारत आज के इस वैश्विक व्यवस्था में एक देश के रूप में तो चिन्हित नहीं हो सकता लेकिन भारत मंडल का स्वप्न साकार किया जा सकता है।

शुरू हो गया है चैत्र माह भूलकर भी न करें ये काम

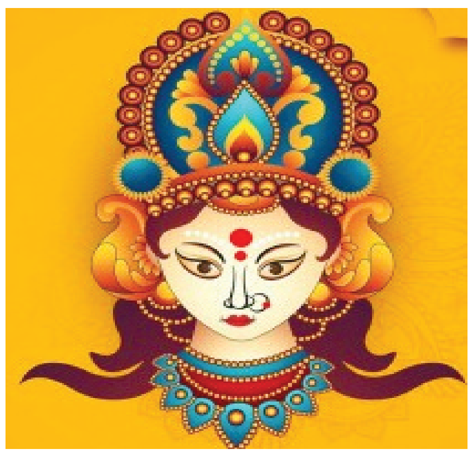

चैत्र महीना 26 मार्च से शुरू हो चुका है 23 अप्रैल तक रहेगा। इस महीने के तीज-त्योहार बेहद खास होते हैं, क्योंकि चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की पहली तिथि से ही नववर्ष शुरू होता है। चैत्र महीने में सूर्य अपनी उच्च राशि में होता है और इसी महीने में पहली ऋतु होती है यानी वसंत का मौसम होता है।

हिंदू कैलेंडर का पहला महीना चैत्र शुरू हो गया है लेकिन अब 15 दिन बाद यानी 9 अप्रैल को हिंदू नववर्ष शुरू होगा। इन 15 दिनों की गिनती नए साल में नहीं होती, क्योंकि इन दिनों चंद्रमा अंधेरे की ओर यानी अमावस्या की तरफ बढ़ता है। इन 15 दिन में चंद्रमा लगातार घटता है और अंधेरा बढ़ता है, लेकिन सनातन धर्म तमसो मां ज्योतिर्गमय यानी अंधेरे से उजाले की तरफ जाने की बात करता है, इसलिए चैत्र महीने की अमावस्या के अगले दिन पहली तिथि को जब चंद्रमा बढ़ने लगता है तभी नववर्ष मनाते हैं।

चैत्र महीने में क्या करें और क्या नहीं करें

डॉ अनीष व्यास ने बताया कि महाभारत के मुताबिक इस महीने में एक समय भोजन-खाना चाहिए।

नियमित रूप से भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करनी चाहिए और व्रत भी करना चाहिए। इस महीने सूर्योदय से पहले उठकर ध्यान और योग का विधान है। ऐसा करने से तनाव मुक्त और स्वस्थ्य रहते हैं। इस महीने में सूर्य और देवी की उपासना करना चाहिए, जिससे पद-प्रतिष्ठा के साथ ही शक्ति और ऊर्जा भी मिलती है। चैत्र महीने के दौरान नियम से पेड़-पौधों में जल डालना चाहिए और लाल फलों का दान करना चाहिए। चैत्र महीने में एक वक्त खाना खाने से बीमारियों से बचे रहते हैं। इस महीने में गुड़ खाने की मनाही है। वहीं, नीम के पत्ते खाने की बात आयुर्वेद कहता है। सोने से पहले हाथ-मुंह धोने चाहिए और पतले कपड़े पहनने चाहिए। हल्के कपड़े पहनने चाहिए। संतुलित श्रृंगार करना चाहिए। इस महीने भोजन में अनाज का उपयोग कम से कम और फलों का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए। इस महीने से बासी भोजन, खाना बंद कर देना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक इस महीने में ठंडे जल से स्नान करना चाहिए। गर्म पानी से नहीं नहाना चाहिए।

न करें दूध का सेवन

चैत्र मास में पेट का पाचन थोड़ा सा कमजोर हो जाता है। इसलिए इस महीने में दूध का सेवन करना बंद कर दें। इस महीने में दूध का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। दूध की बजाए इस महीने में दही और मिश्री का सेवन करने से लाभ होगा।

कर दें नमक का त्याग

चैत्र मास में नमक का सेवन न करें। इस महीने में कम से कम 15 दिन नमक का सेवन न करें। अगर त्याग न कर सके तो आप सेंधा नमक भी खाकर काम चला सकते हैं।

इस महीने में जिन लोगों को हाई बीपी रहता है उनके लिए नमक छोड़ देना सबसे ज्यादा लाभ देने वाला होता है।

न करें अधिक तला भुना भोजन का सेवन

भविष्यवक्ता और कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र मास में तली भुनी चीजों का प्रयोग कम से कम करें। इस महीने में आपको अपच की समस्या रहती है। इस महीने में आपको अधिक से अधिक फलों का सेवन करना चाहिए। तरल चीजों का प्रयोग करें और पानी वाले फल अधिक खाएं।

ब्रह्मा-विष्णु और महेश इन तीनों में श्रेष्ठ कौन हैं?

सोच-विचार करने के बाद ऋषि-मुनियों ने सर्वश्रेष्ठ देवता की परख करने का काम भृगु ऋषि को सौंपा। भृगु ऋषि सबसे पहले ब्रह्मलोक पहुंचे और ब्रह्मा जी के पास जाकर बैठ गए।

ब्रह्मा जी को ये बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा कि कोई एकदम उनके पास आकर बैठ गया है।

भृगु ऋषि पर उन्हें गुस्सा आया, लेकिन वे कुछ बोले नहीं। भृगु ऋषि ब्रह्मा जी के हाव-भाव देखकर समझ गए कि इन्हें मेरा इस तरह बैठना अच्छा नहीं लगा है।

ब्रह्म लोक के बाद भृगु शिव लोक पहुंचे। वहां जैसे ही शिव जी ने भृगु ऋषि को देखा तो वे खुद उठकर उनके पास पहुंचे और उन्हें गले लगाने की कोशिश की, लेकिन ऋषि ने ऐसा करने से मना कर दिया और पीछे हट गए।

भृगु शिव जी से बोले कि आपने चिता की भस्म लगा रखी है, मैं उसे स्पर्श नहीं कर सकता।

ये सुनते ही शिव जी को गुस्सा आ गया, उन्होंने त्रिशूल उठा लिया। उस समय देवी पार्वती ने शिव जी को शांत किया। भृगु ऋषि समझ गए कि यहां तो ब्रह्मा जी से भी ज्यादा आक्रामक प्रतिक्रिया है।

इसके बाद वे विष्णु लोक पहुंचे। भृगु ऋषि विष्णु लोक पहुंचे तो उस समय वहां विष्णु जी विश्राम कर रहे थे।

भृगु ऋषि भगवान के पास पहुंचे और उन्होंने एक पैर विष्णु जी की छाती पर मार दिया।

भृगु ऋषि के इस काम के बाद भी विष्णु जी क्रोधित नहीं हुए। वे तुरंत उठे और ऋषि के पैर पकड़ कर बोले कि मेरी छाती पर अनेक शत्रुओं ने प्रहार किए हैं। सभी के प्रहारों को सह-सहकर मेरी छाती बहुत कठोर हो गई है। आपके पैर तो कोमल हैं, इस वजह से आपको कहीं चोट तो नहीं लगी?

इस घटना के बाद भृगु ऋषि सभी ऋषियों के पास लौट आए और सभी से कहा कि मेरी नजर में सबसे श्रेष्ठ विष्णु जी हैं और इसीलिए पालन का काम वे कर रहे हैं।

इस प्रसंग में विष्णु जी ने संदेश दिया है कि हमें किसी भी स्थिति में धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए।

सपने में मछली का दिखना करता है कई बड़े इशारे, ऐसे जानें शुभ-अशुभ संकेत

स्वप्न शास्त्र मानता है कि सपने में दिखाई देने वाली प्रत्येक चीज़ का कोई न कोई मतलब निकलता है। कुछ सपने अतीत को दिखाते हैं, तो कुछ भविष्य का आईना होते हैं। इसी तरह यदि सपने में आप किसी जीव को देखते हैं। तो इसका भी आपके जीवन की लिए कुछ मतलब हो सकता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति सपने में मछली देखता है। तो यह उस व्यक्ति के जीवन के लिए मिलाजुला प्रभाव हो सकता है। मछली से जुड़े सपने प्रतिकूल संकेत भी दे सकते हैं।

1. प्रेगनेंसी में मछली का सपना देखना

यदि प्रेग्नेंसी की पहली तिमाही के दौरान आप कोई ऐसा सपना देखती हैं, जिसमें आपको ढेर सारी मछलियां दिखाई दे रही है। तो यह आपके लिए शुभ हो सकता है। इस सपने का अर्थ है कि आपका प्रेगनेंसी का समय बेहद अच्छा गुज़रने वाला है। आपको किसी भी तरह की समस्या नहीं होगी। कुल मिलाकर यह सपना आपके लिए बेहद शुभ होगा और यह भविष्य में आपको शुभ फल प्रदान करेगा।

2. सपने में पालतू मछली देखना

यदि आप सपने में किसी एक्वेरियम में मछली देखते हैं। जो घर में रखा हुआ है, तो यह आपके लिए ज़िम्मेदारी का संकेत हो सकता है। इस सपने का वास्तविक जीवन में अर्थ है कि आपको आने वाले भविष्य में कोई बड़ी ज़िम्मेदारी मिल सकती है। गोल्डफिश का सपना देखना प्रतीक है कि आप किसी ज़िम्मेदारी को ठीक से नहीं निभा रहे हैं।

3. सपने में मछली का जोड़ा देखना

यदि आपको अपने सपने में मछलियों का जोड़ा दिखाई देता है तो यह आपके प्रेम और वैवाहिक जीवन के लिए शुभ संकेत हो सकता है। मछलियों का जोड़ा देखने का अर्थ है कि आपका आपके प्रेमी या जीवनसाथी के साथ प्रेम बढ़ने वाला है। गोल्डफिश को प्रेम का प्रतीक माना जाता है। सपने में गोल्डफिश देखने का मतलब है कि आपकी जीवन में सामंजस्य आएगा।

4. ख़ुद को मछली पकड़ते हुए देखना

यदि आप अपने आपको किसी समुद्र में बहुत सारी मछलियां पकड़ते हुए देख रहे हैं, तो यह सपना वास्तविक जीवन में इस बात का प्रतीक है कि आप किसी काम को करने में असफल हो रहे हैं, लेकिन जल्द ही आपको उस काम में सफलता प्राप्त होगी। मछलियां पकड़ते हुए देखना रिश्ते से जुड़े किसी निर्णय की तरफ़ इशारा करता है, या फिर आपकी नौकरी से जुड़ी कोई बात भी हो सकती है।

कब से शुरू हो रहा है चोर पंचक?

हिंदू कैलेंडर के पहले माह चैत्र या अंग्रेजी के चौथे माह अप्रैल में पंचक लगने जा रहा है। यह सभी पंचकों से अलग होगा। इस पंचक की शुरुआत शुक्रवार के दिन से होगी, इस वजह से यह चोर पंचक होगा। चोर पंचक के समय में कुछ कार्यों को करने की मनाही होती है। यदि आप उन कार्यों को करते हैं तो आपको हानि उठानी पड़ सकती है। ज्योतिषशास्त्र में पंचक को अशुभ समय में माना जाता है। चोर पंचक कब से शुरू हो रहा है? चोर पंचक में कौन से काम नहीं करने चाहिए?

कब है चोर पंचक 2024?

चैत्र या अप्रैल माह में पंचक का प्रारंभ 5 अप्रैल दिन शुक्रवार से हो रहा है। चोर पंचक 5 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 12 मिनट से शुरू होगा। उस दिन चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि है, उस दिन पापमोचिनी एकादशी व्रत है।

चोर पंचक 2024 का समापन

5 अप्रैल को शुरू हुआ चोर पंचक 9 अप्रैल दिन मंगलवार को खत्म होगा। उस दिन पंचक सुबह 06 बजकर 02 मिनट से सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। उस दिन चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है और उस दिन हिंदू नववर्ष की शुरूआत है।

चोर पंचक में क्या न करें?

1. चोर पंचक के समय में आपको किसी भी प्रकार का लेन देन नहीं करना चाहिए। इस दौरान आपको किसी से रुपए नहीं लेने चाहिए और न देने चाहिए।
2. चोर पंचक के समय में कोई भी बिजनेस डील या व्यापार से जुड़े लेने-देन करने से बचना चाहिए। इससे धन हानि का डर रहता है।
3. चोर पंचक में यात्रा करना भी वर्जित होता है।

किस दिन कौन सा पंचक?

1. मंगलवार को शुरू होने वाला पंचक अग्नि पंचक कहलाता है। इस पंचक में आग से भय रहता है।
2. शनिवार के दिन प्रारंभ होने वाला पंचक मृत्यु पंचक कहलाता है। इस पंचक में मृत्यु समान कष्ट मिलता है। इसमें दुर्घटना, वाद विवाद, झगड़ा होने की आशंका रहती है।
3. सोमवार को शुरू होने वाले पंचक को राज पंचक कहते हैं। यह एक शुभ पंचक होता है, जिसमें प्रॉपर्टी से जुड़े कार्य करने से धन-संपत्ति बढ़ती है।
4. रविवार के दिन प्रारंभ होने वाले पंचक को रोग पंचक कहते हैं। इसमें कोई शुभ कार्य नहीं करते हैं। इसमें व्यक्ति को शारीरिक पीड़ा होने का डर रहता है।
5. शुक्रवार को शुरू हुआ पंचक चोर पंचक कहलाता है। यह अशुभ फलदायी पंचक माना जाता है।

आपके पैर का जूता भी काफी कुछ बताता है आपके बारे में

जिस तरह नए या पुराने जूते, चप्पल या सैंडल को देखकर कोई भी किसी भी व्यक्ति की आर्थिक दशा आदि के बारे में अनुमान लगा सकता है, उसी प्रकार व्यक्ति के द्वारा पहने जाने वाले जूते-चप्पलों की एड़ी की घिसावट आदि का विश्लेषण कर व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है। पाश्चात्य देश के विद्वानों ने इस संबंध में गहन जानकारी एकत्र की है, इसके लिए उन्होंने काफी समय तक मोची के रूप में भी कार्य किया और मरम्मत के लिए आने वाले लोगों के जूते, चप्पलों को देखकर वे उनके चरित्र का विश्लेषण किया करते थे।

आपकी हर चीज बताती है आपके बारे में - आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पैरों में धारण करने वाले जूते, चप्पल, सैंडल, व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं उसके जीवन की भावी घटनाओं के संकेत देते हैं। भविष्य कथन के लिए विद्वानों ने सामुद्रिक शास्त्र, मस्तक रेखा, हस्तरेखा विज्ञान, आकृति विज्ञान, शकुन शास्त्र, स्वर विज्ञान आदि अनेकानेक विद्याओं को प्रतिपादित किया है। हाथ तथा माथे की रेखाएं, चेहरे की भाव भंगिमा, ऐसे अनेक माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य के भविष्य, आचार, विचार और आचरण का आदिकाल से विश्लेषण किया जाता रहा है। जिस प्रकार मनुष्य की वेशभूषा, उसकी बातचीत करने का ढंग स्वतः ही उस व्यक्ति के स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देते है, उसी तरह से जूते, चप्पल तथा सैंडलों की ऐड़िया भी चुपके से सब कुछ बता देती हैं। किसी भी मनुष्य के स्वभाव आदि के बारे में उसके जूतों से भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, बस केवल आपको उस व्यक्ति द्वारा पहने गए जूते या सैंडल को उलटकर देखना होगा।

1) अगर बाएं पैर के जूते, चप्पलों की एड़ी दाएं पैर के जूते-चप्पलों की एड़ी की अपेक्षा अधिक घिसती है तो ऐसा व्यक्ति बुद्धिमान, ज्ञानी एवं उग्र होता है। पैतृक संपत्ति एवं जायदाद प्राप्ति में उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आयु के 38वें, 43वें वर्ष के दौरान बड़ा वाहन प्राप्त होता है। ऐसा व्यक्ति अपने पिता से ज्यादा उन्नति करता है और अपने बलबूते पर सफलता, धन व यश कीर्ति अर्जित करता है। 28 वें वर्ष के आसपास उसके कर्मक्षेत्र में विशेष उन्नति होती है। शिक्षा प्राप्ति में कई व्यवधान सामने आते है। 19 से 22 वें वर्ष में किसी अप्रिय एवं असम्मान जनक घटना घटित होने की आशंका रहती है।

2) अगर दाएं पैर के जूते, चप्पलों की एड़ी बाएं पैर के जूते-चप्पलों की एड़ी की अपेक्षा अधिक घिसती है तो ऐसा व्यक्ति सामान्यतः अपना कार्य धीमी गति से करता है। ऐसे लोग जीवन में हमेशा दूसरों के सहारे अथवा सहयोग से जीवन में उन्नति की आशा रखते है। पैतृक संपत्ति से लाभ का योग रहता है। ग्रह गोचर निर्बल होने पर किसी अप्रिय घटना, दुर्घटना, चोट-चपेट की प्रबल संभावनाएं रहती है। 39 वर्ष की आयु में जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन आते हैं।

3) अगर दायें तथा बायें पैर के जूते-चप्पलों की एड़ियां समान रूप से घिसती हैं तो ऐसा व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समन्वय बनाकर चलता है, धार्मिक एवं दयालु प्रवृत्ति का होता है। जीवन में धनादि के कार्यो में से स्थायित्व प्राप्त होता है। विवाह उपरान्त, संतान की प्राप्ति के उपरान्त भाग्य साथ देता है। ऐसा व्यक्ति घर की साज-सज्जा पर विशेष ध्यान एवं व्यय करता है। प्रायः यह लोग अपने जन्म स्थान, पैतृक स्थान से दूर ही कार्य व्यापार में उन्नति करते है। इनके जीवन में प्रायः दो की उपलब्धि होती है यथा दो स्त्रोत से आजीविका, दो बच्चे, दो मकान इत्यादि का योग प्रबल रहता है। जन्म कुंडली का संतान भाव कमजोर होने पर एक संतान से हानि व कष्ट के संकेत होते है।

दोपहर में क्यों नहीं जाते मंदिर? क्या कहते हैं धार्मिक ग्रंथ

सनातन धर्म में हर व्यक्ति को प्रतिदिन मंदिर जाने के बारे में कहा गया है। प्रतिदिन मंदिर जाकर देवी-देवता के दर्शन करने से सौभाग्य प्राप्त होता है,और देवी-देवताओं का आशीर्वाद भी मिलता है। देवी-देवताओं की पूजा अर्चना करने से जीवन में सकारात्मकता आती है, और सुख समृद्धि प्राप्त होती है। हालांकि मंदिर जाने के लिए भी हिन्दू धर्म शास्त्रों में कुछ समय निश्चित किये गए हैं। मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए सुबह और शाम का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार दोपहर के समय मंदिर जाना सही नहीं होता है। माना जाता है कि दिन में भगवान की पूजा आराधना करने से पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है।

दोपहर में मंदिर जाना क्यों वर्जित है?

धर्म शास्त्रों में दोपहर में मंदिर न जाने के पीछे तीन कारण बताए गए हैं।

-पहला कारण दोपहर के समय हमारे शरीर में आलस भरा होता है। हमारा दिमाग नींद में होता है। ऐसे में भगवान के दर्शन और पूजा पाठ में सही से मन नहीं लग पाता, जिस कारण पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है, इसलिए दोपहर में भगवान के दर्शन करना उचित नहीं माना जाता है।

-दूसरा प्रमुख कारण जो धर्म शास्त्रों में बताया गया है, कि ज़्यादातर मंदिरों के पट दोपहर के समय बंद कर दिए जाते हैं। दोपहर का समय भगवान के शयन के लिए होता है। ऐसे में दोपहर के समय मंदिर जाने से भगवान की निद्रा में बाधा उत्पन्न होती है। इसी कारण दिन में मंदिर जाना उचित नहीं माना जाता है।

-हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार सुबह और शाम का समय मनुष्यों और पवित्र जीवों का होता है, जबकि दोपहर और रात का वक़्त प्रेतों, पितरों और अतृप्त शक्तियों का माना गया है। इस समय अदृश्य शक्तियां ईश्वर के दर्शन के लिए मंदिरों में मौजूद रहती हैं, ताकि उन्हें उस योनि से मुक्ति मिल सके। ऐसे में आपका दिन के समय मंदिर जाना उचित नहीं होता है।

अल्लू अर्जुन ने दुबई में किया अपने मोम के पुतले का अनावरण, 'पुष्पा' स्टाइल में दिया पोज

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन में एक और सफलता की सीढ़ी चढ़ ली है। अल्लू अर्जुन ने एक नया 'मील का पत्थर' हासिल किया है। अभिनेता ने आखिरकार दुबई के मैडम तुसाद संग्राहलय में अपने मोम के पुतले का अनावरण किया। पुतले का अनावरण बीते गुरुवार, 28 मार्च की शाम को किया गया, जिसे अभिनेता ने बड़ी उत्साह के साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए फैंस के साथ साझा किया। अल्लू अर्जुन ने अपने वैक्स स्टैचू के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जो इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2ः द रूल' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, उन्होंने फिल्म के पहले भाग 'पुष्पाः द राइज' ने वैश्विक पहचान हासिल की थी। 'पुष्पा' स्टार मोम की प्रतिमा से सम्मानित होने वाले नवीनतम स्टार हैं। ऐसे में उन्होंने अपने पुतले के साथ 'पुष्पा' का आइकॉनिक पोज दोहराया और 'पुष्पा' स्टाइल में तस्वीरें खींचवाईं। अल्लू अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से जो तस्वीर साझा की है, उसमें वे मोम की प्रतिमा के साथ पुष्पा के अंदाज में पोज दे रहे हैं।

अल्लू को 'डांसिंग किंग' कहते हुए मैडम तुसाद ने अनावरण के बाद अभिनेता और उनकी मोम की प्रतिमा की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की। मोम की प्रतिमा को 'अला वैकुंठपुरमुलू' की प्रतिष्ठित लाल जैकेट पहनाई गई है, जबकि पुष्पा ने 'थगडे ले' का भाव प्रदर्शित किया है। अल्लू अर्जुन ने भी अनावरण के लिए वही ऑउटफिट चुना। शाम की शुरुआत में प्रतिमा के लॉन्च की जानकारी देते हुए अल्लू ने लिखा, 'यह हर अभिनेता के लिए एक मील का पत्थर है।'

उन्होंने एक्स और इंस्टाग्राम पर फोटो को कैप्शन के साथ साझा किया और लिखा, 'हियर वी गो, मैडम तुसाद दुबई, थगडे ले।' अभिनेता की इस तस्वीर पर उनके फैंस भी जमकर प्यार बरसा रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं। वहीं, मैडम तुसाद ने मोम की प्रतिमा के अनावरण का एक वीडियो भी पोस्ट किया, जो काफी मजेदार था। अल्लू अर्जुन जब मोम के पुतले के अनावरण के लिए तैयार थे, तभी उनकी बेटे अल्लू अरहा भी उनके पुतले के साथ पुष्पा स्टाइल में पोज दे रही थीं, जिसे देख अभिनेता हंसने लगे।

अभिनेता को प्रशंसकों और सेलेब्स की ओर से बधाइयां मिल रही हैं। राम चरण की पत्नी उपासना ने लिखा, 'यह अद्भुत है, हार्दिक बधाई।' लक्ष्मी मांचू ने मोम की मूर्ति के लिए अल्लू की प्रशंसा करते हुए लिखा, 'वाह।

चिरंजीवी की बेटी श्रीजा के पूर्व पति कल्याण देव अभिनेता की बेटी अरहा के पोज से प्रभावित हुए और उन्होंने लिखा, 'अपने प्यारे गालों के साथ अरहा।' मोम की प्रतिमा का अनावरण उसी दिन किया गया था, जिस दिन 2003 में अभिनेता की पहली फिल्म गंगोत्री रिलीज हुई थी। वे कितना आगे आ गए हैं, इस पर विचार करते हुए अभिनेता ने एक्स पर लिखा, 'आज का दिन बहुत शानदार है। मेरी पहली फिल्म 'गंगोत्री' आज ही के दिन 2003 में रिलीज हुई थी और आज मैं मैडम तुसाद दुबई में अपनी वैक्स स्टैच्यू लॉन्च कर रहा हूं।'

हिंदी सिनेमा की कॉमेडी फ्रेंचाइजी में आधी आबादी की धमक, करीना, तब्बू और कृति की गर्लगैंग पॉवर

क्रू मूवी रिव्यू

कलाकारः तब्बू , करीना कपूर खान , कृति सेनन , तृप्ति खामकर , कपिल शर्मा , दिलजीत दोसांझ , कुलभूषण खरबंदा और राजेश शर्मा आदि

गुड फ्राइडे के दिन रिलीज हो रही फिल्म 'क्रू' हिंदी सिनेमा में उस नई स्थापना पर जोर देती फिल्म है जिसके लिए हिंदी सिनेमा की नायिकाएं बीते एक दशक या उससे भी ज्यादा समय से एड़ी चोटी का जोर लगाती रही हैं, और वह है नायकों से समानता। तो हिंदी सिनेमा की 'धमाल', 'गोलमाल', 'हाउसफुल' और 'वेलकम' जैसी हीरो प्रधान कॉमेडी फ्रेंचाइजी फिल्मों से मुकाबला करने निकली है एकता कपूर और अनिल कपूर की कंपनियों की मिलीजुली कोशिश, फिल्म 'क्रू'। क्रू यानी हवाई जहाज में काम करने वाले कर्मचारियों का दस्ता। कहानी तीन विमान परिचारिकाओं (एयर होस्टेस) की है। तीनों गरीब हैं। तीनों की अपनी अपनी परेशानियां हैं।

आर्थिक प्रबंधन पर तंज कसती फिल्म

तो जिस देश में हवाई जहाज चलाने वाली कंपनियों के बंद होते जाने का लंबा इतिहास रहा हो और जहां खूबसूरत परियों के बीच रहने वाले शहजादे जैसा एक हवाई जहाज कंपनी का मालिक अपनी सारी दौलत विदेश में ले जाकर मजे कर रहा हो, वहां एक 'सच्ची' सी घटना पर एक मजाकिया फिल्म बनाना आसान काम नहीं है।

समझ सको तो समझ लो दिलबरजानी

फिल्म 'क्रू' तीन विमान परिचारिकाओं की कहानी है। तीनों अलग अलग आयु वर्ग की हैं। सबसे उम्रदराज अपने से छोटी के बार बार मेकअप करने की कोशिशों पर ताने मारती है। ये मंझली वाली सोशल मीडिया की शौकीन है। मौका मिला नहीं कि किसी बड़े ब्रांड के उत्पाद के साथ सेल्फी खींची नहीं। सबसे छोटी वाली का अपना अलग दुखड़ा है। हरियाणा के किसी ऐसे गांव से है जहां अंग्रेजों के जमाने की हवाई पट्टी तो है पर जहां जहाज कोई आज तक नहीं उतरा। घर वाले उसे पायलट की पढ़ाई कराते हैं। आर्थिक हालात देश के ऐसे हैं कि एक पढ़ी लिखी पायलट को विमान परिचारिका की नौकरी करनी पड़ रही है।

35 हजार फिट की ऊंचाई पर

खुलासा

खैर, इन तीनों परिचारिकों को छह महीने से तनख्वाह नहीं मिली है। जिस हवाई जहाज कंपनी में वह काम कर रही हैं, उसका मालिक विदेश में हैं। कंपनी का एक मुलाजिम उनके लिए 'खास' आपूर्ति यहां देश से विदेश के लिए कर रहा है। मामला तब खुलता है जब एक दिन कोई 35 हजार फिट की ऊंचाई पर इनका एक पायलट टपक जाता है और सोने की तस्करी का मामला सामने आता है।

तब्बू से बेहतर किरदारों की उम्मीद

फिल्म 'क्रू' की कहानी अच्छी है। इसका माहौल अच्छा है। निर्देशन भी बेहतर है। बस इसकी सबसे बड़ी गड़बड़ी है इसकी कास्टिंग। तब्बू को गालियां देते देखते देखते दर्शक पक चुके हैं। वह अच्छी अभिनेत्री हैं लेकिन निर्देशक उनको धीरे धीरे टाइपकास्ट करते जा रहे हैं। तब्बू के पास दूसरे विकल्प भी अब इस उम्र में ज्यादा बचे नहीं हैं।

करीना की अदाकारी का रोशनदान

सिर्फ करीना कपूर खान का किरदार यहां तराजू के पलड़ों सा ऊपर नीचे होता रहता है। करीना ने अपने किरदार को जीया भी अच्छा है। फिल्म के संवाद बेहतर होते तो ये फिल्म 'मस्त फैमिली एंटरटेनर' हो सकती थी। युवाओं को खींचने के लिए डाले गए दादा कोंडके टाइप द्विअर्थी संवाद फिल्म का मजा ही खराब करते हैं। कस्टम दरोगा के किरदार में तृप्ति खामकर ने बहुत बढ़िया एक्टिंग की है। हालांकि, सिर्फ नाम के लिए मौजूद कपिल शर्मा और दिलजीत दोसांझ के होने न होने का असर फिल्म पर दिखता नहीं है।

ओवर मेकअप, उससे लचर संगीत

फिल्म 'क्रू' की दूसरी गड़बड़ी है इसकी तकनीकी टीम। फिल्म को विशाल और अद्भुत दिखाने के लिए राजेश ए कृष्णन ने इसका जो ग्राफ स्थापित किया है, वह अच्छा है लेकिन इस खाके में भरे गए रंग कच्चे हैं। फिल्म में कलाकारों की रूपसज्जा (मेकअप) और केशसज्जा (हेयर डिजाइनिंग) बहुत खराब है। हर कलाकार शोकेस में लगा सजावटी पुतला सा नजर आता है। बैकग्राउंड म्यूजिक (पार्श्वसंगीत) यूं लगता है कि किसी म्यूजिक बैंक से निकालकर फिल्म में जोड़ दिया गया है। गाना फिल्म का एक भी याद रखने लायक नहीं है। चार गानों में सात गीतकारों और पांच संगीतकारों के नाम हैं।

रवीना टंडन ने खींची अदाकारी की एक और लंबी लकीर, एक बंदा ही नहीं सिर्फ एक बंदी भी काफी है

पटना शुक्ला मूवी रिव्यू

कलाकार : रवीना टंडन , सतीश कौशिक , जतिन गोस्वामी , मानव विज , चंदन रॉय सान्याल , अनुष्का कौशिक , रियो कपाड़िया , दया शंकर पांडे और अमित गौड़

रवीना टंडन इन दिनों अपनी अभिनय यात्रा की दूसरी पारी खेल रही हैं। पहली पारी जब वह सिनेमा की पिच पर खेलने उतरी थीं तो ये उन दिनों की बात हुआ करती थी जब उन्हें 'टिप टिप बरसा पानी' और 'तू चीज बड़ी है मस्त मस्त' जैसे गानों में ठुमके लगाने के लिए ही फिल्मों में लिया जाता था। हालांकि, उस दौर में भी रवीना ने 'दमन' और 'शूल' जैसी फिल्मों में दिखाया कि वह अभिनय भी कमाल का कर सकती हैं। 'दमन' के लिए तो उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता। तीन साल पहले रवीना ने ओटीटी पर अपनी दूसरी पारी खेलनी शुरू की है।

सिर्फ एक बंदी काफी है

फिल्म 'पटना शुक्ला' अपनी चंद लेखकीय और निर्देशकीय खामियों के बावजूद अगर एक दर्शनीय फिल्म और सामाजिक सिनेमा बन पाती है तो उसमें फिल्म की कहानी, इसकी पृष्ठभूमि और इसकी मुख्य कलाकार रवीना टंडन का अभिनय सबसे अहम है। ये फिल्म कुछ कुछ उसी पृष्ठभूमि पर है जिस पर हालिया रिलीज फिल्म 'भक्षक' बनी। खान सितारों का भी ये दूसरा दौर चल रहा है। आमिर खान 'लापता लेडीज' बना रहे हैं। शाहरुख खान ने 'भक्षक' बनाई। और, सलमान खान ने हालांकि अपनी भांजी को लेकर 'फर्रे' बनाई लेकिन आमिर और शाहरुख के सामाजिक सिनेमा को आगे बढ़ाया है सलमान के भाई अरबाज खान ने अपनी इस नई फिल्म 'पटना शुक्ला' में। फिल्म का शीर्षक इसकी मुख्य कलाकार के किरदार के लोकप्रिय होने से मिला नाम है। फिल्म में इस किरदार का नाम है तन्वी शुक्ला।

घर की मुर्गी दाल बराबर नहीं है

तन्वी शुक्ला को लोग 'पटना शुक्ला' कैसे बुलाने लगते हैं? भले फिल्म इस नाटकीय परिवर्तन को असरदार तरीके से दिखाने से चूक गई हो लेकिन तन्वी शुक्ला की कहानी अपने आप में असरदार है। वह पेशे से वकील है। अदालत परिसर में उसका अपना बस्ता है। जांघिये के लिए मिले कपड़े से आधा मीटर कपड़े की बेईमानी कर लेने वाले दर्जी के खिलाफ मुकदमा जीतते दिखाकर फिल्म ये स्थापित करती है कि तन्वी के पास आने वाले मामले मामूली हैं। अदालत का जज और खुद उसका पति भी उसे मामूली वकील समझता है। पति तो अपने सहकर्मियों और उनकी पत्नियों के सामने कहता भी है, 'ये एफिडेविट (हलफनामा) अच्छा बना लेती हैं।'

मां, बेटी, पत्नी और वकील...

फिल्म 'पटना शुक्ला' की कहानी विहार विश्वविद्यालय में चल रही धांधली का खुलासा करती है। शुरू में लगता है कि ये उत्तर पुस्तिकाएं बदलने का मामला है लेकिन फिर पता चलता है कि सीसीटीवी लगे स्ट्रॉन्ग रूम के 'ब्लाइन्ड स्पॉट' पर बैठा शख्स कैसे लोगों की मार्कशीट ही बदल देता है। मामला खुल चुका है। लेकिन, अदालत सबूत मांगती है। जिस युवती का मुकदमा तन्वी लड़ रही है, वह एक रिक्शावाले की बेटी है। वह वादा करती है कि दबाव पड़ने पर वह टूटेगी नहीं। तन्वी शुक्ला खुद तनकर खड़ी रहने वाली महिला है। वह खाना भी अच्छा बनाती है। उसके बनाए लड्डुओं की तारीफ जज भी करते हैं।

कुछ भूला, कुछ याद किया..

निर्देशक विवेक बुड़ाकोटी की फिल्म 'पटना शुक्ला' देखते समय कई हालिया रिलीज और कई पुरानी फिल्मों की याद आपको आती रह सकती है। 'जॉली एलएलबी' के जज सौरभ शुक्ला आपको याद आ सकते हैं। 'फर्रे' की चंद घटनाएं जहन में आ सकती हैं और भी दृश्य आपकी याददाश्त मे कुलबुला सकते हैं। लेकिन, मुझे ये फिल्म देखते समय बार बार याद आती रही मनोज बाजपेयी और रवीना टंडन की फिल्म 'शूल'। उस फिल्म में मनोज के किरदार को सबने याद रखा और रवीना के किरदार को भूल गए। लेकिन, रवीना ने इस फिल्म के जरिये इस बार मनोज की फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के बराबर की लकीर खींची हैं। रवीना की ये फिल्म इन दोनों फिल्मों की याद दिलाती है। तन्वी बिहार की बेटी है। एक ऐसे राज्य में वह वकालत करने निकली है, जिसके सिस्टम को घुन लग चुका है।

अदाकारी में पूरी तरह रमी रवीना टंडन

तन्वी शुक्ला का ये किरदार रवीना टंडन की अभिनय यात्रा का वह मील का पत्थर है जिसे लोग आने वाले समय में लंबे समय तक याद करते रहेंगे। रवीना ने इस किरदार को निभाते समय जिस तरह की दैहिक भाषा अपनाई है, वह काबिले तारीफ है।

साड़ी में वह खूबसूरत लगती हैं। उनकी सौम्यता और शिष्टता इस किरदार को मजबूती देती है। रवीना का चलने का अंदाज, बोलने का अंदाज और अपनी बात कहते समय चेहरे पर एक दृढ़ता लिए रहने का अंदाज काबिले तारीफ है।

सारा अली खान ने 'कमाल' कर दिया

यह अच्छी बात है कि फैन्स को मेरा नमस्ते करना पसंद आता है। मैं भारतीय कपड़ों में ही एयरपोर्ट जाती हूं और गीले बालों के साथ भी कई बार दिख जाती हूं। ये सब मेरी हकीकत है।

हाल ही में लैक्मे फैशन वीक में अपनी कमाल की लुक से सारा अली खान ने हर किसी को हैरान कर दिया। जिस अंदाज में स्टाइलिश कपड़ों में अपने बदन पर पड़े जले के निशान उसने दिखाए, उसने हर किसी को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। दरअसल, हाल ही में सारा के पेट का कुछ हिस्सा जल गया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। फैशन वीक में शिरकत करने के लिए जब सारा पहुंची तो इस दौरान उसने अपने इस जले के निशान को मेकअप या प्रोस्थैटिक से छिपाने की बजाय खुलकर 'फ्लांट' किया, जो काबिल ए-तारीफ है।

बता दें कि सारा की चोट अभी तक ठीक नहीं हुई। ऐसे में उसने इतने हैवी फैशन आऊटफिट्स कैरी किए कि हर तरफ उसी के चर्चे हो रहे हैं। भारतीय परिधानों के प्रति अपनी रुचि के बारे में बात करते हुए सारा ने कहा, भारतीय कपड़े अविश्वसनीय रूप से काफी आरामदायक होते हैं। सार्वजनिक हस्तियों के तौर पर किसी भी चीज से ज्यादा यह हमारा कर्त्तव्य है कि हम फैशन और कपड़ों के स्तर पर भी अपनी संस्कृति को बढ़ावा दें, ताकि बाकी सभी लोग प्रेरित और प्रभावित हो सकें। उसने आगे कहा, मेरा मानना है कि फैशन में कम्फर्ट बेहद जरूरी है। जो चीज मुझे अच्छा महसूस कराती है, वह यह है कि मैं क्या पहनूं। मैं चीजों को सरल रखना पसंद करती हूं और इसीलिए मुझे साधारण कुर्ता पहनना पसंद है।

कोई मेरी नकल करे पसंद नहीं

सारा ने यह भी कहा कि जब कोई उसकी नकल करता है, तो यह बात उसको पसंद नहीं आती। सारा ने कहा, यह अच्छी बात है कि फैन्स को मेरा नमस्ते करना पसंद आता है। मैं भारतीय कपड़ों में ही एयरपोर्ट जाती हूं और गीले बालों के साथ भी कई बार दिख जाती हूं। ये सब मेरी हकीकत है। यह कोई एक्टिंग नहीं, जिसे लोग कॉपी करें। यह मेरा स्वभाव है, मैं लोगों से ऐसे ही मिलती हूं। उसने कहा कि उसके चाहने वाले यह समझ जाते हैं कि लोग उसकी नकल कर रहे हैं। गौरतलब है कि सारा कई बार भारतीय कपड़ों और गीले बालों में एयरपोर्ट पर नजर आ चुकी है और उसके बाद कई अभिनेत्रियों ने ऐसा किया। यह देखने के बाद सारा के फैन्स कहने लगे कि उसकी कॉपी की जा रही है। उसने कहा, शुरुआत में मुझे अजीब लगता था लेकिन अब मुझे लगता है कि जिसको मेरी कॉपी करनी है, कर ले।

अपने दिल का एक 'टुकड़ा' छोड़ दिया है : श्रेया चौधरी

श्रेया चौधरी ने प्रशंसित वैब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' में अपने शानदार अभिनय से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से, श्रेया फिल्म निर्माताओं के रडार पर है। श्रेया ने एक अभिनेत्री के रूप में खुद को बेहतर बनाने के लिए समय लिया और अब दो परियोजनाओं के साथ वापसी की है।

इस साल, वह 'द मेहता ब्वॉयज' में नजर आएगी, जो अभिनेता बोमन ईरानी के निर्देशन में पहली फिल्म है। श्रेया बहुप्रतीक्षित सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन में भी अपनी भूमिका दोहराएगी।

श्रेया कहती है, ₹एक अभिनेत्री के रूप में, मैं जो काम कर रही हूं और लोग मुझे किस रूप में देखेंगे, उसके संदर्भ में यह निश्चित रूप से मेरा सबसे अच्छा वर्ष है। बड़े इंटरनैशनल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दो प्रोजैक्ट होना अच्छा लगता है। वे एक कलाकार के रूप में मेरी विविधता दिखाएंगे।

बोमन ईरानी के साथ अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए श्रेया ने कहा, ऐसा हर दिन नहीं होता कि किसी को बोमन ईरानी सर जैसे क्रिएटिव मास्टरमाइंडद्वारा निर्देशित होने का मौका मिले! 'द मेहता ब्वॉयज' में उनके मार्गदर्शन में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं कि उन्हें लगा कि मैं उनके विजन का हिस्सा बनने के लायक हूं। दूसरी ओर 'बंदिश बैंडिट्स 'के सीजन 2 की घोषणा पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए श्रेया ने कहा, मैं इस बात से भी रोमांचित हूं कि मेरी सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स 2' इस साल स्ट्रीम होगी। 'बंदिश बैंडिट्स' सीजन 1 ने मुझे एक अभिनेत्री के रूप में बहुत प्रशंसा, बहुत प्यार दिया। मैं बस इतना कह सकती हूं कि इसकी कहानी पहले से भी अधिक दिलचस्प होने वाली है, इसलिए मुझे स्क्रीन पर अपना सब कुछ देना होगा।

वह कहती है, मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे इस सीजन के लिए उतना ही या उससे अधिक प्यार देंगे क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने इस सीरीज के सैट पर अपने दिल का एक टुकड़ा छोड़ दिया है।

खत्म नहीं हो रही मुंबई इंडियन्स की मुश्किलें सूर्या की वापसी में लग सकता है वक्त!

आईपीएल का 17वां सीजन मुंबई इंडियंस के लिए अब तक कुछ खास नहीं रहा है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में टीम ने दो मुकाबले खेले हैं जिनमें उसे एक भी जीत नहीं मिली है। पांच बार की विजेता टीम को धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की कमी खल रही है। हाल ही में उनकी स्पोर्ट्स हार्निया की सर्जरी हुई थी जिसके बाद से वह एक्शन में नहीं हैं। फिलहाल वह बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस बीच एक रिपोर्ट में सूर्या की वापसी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है।

कब होगी सूर्या की वापसी?

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का आगामी कुछ मैचों में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। रिपोर्ट्स में खुलासा हुआ है कि मुंबई इंडियंस के आगामी मैचों में उनकी वापसी कठिन है। उन्हें मैदान पर लौटने में वक्त लग सकता है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में टीम ने पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेला जिसमें एमआई को छह रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद आईपीएल 2024 के आठवें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई को 31 रन से करारी शिकस्त दी। अंक तालिका में फिलहाल टीम नौवें नंबर पर बनी हुई है।

बीसीसीआई नहीं लेना चाहता रिस्क

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आगामी टी20 विश्व कप 2024 को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूर्या की फिटनेस में कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है। भारत के लिए विश्व कप में सूर्या अहम भूमिका अदा करते दिख सकते हैं। उनके नाम इस प्रारूप में कई रिकॉर्ड दर्ज हैं।

सूर्या का करियर

मुंबई के लिए 2012 में आईपीएल डेब्यू करने वाले सूर्या ने अब तक 139 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 143.32 के स्ट्राइक रेट से 3249 रन बनाए हैं। आईपीएल में 33 वर्षीय बल्लेबाज के नाम एक शतक और 21 अर्धशतक दर्ज हैं। वह मुंबई के लिए तेजी से रन बनाने में माहिर हैं। वहीं, इस खिलाड़ी ने भारत के लिए 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2141 रन बनाए हैं। उनके नाम चार शतक और 17 अर्धशतक दर्ज हैं।

रोहित-बुमराह और पांड्या के अलावा मुंबई इंडियन्स के खिलाड़ियों के साथ कौन है ये मिस्ट्री गर्ल?

आईपीएल के 17वें सीजन में मुंबई इंडियंस को संघर्ष करते देखा जा रहा है। अब तक खेले गए दो मैचों में टीम को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। ऐसे में खिलाड़ियों को आलोचकों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिनमें एक महिला को एमआई के खिलाड़ियों के साथ देखा जा रहा है। मुंबई के फैंस इस महिला की पहचान जानने के लिए बेताब हैं। हर कोई जानना चाहता है कि रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पांड्या के साथ दिखने वाली यह मिस्ट्री गर्ल कौन है।

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल

इस महिला का नाम सेजल जायसवाल है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक रील साझा की है। इसमें उन्हें मुंबई इंडियंस के तमाम खिलाड़ियों के साथ फ्लाइट में तस्वीरें क्लिक कराते देखा जा रहा है। सेजल कभी रोहित शर्मा के साथ दिखती हैं तो कभी उन्हें टीम के गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा के साथ तस्वीरें क्लिक कराते देखा जा सकता है। इस रील में टिम डेविड, पीयूष चावला, तिलक वर्मा समेत एमआई के तमाम खिलाड़ी शामिल हैं। फैंस इस पोस्ट पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

कौन है यह मिस्ट्री गर्ल

सेजल जायसवाल एक अभिनेत्री हैं। इससे पहले वह फिजियोथेरेपिस्ट रह चुकी हैं। उन्हें 'दिल मांगे' मोर और 'डेटिंग इन डार्क' कई टीवी सीरियल्स में देखा जा चुका है। 19 वर्ष की आयु में उन्होंने मॉडलिंग में हाथ-पैर मारना शुरू कर दिया था। तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह मुंबई इंडियंस की बहुत बड़ी फैन हैं।

हार्दिक नहीं दिला पाए मुंबई को अब तक एक भी जीत

हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में टीम ने आईपीएल 2024 का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेला जिसमें एमआई को छह रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टूर्नामेंट के आठवें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई को 31 रन से करारी शिकस्त दी। अंक तालिका में फिलहाल टीम नौवें नंबर पर बनी हुई है। अब मुंबई एक अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना तीसरा मैच खेलेगी।

चौथे नंबर पर बल्लेबाजी कर सफलता पा रहे रियान

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रियान पराग ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। इस 22 वर्षीय ऑलराउंडर ने उस समय अपनी प्रतिभा का परिचय दिया जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पराग ने दिल्ली के खिलाफ 45 गेंदों पर सात चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 84 रनों की पारी खेली। उनकी इस शानदार पारी के दम पर ही राजस्थान ने दिल्ली पर जीत दर्ज की। राजस्थान की यह इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। राजस्थान के लिए चौथे नंबर पर उतरे पराग ने आईपीएल में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी खेली।

राजस्थान की जीत में भूमिका निभा रहे रियान पराग

यह पहली बार नहीं था जब पराग ने राजस्थान की जीत में अपना योगदान दिया है। इससे पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ टीम के शुरुआती मैच में रियान ने कप्तान संजू सैमसन का बखूबी साथ निभाया था। उन्होंने संजू के साथ 93 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई थी। लेकिन गुरुवार को हुए मैच में पराग लीड रोल में नजर आए। राजस्थान की स्थिति मैच में सुखद नहीं दिख रही थी जिसमें टीम ने 36 रन पर ही तीन विकेट गंवाए थे। इसके बाद रियान ने मोर्चा संभाला और विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अंतिम ओवर डालने आए दिल्ली के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्जे के ओवर से 25 रन निकाले।

खेली अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

दिल्ली के खिलाफ रियान ने अपने आईपीएल करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इससे पहले उनका इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक स्कोर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 2022 में 31 गेंदों पर नाबाद 56 रन था। वहीं, 2019 में भी पराग ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 49 गेंदों पर 50 रन बनाए थे।

चौथे नंबर पर मिल रही सफलता

रियान पराग आईपीएल 2024 सीजन में कुछ अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। रियान राजस्थान के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतर रहे हैं और इस स्थान पर उन्हें काफी सफलता भी मिल रही है। इसी नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रियान ने 2023-24 घरेलू सीजन में अपनी टीम असम के लिए भी सफलता प्राप्त की थी। रियान ने 17 साल की उम्र में 2019 में आईपीएल में डेब्यू किया था। वह अबतक फ्रेंचाइजी के लिए 55 मैच खेल चुके हैं। असम का यह युवा बल्लेबाज कितना प्रतिभाशाली है इस बात अंदाजा 2018 अंडर-19 विश्व कप में उनके रिकॉर्ड को देखकर ही लगाया जा सकता है। इसके अलावा रियान ने आईपीएल के पिछले सीजन में भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था।

रियान से प्रभावित हुए सूर्युकमार यादव

रियान जब नॉर्त्जे के ओवर में रन बरसा रहे थे उस समय मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव उनकी पारी देखकर रियान से काफी प्रभावित हुए। सूर्युकमार चोटिल होने के कारण फिलहाल मुंबई टीम से नहीं जुड़ सके हैं। सूर्यकुमार ने एक्स पर पोस्ट लिखा, इस व्यक्ति से कुछ दिनों पहले एनसीए में मिला था। वह यहां हल्की निगल समस्या के कारण आए थे। उनका पूरा ध्यान चोट से उबरने पर था और वह इस दौरान अपनी प्रतिभा पर भी काम कर रहे थे। मैंने वहां मौजूद एक कोच से कहा था कि ये व्यक्ति बदल गया है और मैं गलत नहीं था।

'धोनी अब बूढ़े हो गए', कमेंट्री के दौरान सहवाग ने कहा

आईपीएल 2024 में पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को हिंदी और हरियाणा में कमेंट्री करते देखा जा रहा है। इस दौरान उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान को लेकर कुछ ऐसा बयान दे दिया है जिसकी वजह से वह चर्चाओं में बने हुए हैं। सहवाग ने धोनी को बुजुर्ग और अजिंक्य रहाणे को फिट करार दिया है जबकि हाल ही में दिग्गज खिलाड़ी ने दाईं तरफ डाइव लगाकर विकेट के पीछे से विजय शंकर का कैच लपका था।

आईपीएल 2024 का सातवां मुकाबला गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया था। इस दौरान माही ने विजय शंकर का कैच लपकने के लिए 0.60 सेकंड के रिएक्शन टाइम में लगभग 2.3 की छलांग लगाई और डाइव लगाकर शानदार कैच लपका। इस मैच में अजिंक्य रहाणे और रचिन रवींद्र ने भी शानदार कैच पकड़े। इस पर सहवाग ने सीएसके की फील्डिंग की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने धोनी को बुजुर्ग को रहाणे को फिट बताया।

सहवाग का बयान

सहवाग ने कहा, कैच से आप मैच जीतते हैं। अजिंक्य रहाणे और रचिन ने अच्छा कैच पकड़ा। बुजुर्ग एमएस धोनी ने भी एक पकड़ा। इस पर रोहित गावस्कर ने कहा,आपने रहाणे को बुजुर्ग नहीं कहा। सहवाग ने आगे कहा, दोनों की उम्र में अंतर है और रहाणे धोनी से फिट है। 35 साल और 42 साल में काफी अंतर होता है। धोनी अब बूढ़े हो रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने मजाकिया अंदाज में धोनी को बुजुर्ग कहा।

आईपीएल के मौजूदा 10 कप्तानों में से नौ ने कभी नहीं जीता खिताब; श्रेयस सबसे अनुभवी

आईपीएल 2024 कई मायनों में दिलचस्प होता जा रहा है। 17वां सीजन शुरू होने से ठीक पहले चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपना पद ऋतुराज गायकवाड़ को सौंप दिया। इस सत्र अब ऋतुराज सीएसके की कप्तानी संभालेंगे। इसी के साथ पुराने कप्तानों का एक युग समाप्त हो गया है। ऐसा पहली बार होगा जब विराट कोहली, रोहित शर्मा और धोनी, तीनों एक साथ टीम की कमान नहीं संभालते दिखेंगे। इस सीजन के लिए 10 टीमों के 10 कप्तानों में से नौ ऐसे हैं जिन्हें अपनी कप्तानी में आईपीएल खिताब जीतना है। सिर्फ हार्दिक पांड्या ने ही 2022 में गुजरात टाइटंस के कप्तान रहते हुए खिताब जीता था। बाकियों ने बतौर खिलाड़ी रहते हुए जरूर ट्रॉफी जीती हैं, लेकिन कप्तान रहते हुए कभी नहीं।

ये तीन खिलाड़ी पहली बार संभालेंगे कमान

इस सीजन तीन कप्तान ऐसे हैं जो पहली बार आईपीएल में किसी टीम की कमान संभाल रहे हैं। इनमें ऋतुराज (चेन्नई सुपर किंग्स), शुभमन गिल (गुजरात टाइटंस) और पैट कमिंस (सनराइजर्स हैदराबाद) शामिल हैं। वहीं, बाकी के सात को कुछ मैचों में कप्तानी का अनुभव है। इस सीजन सबसे अनुभवी आईपीएल कप्तान की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स के श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में शीर्ष पर हैं। उन्हें इस लीग में 55 मैचों में कप्तानी का अनुभव है। कोलकाता से पहले वह दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रह चुके हैं। लिस्ट में दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जाएंट्स के केएल राहुल हैं। उन्हें 51 मैचों में कप्तानी का अनुभव है। वहीं, तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स के संजू सैमसन हैं। उन्हें 45 मैचों में कप्तानी का अनुभव है।

सिर्फ हार्दिक ही खिताब जीत सके

इसके बाद लिस्ट में चौथे नंबर पर मुंबई इंडियंस के नए कप्तान हार्दिक पांड्या हैं। हार्दिक को आईपीएल में 31 मैचों में कप्तानी का अनुभव है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के ऋषभ पंत 30 मैचों के कप्तानी के अनुभव के साथ पांचवें नंबर पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के फाफ डुप्लेसिस 27 मैचों के कप्तानी अनुभव के साथ छठे और पंजाब किंग्स के शिखर धवन 22 मैचों के कप्तानी अनुभव के साथ सातवें स्थान पर हैं। हार्दिक को छोड़कर बाकी किसी ने खिताब नहीं जीता है।

उम्र के मामले में सबसे अनुभवी कप्तान हैं डुप्लेसिस

इस सीजन के सबसे उम्रदराज कप्तान की बात करें तो डुप्लेसिस शीर्ष पर हैं। वह 39 साल के हैं। वहीं, 38 साल के धवन सूची में दूसरे स्थान पर हैं। 31 साल के राहुल तीसरे, 30 साल के कमिंस चौथे और 30 साल के हार्दिक पांचवें (दिन के अंतर से कमिंस बड़े हैं), 29 साल के सैमसन छठे, 29 साल के ही श्रेयस (दिन के अंतर) सातवें नंबर पर हैं। 27 साल के ऋतुराज आठवें, 26 साल के ऋषभ पंत नौवें और 24 साल के शुभमन गिल 10वें नंबर पर हैं। यानी की शुभमन इस सीजन के सबसे युवा कप्तान हैं।

आईपीएल के मौजूदा 10 कप्तानों का अनुभव (मैच और उम्र)

कप्तान	टीम	मैच	उम्र
श्रेयस अय्यर	कोलकाता	55	29
केएल राहुल	लखनऊ	51	31
संजू सैमसन	राजस्थान	45	29
हार्दिक पांड्या	मुंबई	31	30
ऋषभ पंत	दिल्ली	30	26
फाफ डुप्लेसिस	बेंगलुरु	27	39
शिखर धवन	पंजाब	22	38
पैट कमिंस	हैदराबाद	पहली बार	30
ऋतुराज गायकवाड़	चेन्नई	पहली बार	27
शुभमन गिल	गुजरात	पहली बार	24

शतरंज में विश्वनाथन आनंद की राह पर प्रज्ञानानंद, गुकेश और विदित

भारतीय शतरंज में हमेशा ही प्रतिभाशाली खिलाड़ी रहे हैं। ग्रैंडमास्टर बनने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी काफी है। लेकिन शतरंज की बिसात पर विश्व चैंपियन बनने की ताकत सबमें नहीं है। देश में विश्वनाथन आनंद की कोई जगह ले सके, ऐसा खिलाड़ी 2023 के पहले तो दिखाई नहीं दिया लेकिन पिछले साल तीन खिलाड़ियों ने संकेत दिए कि उनमें ऐसी क्षमता है। ये खिलाड़ी हैं आर प्रज्ञानानंद, विदित गुजराती और डी गुकेश।

प्रज्ञानानंद स्पष्ट रूप से विश्व कप में आकर्षण का केंद्र थे, जहां वे प्रतियोगिता के संशोधित प्रारूप में फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। 10 साल की उम्र से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी माने जाने वाले चेन्नई के इस लड़के ने 18 साल की उम्र में वह हासिल कर लिया है जो कई भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने अपने जीवनकाल में नहीं पाया है। यहां अकेले प्रज्ञानानंद के चारे में बात नहीं हो रही है।

कैंडिडेट वर्ग टूर्नामेंट में विदित गुजराती और डी गुकेश ने भी उम्मीदें जगाई हैं। विश्वनाथन आनंद से पहले और बाद में, किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई नहीं किया था। यह प्रतियोगिता विश्व चैंपियन से मुकाबला करने के लिए चुनौती देने वाले खिलाड़ी को चुनने का मौका देती है। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद के देश में यह एक बड़ा शून्य था। इन तीनों ने इसे भर दिया है। प्रज्ञानानंद की बड़ी बहन वैशाली ने महिला वर्ग में कैंडिडेट वर्ग में जगह बनाकर खुशी को चौगुना कर दिया है। कोनेह हम्पी और डी हरिका के बाद ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली भारत की तीसरी महिला बनने के बाद वैशाली महिला शतरंज में अगली बड़ी खिलाड़ी है।

इस बात की चिंता थी कि महिला वर्ग में भारत के लिए स्थिति में कोई बदलाव दिखाई नहीं दे रहा था। लेकिन वैशाली की उपलब्धियों ने हालात को बदला और भारतीय महिला खिलाड़ियों को एक फिर सामने ला दिया। कभी-कभी अंदरूनी कलह का आरोपों से जूझने वाले अखिल भारतीय बार शतरंज महासंघ ने

प्रज्ञानानंद, विदित और वैशाली की तैयारियों के लिए दो करोड़ रुपए के कोष का इंतजाम किया। गुकेश के भी कुछ कटौती के साथ धन मिला है। यह देखना होगा कि अप्रैल में टोरंटो में होने वाले कार्यक्रम से पहले आवंटन बढ़ाया जाता है या नहीं। कैंडीडेट वर्ग में एक भी भारतीय प्रतिभागी नहीं था लेकिन अब पुरुष वर्ग में तीन प्रतिभागियों तक भारत का पहुंचना प्रगति का एक बड़ा संकेत है। वर्षों तक क्षमता और प्रतिभा की बात होती रही। भारत में ग्रैंडमास्टर की संख्या बढ़ रही थी। लेकिन किसी ने भी विश्व स्तर पर स्थायी प्रभाव नहीं डाला। प्रगति हो रही थी, कोई उत्कृष्टता नहीं थी और आनंद के करीब पहुंचता तो कोई भी दिखाई नहीं दे रहा था।

2023 में एक नई पीढ़ी के उदय ने उस धारणा को बदल दिया। भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके तीन खिलाड़ी आठ खिलाड़ियों के केंडीडेट वर्ग में शामिल हैं। गुकेश 17 वर्ष के हैं जबकि प्रज्ञानानंद 18 वर्ष के। विदित गुजराती 29 वर्ष के हैं। यह एक बड़ा क्षण है और युवा भारत का उदय स्पष्ट दिखाई दे रहा है। यह प्रगति न केवल उन खिलाड़ियों की संख्या में प्रकट होती है जिन्होंने कैंडिडेट वर्ग में जगह बनाई है, बल्कि पहली बार किसी भारतीय ने अंतरराष्ट्रीय रेटिंग सूची में आनंद को पीछे छोड़ दिया। सितंबर में, गुकेश शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले केवल दूसरे भारतीय वने। वे दुनिया में सातवें और आनंद आठवें स्थान पर थे। हालांकि मौजूदा रैंकिंग अलग है और गुकेश 28वें स्थान पर खिसक गए हैं।

इसके बावजूद, भारत के शीर्ष 20 में अभी भी तीन और 30 में पांच खिलाड़ी हैं। देश के खिलाड़ियों ने कभी भी रैंकिंग में इतनी प्रमुखता से अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। अभी और भी युवा तैयार हो रहे हैं।

दुनिया के 23वें नंबर के अर्जुन एरिगैसी 20 साल के हैं। 46वें नंबर के निहाल सरीन अभी 20 साल के नहीं हुए हैं। यह इस बात का सबूत है कि भारतीय शतरंज की बिसात में तेजी से कदम रख रहे हैं।

नए वित्तीय वर्ष में बदल जाएंगे कई नियम जल्दी निपटा लें ये काम नहीं तो होगी परेशानी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। एक अप्रैल 2024 से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत हो जाएगी। इसके साथ ही आपकी जेब पर असर डालने वाले कई नियम भी बदल जाएंगे। ऐसे में जरूरी है कि आप चालू वित्तीय वर्ष के बचे हुए दिनों में अपने कुछ पेंडिंग काम निपटा लें, नहीं तो आपको परेशानी हो सकती है। आइए जानते हैं एक अप्रैल 2024 से कौन-कौन से अहम बदलाव होने हैं।

नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही नेशनल पेमेंट सिस्टम से जुड़े नियमों में बदलाव होने वाला है। एक अप्रैल से एनपीएस के खाते में लॉगिन करने के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूरी हो जाएगा। ऐसे में ग्राहकों के लिए समय रहते इससे जुड़ी प्रक्रिया के बारे में जान लेना जरूरी है।

फास्टैग से जुड़े नियमों में बदलाव एक अप्रैल 2024 से फास्टैग से जुड़े कुछ नियम भी बदल रहे हैं। अगर आपने अब तक अपनी कार के फास्टैग की बैंक केवाईसी पूरी नहीं की है तो एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष में आपको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। ऐसे में जरूरी है कि आप 31 मार्च 2024 से पहले ही अपने फास्टैग की केवाईसी से जुड़ी प्रक्रिया पूरी कर लें। अगर आपने ऐसा नहीं किया तो आपका फास्टैग खाता बैंक की ओर से निष्क्रिय या ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो फास्टैग खाते में मौजूद बैलेंस का इस्तेमाल करने में भी आपको परेशानी हो सकती है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ से जुड़े नियम भी एक अप्रैल 2024 से बदलने वाले हैं। इस बदलाव से इपीएफओ ग्राहकों को राहत मिलने वाली है। दरअसल, एक अप्रैल से खाताधारकों को नौकरी बदलने पर मैनुअल तरीके से अपने पुराने पीएफ बैलेंस को नए अकाउंट में ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं रहेगी। ऑटो मोड में ही पुराने पीएफ का बैलेंस नए अकाउंट के साथ जुड़ जाएगा। फिलहाल यूएएन नंबर होने के बावजूद पीएफ खाते का बैलेंस ट्रांसफर करने के लिए ग्राहक को अलग से अनुरोध करना पड़ता था।

सरकार पैन कार्ड और आधार कार्ड को लिंक करने की डेडलाइन कई बार बढ़ा चुकी है। फिलहाल 31 मार्च 2024 को आधार पैन लिंक करने की आखिरी तारीख है। यदि 31 मार्च से पहले आपने अपना पैन और आधार कार्ड लिंक नहीं कराया तो आपका पैन कार्ड रद्द हो सकता है। पैन कार्ड निष्क्रिय होने पर आपको कई तरह की परेशानी हो सकती है। उसे दोबारा एक्टिव कराने के लिए आपको 1000 रुपये के जुर्माने का भी भुगतान करना पड़ेगा। ऐसे में जरूरी है कि आप 31 मार्च 2024 से पहले अपना पैन और आधार कार्ड आपस में लिंक करा लें।

सरकार की ओर से हर महीने की एक तारीख को रसोई गैस के कमर्शियल और घरेलू सिलेंडरों के कीमत की समीक्षा की जाती है। हालांकि इस बार लोकसभा चुनाव के कारण आदर्श आचार संहिता लगी हुई है, इसलिए कीमतों में परिवर्तन की गुंजाइश कम है। लेकिन केंद्र सरकार अगर चाहे तो चुनाव आयोग से अनुमति लेकर रसोई गैस की कीमतों में बदलाव का एलान भी कर सकती है।

केडिट कार्ड के नियमों में बदलाव एक अप्रैल 2024 से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत होने के बाद क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में भी बदलाव होने हैं। एसबीआई क्रेडिट कार्ड के नियम एक अप्रैल 2024 से बदल जाएंगे।

2047 तक 55 लाख करोड़ डॉलर होगी देश की जीडीपी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक 8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। अगर यह रफ्तार कायम रही तो इस अवधि तक भारत 55 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट (केवी) सुब्रमण्यम ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह तभी संभव है, जब देश पिछले 10 वर्षों में लागू की गई अच्छी नीतियों को दोगुना कर सके और सुधारों में तेजी लाए। सुब्रमण्यम ने कहा कि 8 फीसदी की वृद्धि दर महत्वाकांक्षी है क्योंकि भारत पहले लगातार इस रफ्तार से नहीं बढ़ पाया है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 के अंतिम तीन महीनों में उम्मीद से बेहतर 8.4 फीसदी की दर से बढ़ी। यह पिछले डेढ़ साल में जीडीपी वृद्धि की सबसे तेज रफ्तार है। अक्तूबर-दिसंबर में वृद्धि दर के दम पर चालू वित्त वर्ष के लिए विकास दर अनुमान को 7.6 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक ने यह भी कहा कि भूमि, श्रम, पूंजी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र में सुधार जरूरी है। इसके साथ ही, हमें विनिर्माण क्षेत्र को कर्ज देने के लिए बैंकिंग क्षेत्र में भी सुधार पर बल देना होगा। सुब्रमण्यम ने कहा, 1991 के बाद से ऐतिहासिक रूप से भारत की औसत आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी से थोड़ी अधिक रही है। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत है क्योंकि देश की जीडीपी का लगभग 58 फीसदी घरेलू उपभोग से आता है। इसलिए, आप जानते हैं...हमारे पास क्षमता है। अगर हम विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित कर पर्याप्त नौकरियां पैदा कर सकें तो इससे बहुत अधिक खपत होगी।

एक बिटकॉइन = एक किलो गोल्ड किसने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर 2024 खत्म होने जा रहा है। इस दौरान बिटकॉइन, शेयर मार्केट और गोल्ड ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। लेकिन सबसे ज्यादा तेजी बिटकॉइन में आई है। हालत यह है कि एक बिटकॉइन की कीमत एक किलो गोल्ड के बराबर पहुंच गई है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक किलो गोल्ड की कीमत 71,780 डॉलर पर थी जबकि बिटकॉइन 70,843 डॉलर पर ट्रेड कर रही था। इस फाइनेंशियल ईयर में बिटकॉइन की कीमत में 148 फीसदी उछाल आई है जबकि गोल्ड की कीमत 12 फीसदी बढ़ी है। अगर शेयर बाजार की बात करें तो इस साल सेंसेक्स में 25 फीसदी और निफ्टी में 29 फीसदी तेजी आई है। इसी तरह क्रूड ऑयल की कीमत में इस दौरान 10 फीसदी तेजी आई है जबकि सिल्वर ने मात्र तीन फीसदी रिटर्न दिया है। इस फाइनेंशियल ईयर में रुपये की कीमत में एक फीसदी गिरावट आई है।

दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत पिछले सात दिन में 10 हजार डॉलर बढ़ी है। अब यह अपने ऑल-टाइम हाई लेवल से महज चार फीसदी कम रह गई है। हाल में इसकी कीमत पहली बार 73,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी।अक्टूबर 2023 से दुनिया का क्रिप्टो मार्केट 1.7 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। पिछले पांच महीनों के दौरान इसमें हर महीने औसतन 340 अरब डॉलर की तेजी आई है। हाल में बिटकॉइन ईटीएफ खुलने और फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से बिटकॉइन की कीमत तेजी से बढ़ी। इसे 2009 में लॉन्च किया गया था। साल 2010 में इसकी कीमत 0.008 डॉलर यानी करीब 66 पैसे थी।

भारत में तहलका मचाने की तैयारी में दुनिया का सबसे बड़ा रईस

मुकेश अंबानी से दोगुनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस और फ्रांसीसी बिजनसमैन बर्नार्ड अरनॉल्ट भी अब भारत में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। अरनॉल्ट दुनिया की सबसे बड़ी लग्जरी गुड्स कंपनी के सीईओ हैं। इस कंपनी की ग्लोबल इनवेस्टमेंट फर्म ने गुरुवार को कहा कि उसकी एशिया यूनिट ने भारत में एक कंज्यूमर फोकस्ड जॉइंट वेंचर बनाया है। इसके लिए कंपनी ने हिंदुस्तान यूनिलीवर के सीईओ रहे संजीव मेहता के साथ हाथ मिलाया है। दोनों पक्ष मिलकर एक नई इनवेस्टमेंट कंपनी का गठन करेंगे। मेहता को चार अप्रैल से इस कंपनी में भारत का एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाया गया है। वह के साथ ही कंपनी के ग्लोबल फंड प्लेटफॉर्म्स से भी जुडेंगे। कंपनी हर स्तर पर मेहता के अनुभव का फायदा उठाना चाहती है। सूत्रों का कहना है कि नई इनवेस्टमेंट कंपनी का गठन फंड के रूप में नहीं किया जाएगा बल्कि यह एक इनवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म हो सकता है। इसके पीछे यह सोच है कि भारत के दूसरे फंड मैनेजर्स के साथ पार्टनरशिप की जाए और भारतीय कंपनियों में निवेश किया जाए। कंपनी देश की लोकल कंज्यूमर कंपनियों में 2.5 करोड़ से 15 करोड़ डॉलर तक निवेश करेगी। साथ ही यह कंपनी और एलसीए जॉइंट इनवेस्टमेंट भी कर सकती हैं। सूत्रों का कहना है कि अब तक एशिया फंड के जरिए ही भारत में निवेश करती रही है। लेकिन इस वीकल के जरिए कंपनी पूरी तरह भारत के लिए फोकस्ड एक इनवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म बनाना चाहती है। कंपनी पूरी दुनिया में 34 अरब डॉलर का फंड मैनेज करती है और करीब 250 कंज्यूमर ब्रांड्स कंपनियों में उसका निवेश है।

अरनॉल्ट की कंपनी भारत में मेहता के अनुभव का पूरा फायदा उठाना चाहती है। उनकी लीडरशिप में हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप पांच गुना बढ़कर 6.2 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया था। मार्केट कैप के हिसाब से यह देश की पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई थी और देश की सबसे तेजी से बढ़ रही एफएमसीजी कंपनी थी।

टूट गए कमाई के सारे रेकॉर्ड, निवेशक हुए मालामाल, 132 लाख करोड़ बढ़ गई वेल्थ

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर 2024 खत्म होने जा रहा है। यह साल निवेशकों के लिए काफी अच्छा रहा। इस फाइनेंशियल ईयर में भारतीय निवेशकों की नेटवर्थ में 132 लाख करोड़ रुपये यानी करीब 1.6 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा हुआ। अप्रैल 2023 और मार्च 2024 के बीच, बीएसई का मार्केट कैप 262 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 394 लाख करोड़ रुपये यानी 4.7 ट्रिलियन डॉलर हो गया। यह भारत के मार्केट कैप में एक साल में आई अब तक की सबसे बड़ी उछाल है। फाइनेंशियल ईयर के अंतिम कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स करीब एक फीसदी यानी 655 अंक बढ़कर 73,651 पर बंद हुआ। सात मार्च को यह रेकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा था। गुड फ्राइडे के कारण शुक्रवार को शेयर मार्केट में छुट्टी है।

बीएसई के आंकड़ों से पता चलता है कि इस फाइनेंशियल ईयर दौरान पुरानी इकॉनमी वाली कई कंपनियों ने अच्छे भविष्य की संभावनाएं दिखाईं। इस कारण निवेशकों ने उनके शेयरों को हाथोंहाथ लिया। लेकिन सॉफ्टवेयर कंपनियों, एफएमसीजी और प्राइवेट बैंकों के शेयरों में निवेशकों ने कम दिलचस्पी रही। सेंसेक्स शेयरों में टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत दोगुनी हो गई जबकि सरकारी कंपनी एनटीपीसी का शेयर भी इस दौरान करीब दोगुना हो गया। दूसरी ओर एचयूएल, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों ने सबसे ज्यादा निराश किया। इस फाइनेंशियल ईयर के दौरान सेंसेक्स 25% चढ़ा जबकि निफ्टी में 29% की तेजी रही। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो रियल एस्टेट में 129%, यूटिलिटीज में 93% और पावर में 86% की बढ़ोतरी हुई।

फाइनेंशियल ईयर के अंतिम दिन मुकेश अंबानी पर भारी पड़े गौतम अडानी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। चालू वित्त वर्ष 2023-24 खत्म होने वाला है। 1 अप्रैल से नए वित्त वर्ष की शुरुआत हो जाएगी। आज कारोबारी सप्ताह का अंतिम दिन है। इसके बाद कल शनिवार और फिर रविवार है। ऐसे में इसे फाइनेंशियल ईयर का अंतिम दिन माना जा सकता है। इस अंतिम दिन मुकेश अंबानी पर गौतम अडानी भारी पड़े हैं। आज गुड फ्राइडे के चलते शेयर बाजार बंद है। ऐसे में कल यानी गुरुवार को कारोबार सप्ताह के अंतिम दिन जहां गौतम अडानी ने शानदार कमाई की है। वहीं मुकेश अंबानी को नुकसान उठाना पड़ा है। कल मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए हैं। वहीं गौतम अडानी की कंपनियों के शेयर में अच्छी तेजी देखने को मिली है। इस दौरान गौतम अडानी की नेटवर्थ जहां बढ़ी है। वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई है। आईए आपको बताते हैं कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन मुकेश अंबानी पर गौतम अडानी कैसे भारी पड़े हैं। दोनों की कितनी कमाई हुई है। भारत के दूसरे सबसे अमीर शख्स और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में कल यानी गुरुवार को इजाफा हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, कल गौतम अडानी की नेटवर्थ में 1.80 बिलियन डॉलर यानी करीब 15 हजार करोड़ रुपये का उछाल आया है। गौतम अडानी की नेटवर्थ बढ़कर अब 99 अरब डॉलर के करीब पहुंच गई है। इसी के साथ गौतम अडानी अब दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में एक पायदान ऊपर आ गए हैं। गौतम अडानी अब दुनिया के 14वें सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। इस साल की बात करें तो गौतम अडानी की नेटवर्थ में 14.7 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

सुपर सीनियर सिटीजन्स को भी बेच दीं स्मॉलकैप स्कीमें, इस बात से सेबी नाराज

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। म्यूचुअल फंड के स्मॉलकैप फंड्स में बढ़ रहे इनफ्लो को लेकर सेबी लगातार चिंता जता चुकी है। मार्केट रेगुलेटर SEBI ने म्यूचुअल फंड हाउसेज से पूछा है कि उन्होंने सुपर सीनियर सिटीजंस (80-85 साल) को स्मॉलकैप स्कीमें क्यों बेचीं। गौरतलब है कि स्मॉलकैप स्कीमों को काफी रिस्की माना जाता है।

स्मॉल कैप में जोरदार तेजी

पिछले कुछ महीनों में स्मॉल कैप और मिडकैप शेयरों में जोरदार तेजी देखी गई और हाई रिटर्न देख निवेशक स्मॉल कैप की तरफ भागने लगे। ऐसे में यह भी सामने आया कि फंड हाउसेज ने ऐसे निवेशकों को भी स्मॉलकैप स्कीम्स बेच दीं, जिनका रिस्क प्रोफाइल उस प्रोडक्ट को सूट नहीं करता। यह भी सामने आया कि 80-85 साल के सुपर सीनियर सिटीजंस को भी ये स्कीम्स बेच दीं। सूत्रों के अनुसार मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एएमसी को इस बाबत सवाल किए हैं। स्मॉलकैप स्कीम्स में रिस्क ज्यादा फाइनेंसियल प्लानर्स का कहना है कि स्मॉल कैप फंड स्कीम्स में इतनी शॉर्ट टर्म वोलेटिलिटी जुड़ी है कि इसमें सीनियर सिटीजंस और लो रिस्क प्रोफाइल वालों के निवेश करना उचित नहीं माना जाता है। एक फंड के एग्जिक्यूटिव के अनुसार सेबी ने ऐसी एएमसी को ईमेल भेजे हैं, जिनमें सुपर सीनियर सिटीजंस को स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश करते देखा गया है। सेबी ने पूछा है कि वे उन इन्वेस्टर्स से पुष्टि करे कि क्या वे ऐसे फंडों में हाई रिस्क के बारे में जानते हैं।

'भाजपा पूर्व पीएम से माफी मांगे', एयर इंडिया मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर बोले संजय राउत

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। एयर इंडिया-इंडियन एयरलाइंस विलय मामले में सीबीआई की ओर से क्लोजर रिपोर्ट दाखिल किए जाने के बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने गुरुवार को भाजपा से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से माफी मांगने को कहा। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने संप्रग काल में एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के विलय के बाद गठित कंपनी एनएसीआईएल द्वारा विमान पट्टे पर देने में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है क्योंकि उसे 'किसी तरह की गड़बड़ी का कोई साक्ष्य' नहीं मिला है। यह मामला राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, जो अब अजीत पवार की अध्यक्षता वाले गुट से जुड़े हैं के कार्यकाल का है। वे कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री थे। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार को लेकर हो-हल्ला मचाया था। उन्होंने कहा, ''भाजपा को डॉ. सिंह से माफी मांगनी चाहिए।

नेशनल एविएशन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का गठन एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के विलय के बाद किया गया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि यह फैसला 'बेईमानी' से किया गया और विमानों को लीज पर लिया गया, जबकि उस दौरान अधिग्रहण कार्यक्रम चल रहा था।

सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि पट्टे पर देने का निर्णय अज्ञात लोगों के साथ साजिश रचकर लिया गया जिससे निजी कंपनियों को आर्थिक लाभ हुआ और सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-15
सूर्यास्त. - 18-25
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

ग्रह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य- मीन में	मीन .. 05-25 बजे
चंद्र- वृश्चिक में	मेष-- 07-01 बजे
मंगल कुंभ में	वृष-- 08-48 बजे
बुध- मेष में	मिथुन.. 10-48 बजे
गुरु- मेष में	कर्क... 13-00 बजे
शुक्र- कुंभ में	सिंह... 15-11 बजे
शनि- कुंभ में	कन्या.. 17-18 बजे
राहु- मीन में	तुला..... 19-24 बजे
केतु- कन्या में	वृश्चिक.. 21-13 बजे
	धनु..... 23-48 बजे
	मकर... 00-53 बजे
	कुंभ.... 03-44 बजे

दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी - 21:13 - तक उपरान्त षष्ठी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष, शनिवार 30 March
नक्षत्र - अनुराधा- 22 - 03 - तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - सिद्ध - 22 - 45 - तक उप व्यतिपात
करण- कौलव - 08 - 51 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री रंगपंचमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:17 से 10:49 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:15 - 07:45	अशुभ	लाभ.	18:25 - 19:56	शुभ
शुभ	07:45 - 09:17	शुभ	उत्पात	19:56 - 21:24	अशुभ
रोग	09:17 - 10:49	अशुभ	शुभ	21:24 - 22:52	शुभ
उत्पात	10:49 - 12:21	अशुभ	अमृत	22:52 - 24:20	शुभ
चंचल	12:21 - 13:52	शुभ	चंचल	24:20 - 01:48	शुभ
लाभ	13:52 - 15:24	शुभ	रोग	01:48 - 03:16	अशुभ
अमृत	15:24 - 16:56	शुभ	काल	03:16 - 04:44	अशुभ
काल	16:56 - 18:25	अशुभ	लाभ	04:44 - 06:15	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता , लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे । लाभ बनाने के लिए आपको विदेश में किसी के साथ साझा काम करने की जरुरत है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है । आपके वित्त एवं धन की स्थिति में अचानक परिवर्तन आ सकता है

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
उद्यम पूंजीपतियों के लिए आज का दिन शुभ हो सकता हैं! लोग आपकी विचारधारा से प्रभावित होंगे लेकिन अपनी बातो को उनके ऊपर न थोपे । हालांकि आपको धन मिलने में देरी हो सकती है परन्तु ये धन आपको मिलने की उम्मीद है । बिना बात की चिंताओं और तनाव से आपको सम्बन्ध में असुरक्षा महसूस होगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है । आपका करियर अब पूरी तरह से एक नए रूप में शोभित होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा। अन्यथा यह बुलबुले की तरह से फूट जायेगा ।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

जेल कोई भी हो, मुख्तार का रुतबा बना रहा

कैद में रहते हुए मर्डर के 8 केस दर्ज, जेल से चलाता रहा गैंग

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के माफिया और पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की गुरुवार रात 8 बजकर 25 मिनट पर मौत हो गई। वह यूपी के बांदा जेल में कैद था। पूर्वांचल की राजनीति में अंसारी परिवार हमेशा से ताकतवर रहा है। इसका असर मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया और बनारस तक है। मुख्तार के दादा मुख्तार अहमद अंसारी आजादी की लड़ाई में गांधी जी के सहयोगी रहे।

नाना मोहम्मद उस्मान आर्मी में ब्रिगेडियर और महावीर चक्र विजेता थे। पिता सुभानउल्ला अंसारी पॉलिटिशियन थे जबकि रिश्ते में चाचा हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति बने। मुख्तार अंसारी खुद भी मऊ सीट से लगातार 5 बार विधायक चुना गया। मुख्तार पर 61 केस दर्ज थे। इनमें हत्या के 8 केस तो जेल में रहने के दौरान दर्ज हुए। मुख्तार जिस भी जेल में रहा, उसका रुतबा हमेशा बना रहा। चाहे गाजीपुर जेल हो, बांदा जेल या पंजाब की रोपड़ जेल। जेलर कोई भी हो, चली मुख्तार की ही। रिटायर्ड पुलिस अफसर और जेलर भी ये बात मानते हैं। मुख्तार जेल से ही गैंग चलाता रहा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मार्च 2023 में एक शूटर की जमानत पर सुनवाई करते हुए मुख्तार गैंग को देश का सबसे खतरनाक गिरोह कहा था।

जेल में मुख्तार के रुतबे की 4 कहानियां...

मछलियां खाने के लिए गाजीपुर जेल में तालाब खुदवा दिया

यूपी की जेलों में मुख्तार के रुआब का एक नमूना गाजीपुर जेल का किस्सा है। 2005 में मऊ में हिंसा भड़कने के बाद मुख्तार अंसारी ने सरेंडर किया था। उसे गाजीपुर जेल में रखा गया। मुख्तार तब विधायक था। उसने ताजी मछलियां खाने के लिए जेल में ही तालाब खुदवा दिया था। राज्यसभा सांसद और पूर्व डीजीपी बृजलाल ने भी इस बात को माना था। मुख्तार तब गाजीपुर जेल में डीएम समेत बड़े अधिकारियों के साथ बैडमिंटन खेला करता था।

मुख्तार बांदा जेल आया, डेढ़ साल खाली रही जेलर की कुर्सी

मुख्तार अंसारी को पंजाब की रोपड़ जेल से अप्रैल 2021 में यूपी की बांदा जेल शिफ्ट किया गया। इसका असर ये हुआ कि कोई भी जेलर इस जेल का चार्ज लेने के लिए ही तैयार नहीं हुआ। बाद में दो जेल अधिकारियों विजय विक्रम सिंह और एके सिंह को भेजा गया। जून 2021 में बांदा जिला प्रशासन ने जेल पर छापा मारा। उस दौरान कई जेल कर्मचारी मुख्तार की सेवा में लगे मिले। तत्कालीन डीएम अनुराग पटेल और एसपी अभिनंदन की जॉइंट रिपोर्ट पर डिप्टी जेलर वीरेश्वर प्रताप सिंह और 4 बंदी रक्षक सस्पेंड कर दिए गए थे।

मुख्तार के बैरक से बाहर आने पर जेल के सीसीटीवी कैमरे बंद हो जाते थे

मुख्तार दो साल से बांदा जेल में बंद था। मार्च, 2023 के आखिरी हफ्ते में इस जेल से एक कैदी छूटकर बाहर आया था। नाम न बताने की शर्त पर उसने बताया कि मुख्तार को स्पेशल हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया था। उसकी बैरक दूसरे कैदियों से अलग थी। ये बैरक जेल के बीच वाले गेट के पास ही बनी है। गेट के पास ही वह हर रोज घंटे-दो घंटे कुर्सी डालकर बैठता था। वहीं जेल अधिकारियों और दूसरे कैदियों से मिलता था। मुख्तार जब तक वहां बैठता था, कोई उस गेट से आ-जा नहीं सकता था। मुझे जब जेल से छूटना था, तब भी मुख्तार उसी गेट पर बैठा था। इस वजह से मेरी रिहाई करीब दो घंटे लेट हुई। मुख्तार जितनी देर अपनी बैरक से बाहर रहता था, तब तक जेल के उस हिस्से के सीसीटीवी बंद रहते थे, ताकि वह किससे मिल रहा है, यह किसी को पता न चले।

मुख्तार की बैरक में मिले थे दशहरी आम, बाहर का खाना

जून, 2022 में बांदा जेल में डीएम ने छापा मारा था। सूत्र बताते हैं कि तब मुख्तार की बैरक में दशहरी आम के साथ-साथ होटल का खाना मिला था। मुख्तार का रुतबा इतना था कि वह जो सुविधा चाहता, वह उसे बैरक में ही मिल जाती थी। बताया जाता है कि मुख्तार जब ट्रांसफर होकर बांदा जेल आया, तो उसके गुर्गे जेल के आसपास किराए पर कमरा लेकर रहने लगे थे। मुख्तार के बड़े भाई और गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी ने बांदा जेल में मुख्तार की हत्या का अंदेशा जताया था। मऊ में मुगल काल से रामायण के प्रसंग भरत मिलाप की परंपरा चली आ रही है। इसकी शुरुआत बादशाह औरंगजेब की बेटी जहांआरा ने कराई थी। 2005 में भरत मिलाप के दौरान दंगा भड़क गया था। ये करीब एक महीने चला। तब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी। मुख्तार को दंगे के मामलों में आरोपी बनाया गया। 25 अक्टूबर 2005 को उसने गाजीपुर में सरेंडर कर दिया। तभी से वह जेल में था।

दोनों केस, जिनके लिए मुख्तार और अफजाल को सजा मिली...

कृष्णानंद राय हत्याकांड, जिसके बाद मुख्तार का बुरा वक्त शुरू हुआ मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने गाजीपुर की मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट से 1985 से 1996 तक लगातार 5 बार चुनाव जीता था। 2002 के चुनाव में बीजेपी के कृष्णानंद राय ने अफजाल अंसारी को हरा दिया।

तीन साल बाद 29 नवंबर 2005 को कृष्णानंद राय की हत्या कर दी गई। कृष्णानंद एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने गए थे। लौटते वक्त शूटर्स ने कृष्णानंद राय की कार को घेरकर एके-47 से 400 से ज्यादा गोलियां चलाई थीं। कृष्णानंद और उनके साथ मौजूद 6 लोग मारे गए। मुख्तार उस वक्त जेल में था, इसके बावजूद उसे इस हत्याकांड में नामजद किया गया।

नंदकिशोर रूंगटा हत्याकांड: कोयला कारोबारी को डील के बहाने उठाया और मर्डर

बनारस के भेलूपुर में 1997 में कोयला कारोबारी नंद किशोर रूंगटा की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। नंद किशोर के भाई महावीर प्रसाद रूंगटा ने दिसंबर 1997 में भेलूपुर थाने में केस दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि 5 नवंबर 1997 को शाम 5 बजे मुख्तार अंसारी ने टेलीफोन पर धमकी दी थी। उनसे 5 करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी। इसमें से डेढ़ करोड़ रुपए वे दे चुके थे।

महावीर प्रसाद ने मुख्तार अंसारी और अताउर रहमान उर्फ बाबू के खिलाफ केस दर्ज करवाया था। आरोप था कि नंद किशोर की हत्या मुख्तार के सबसे भरोसेमंद शूटर अताउर रहमान ने की थी। रहमान ने कोयला कारोबारी बनकर नंद किशोर को डील के बहाने बुलाया और उनकी हत्या कर शव प्रयागराज में ठिकाने लगा दिया।

'भूपेश सरकार में शराब दुकानों में थे दो काउंटर'

बालोद में सीएम साय बोले-एक सोनिया-राहुल, दूसरा सरकार का; 1500 कांग्रेसी बीजेपी में शामिल

बालोद, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, कांग्रेस ने 5 साल छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया है। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ को अपराधगढ़, भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था। शराब, कोयला, रेत हर जगह भ्रष्टाचार किया। उन्होंने कहा कि, तब शराब दुकान में 2 काउंटर थे। एक सोनिया-राहुल का और दूसरा सरकार का। अब सब भ्रष्टाचारी जेल जा रहे हैं।

बालोद के डौंडीलोहारा में कांकेर लोकसभा से प्रत्याशी भोजराज नाग के पक्ष में सीएम साय गुरुवार को सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, महतारी वंदन योजना का पैसा इस बार एक अप्रैल को खाते में आएगा। इस दौरान कांग्रेस के 2 जनपद सदस्य, 30 सरपंच समेत 1500 लोग भाजपा में शामिल हुए।

'भाजपा ने जो वादा किया, उसे निभाया भी'

साय ने कहा कि कांग्रेस छोड़कर जो हमारे साथ आए हैं, उनके सुख-दुख के लिए हम सदैव खड़े रहेंगे। मैं पीएम मोदी के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। ये वो मोदी हैं, जो गांव, गरीब और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं को लेकर गए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो वादा किया, उसे निभाया भी। 22 जनवरी को भव्य राम मंदिर, धारा 370 हटी और मुस्लिम समाज की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए तीन तलाक बिल को पास किया। अब तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। इसलिए भोजराज नाग को जिताना है।

शौचालय से लेकर वैक्सीन देने वाले मोदी है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि ये मोदी को चुनने का समय है। माताओं-बहनों की चिंता करते हुए शौचालय बनाने वाले केवल मोदी, किसान सम्मान निधि डालने वाले केवल मोदी, मोदी की योजनाओं को गिनाने लगूं तो बहुत देर हो जाएगी। कोरोना काल में हमें जीवन देने वाले केवल मोदी हैं। 126 देशों तक हमारी वैक्सीन पहुंची। हमारे वचन पर जनता ने विश्वास दिखाया। जनता ने कहा धान का पैसा बढ़े, हमने बढ़ाकर दिया। पहले भूपेश बघेल 2500 देते थे, जिसमें 2130 रुपए तो मोदी देते थे। साल में हमने 12 हजार देने का वादा किया, वो भी मिलने लगा है।

कांग्रेस ने भांचा राम के मंदिर न्योते को भी ठुकराया

डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस डूबता जहाज है, जहां से लोग भाग रहे हैं। कांग्रेस के लोग भाजपा में आ रहे हैं। आज कांग्रेस पार्टी में ना नेता है ना नीयत है। बिलासपुर से कांग्रेस प्रत्याशी बदले जाने की मांग पर बड़े नेता अनशन पर बैठे हुए हैं। 500 सालों बाद भांचा श्री राम का मंदिर बना। कांग्रेस ने उसे भी ठुकरा दिया।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी प्रत्याशी बोला–नींबू काटकर तकलीफें दूर कर दूंगा

भोजराज ने कहा-आप आशीर्वाद दीजिए; कांग्रेस के कवासी बोले-बहू मांगी, दुल्हन दे दी

रायपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग ने कहा कि, कोई परेशानी होगी तो मैं नींबू काटकर खत्म कर दूंगा। आप लोग मुझे अपना आशीर्वाद दीजिए। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार कवासी लखमा ने कहा कि, मैं तो बेटे के लिए बहू मांगने दिल्ली गया था, लेकिन मुझे ही दुल्हन सौंप दी।

दरअसल, बालोद के डौंडीलोहारा में गुरुवार को कांकेर से भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के समर्थन में चुनावी सभा थी। इस सभा में भोजराज ने कहा कि, भाजपा ने पहली बार एक पुजारी, बैगा को लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है। एक पुजारी होने के नाते मैं आशीर्वाद मांग रहा हूं।

क्षेत्र के विकास की गारंटी मंच पर बैठे नेता ले रहे

भोजराज नाग ने कहा कि, नरेंद्र मोदी ने देश के विकास के लिए बहुत सारी योजनाएं चलाई, काम किए हैं। मोदी की गारंटी के चलते किसानों, महिलाओं-बहनों को लाभ मिला। आप मुझे आशीर्वाद प्रदान करो, क्षेत्र के विकास की गारंटी यहां मंच पर बैठे नेता ले रहे हैं।

जनता की सेवा करनी है

नाग ने कहा कि, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जो विकास है, वो तो होगा ही। अगर आपके गांव में कोई समस्या, कोई परेशानी होगी, कोई तंत्र-मंत्र होगा, तो उसे भी नींबू काटकर ठीक करने का काम मैं करूंगा। जनता की सेवा करने के लिए आपका आशीर्वाद चाहता हूं।

विवादित बयानों के लिए चर्चित हैं नाग

लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। कुछ महीने पहले विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने अपर कलेक्टर और कलेक्टर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मैंने कई बार अधिकारियों का भूत उतारा हूं, जनप्रतिनिधि भी हूं, बैगा भी हूं।

बेटा के लिए डउकी मांगने गया तो, मेरे को ही सौंप दिए

वहीं, बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने टिकट मिलने पर चुटीले अंदाज में बयान दिया। उन्होंने कहा कि, मेरे बेटा के लिए डउकी मांगने गया, तो मेरे को ही सौंप दिए (मैं तो बेटे के लिए बहू मांगने दिल्ली गया था, लेकिन मुझे ही दुल्हन सौंप दी)। चाहे टिकट दीपक बैज को देते या फिर मेरे बेटे हरीश को हम सब के लिए काम करते, लेकिन पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है।

जगदलपुर के लाल बाग मैदान में बुधवार को कांग्रेस की नामांकन रैली थी। इस दौरान लखमा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने कहा था कि दीपक बैज को टिकट दे दो। वे प्रदेश अध्यक्ष हैं, छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नेता हैं। राज्य की 11 सीटें जितानी है। अगर कोई तकलीफ हो तो मेरे बेटे हरीश को टिकट दो।

बिलासपुर में कांग्रेस नेता का आमरण अनशन खत्म

बिलासपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में पिछले 3 दिन से अनशन पर बैठे कांग्रेस नेता जगदीश कौशिक ने नाटकीय रूप से अपना अनशन समाप्त कर दिया है। कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष विजय केशरवानी ने उन्हें पानी और जूस पिला कर अनशन खत्म कराया। दरअसल जगदीश कौशिक की पत्नी अपने दो बेटों को लेकर अनशन करने पहुंच गई थी।

इस दौरान उन्होंने दो टूक कहा कि अगर मेरे पति को कुछ होता है, तो इसके लिए कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार होगी। इसके बाद कांग्रेस के नेता हरकत में आए और आनन-फानन में अनशन खत्म कराया। वहीं, अनशन खत्म होने की भनक लगते ही लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र यादव भी जगदीश कौशिक से मिलने पहुंच गए। दरअसल, कांग्रेस हाईकमान में बिलासपुर लोकसभा सीट से देवेंद्र यादव को उम्मीदवार बनाया है, जिसके बाद बिलासपुर में उनके खिलाफ विरोध शुरू हो गया है। उन्हें प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध करते हुए बोदरी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस नेता जगदीश कौशिक ने बुधवार सुबह 10 बजे से कांग्रेस भवन के सामने आमरण शुरू कर दिया था। इस दौरान अन्न-जल ग्रहण किए बिना जगदीश कौशिक अनशन कर रहे थे। वे पिछले 3 दिनों से कांग्रेस भवन के सामने धरने पर बैठे रहे। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय पांडेय और विजय केशरवानी पहले दिन से ही उन्हें मनाने की कोशिश में लगे थे, लेकिन जगदीश कौशिक अपनी मांग पूरी होने पर ही अनशन खत्म करने पर अड़े रहे। बुधवार को भी कांग्रेस नेता व कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव सहित अन्य कांग्रेसी नेता उन्हें मनाने और समझाने के लिए पहुंचे थे, लेकिन वे नहीं माने।

रांची में लाठी से महिला की पिटाई, जूतों की माला पहनाई

चोरी के आरोप में पंचायत ने दी सजा; एसएसपी ने दिए जांच के आदेश

रांची, 29 मार्च (एजेंसियां)। रांची में एक महिला को भरी पंचायत में लोगों के सामने लाठी से पीटा गया। पिटाई का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक शख्स महिला का हाथ पकड़े हुए है, जबकि दूसरा उसे पीट रहा है। महिला पर चोरी का आरोप था। मामला राजधानी के कांके के सुकुरहुटू गांव का है। महिला की सिर्फ पिटाई ही नहीं हुई उसे जूतों की माला पहनाकर पूरे गांव में भी घुमाया गया। मामला जब एसएसपी चंदन सिन्हा तक पहुंचा तो इस पर कार्रवाई के आदेश दिए गए। पीड़ित महिला का बयान दर्ज किया गया है लेकिन इस मामले में अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि महिला की पिटाई 25 मार्च को की गई थी। लेकिन यह मामला तब सामने आया जब एसएसपी चंदन सिन्हा ने इस पर जांच के आदेश दिए। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

नशे की सौदागर लेडी डॉन गिरफ्तार; पुलिस पर छोड़ती थी कुत्ते-बच्चे की आड़ लेकर बैठ जाती थी सिलेंडर पर

रायपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने नशे के क्षेत्र में खुद को लेडी डॉन बताने वाली महिला और उसके पति को गिरफ्तार किया है। शादी के बाद पति-पत्नी मिलकर अवैध शराब को बिक्री करते थे। इससे पहले पुलिस को कुत्ते के भय और बच्चे को फेंक कर साथ ही गैस सिलेंडर खोलकर डराने का प्रयास कर चुकी थी, लेकिन इस बार कोई चाल काम नहीं आया और पुलिस ने धर-दबोचा। निजात अभियान के तहत नशे के सौदागर के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। रायपुर के साथ-साथ कई जिलों में कुल 17 मामले अपराध पंजीबद्ध है।

फरार थे दोनों आरोपी

नशे के खिलाफ थाना कबीर नगर में आरोपियों सोहेल खान, मुस्कान रात्रे और प्रियेश उर्फ प्रिंस यदु के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही थी। घटना तारीख से ही महिला आरोपी और उसके पति फरार होकर पुलिस से बचने के लिए लुक छुप रहे थे। पुलिस के खोजबीन के दौरान आरोपीगण के कबीर नगर में होने की सूचना मिली। पुलिस मौके आरोपियों के छिपने की संभावित जगहों पर घेरा बंदी कर दबिश दिया, जहां आरोपियों ने भागने की कोशिश करते हुए खुद को नुकसान पहुंचाकर पुलिस वालों को फंसा देने की धमकी देने लगी। लेकिन इस बार पुलिस बल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और दोनों को पकड़ा लिया गया। इसके पहले दबिश देने पर कुत्ते के भय, बच्चे को फेंककर और गैस सिलेंडर खोलकर डराने का प्रयास कर चुकी थी, लेकिन इस बार कोई चाल काम नहीं आया और दोनों आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया।

जेएमएम का दावा–55% एयरक्रॉफ्ट बीजेपी ने किए बुक

हेलीकॉप्टर मिलने में हो रही परेशानी, दो हेलीकॉप्टर एक महीने के लिए बुक करना चाहती है पार्टी

ंची, 29 मार्च (एजेंसियां)। 55 प्रतिशत एयरक्रॉफ्ट या फ्लाइंग मशीन भाजपा के द्वारा आरक्षित कर ली गई हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड में भी इसी प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा अकेले भाजपा को मिला फिर समानता कहा है। फोन पर हुई बातचीत में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, हम सिर्फ दो हेलीकॉप्टर रखना चाहते हैं। हमने इसके लिए एजेंसी से बात की है कोटेशन भी मंगाया है लेकिन हमें अब तक सिर्फ यही जवाब मिला है कि हम उपलब्धता है या नहीं देख रहे हैं।

जेएमएम दो हेलीकॉप्टर के लिए कर रही है प्रयास

क्या चुनाव के मद्देनजर कीमत बढ़ी है ? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कीमत में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हमारा प्रयास है कि हम एक डबल इंजन का हेलीकॉप्टर सीएम के मूवमेंट के लिए चुनाव के दौरान रखें और एक हेलीकॉप्टर स्टार प्रचारकों के लिए। हम एक महीने तक इसे रखेंगे लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी और क्षेत्रीय पार्टी हेलीकॉप्टर का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। पीटीआई की एक रिपोर्ट बताती है कि हेलीकॉप्टर की मांग में पिछले आम चुनाव के मुकाबले 40 फीसदी तक बढ़ोतरी होने की संभावना है।

कितना हो सकता है किराया

विशेष विमान और हेलीकॉप्टर सेवा का शुल्क प्रति घंटे के आधार पर लिया जाता है। शुल्क साढ़े चार लाख रुपए से 5.25 लाख रुपए प्रति घंटे के बीच हो सकता है। एक हेलीकॉप्टर के लिए प्रति घंटे का शुल्क करीब डेढ़ लाख रुपए होता है। लोकसभा चुनाव के दौरान निजी विशेष विमानों और हेलिकॉप्टर की मांग पिछले चुनाव की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। 4 दिसंबर 2023 के अंत में 112 गैर-अनुसूचित संचालक (एनएसओपी) थे। आम तौर पर एनएसओपी ऐसी इकाइयां होती हैं जिनका कोई विशेष निर्धारित कार्यक्रम नहीं होता है और उनके विमान आवश्यकता पड़ने पर उड़ान भरते हैं। करीब 112 एनएसओपी हैं लेकिन इनमें से 40-50 फीसदी केवल एक विमान का संचालन करते हैं। उन्होंने कहा कि एनएसओपी के पास करीब 450 विमान होने का अनुमान है।

10 से कम लोगों के बैठने की क्षमता

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इन 'ऑपरेटर' के पास जो विमान और हेलीकॉप्टर हैं, उनमें बैठने की क्षमता तीन से 37 तक है। आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश विमानों और हेलीकॉप्टर में बैठने की क्षमता 10 से कम है।

भाजपा ने साल 2019- 20 में हेलीकॉप्टर पर खर्च किया 250 करोड़

नेता छोटे कस्बे तक यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर की मांग करेंगे, इसलिए हेलीकॉप्टर की मांग अधिक बढ़ने की संभावना है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को सौंपे गए 2019-20 के लिए पार्टी के वार्षिक ऑडिट खातों के अनुसार, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने विमान/हेलीकॉप्टर के लिए कुल 250 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए थे।

शादी नहीं हुई तो सुसाइड करने रेलवे ट्रैक पहुंचा

बिलासपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शादी नहीं होने से परेशान एक व्यक्ति सुसाइड करने रेलवे ट्रैक पर लेट गया। गनीमत थी कि पुलिस को वक्त रहते जानकारी मिल गई और वह मौके पर पहुंच गई। इस दौरान पटरी पर लेटे व्यक्ति को उठाया और समझाइश देकर उसके परिजन को सौंप दिया। व्यक्ति का कहना था कि वह पारिवारिक कारणों से परेशान था।

एडिशनल एसपी ग्रामीण अर्चना झा ने बताया कि गुरुवार दोपहर पुलिस के डॉयल 112 के जरिए जानकारी मिली कि एक व्यक्ति सुसाइड करने के लिए चकरभाठा ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पर लेट गया है। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। इस दौरान आरक्षक त्रिलोक सिंह और ड्राइवर ने हिमेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति को पटरी से उठाकर किनारे किया। दरअसल, चकरभाठा थाना क्षेत्र के अचानकपुर का रहने वाला हिमेश्वर राव (32 वर्ष) मजदूरी करता है। वह घर से आत्महत्या करने की बात कहकर निकला था।

मेडागास्कर में चक्रवात गैमेन का कहर

14 लोगों की हुई मौत; देश के सात क्षेत्र पूरी तरह से तबाह

एंटानानारिवो, 29 मार्च (एजेंसियां)। चक्रवात गैमेन के कारण मेडागास्कर में 14 लोगों की जान चली गई। वहीं, तीन अन्य घाय हो गए, जबकि तीन अन्य लोग अभी भी लापता हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से गुरुवार को मेडागास्कर के राष्ट्रीय जोखिम और आपदा प्रबंधन कार्यालय (बीएनजीआरसी) ने कहा कि बुधवार की सुबह चक्रवात गैमेन ने मेडागास्कर के उत्तरी सिरे पर भूस्खलन किया।

देश के सात क्षेत्रों को किया तबाह

वहीं, 150 किमी प्रति घंटे की औसत हवाएं और 210 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से भारी बारिश हुई। देश के सात क्षेत्रों को तबाह करने वाले चक्रवात से 9,024 घरों सहित कुल 36,307 लोग प्रभावित हुए है। लगभग 18,565 लोगों या 4,849 परिवारों को विभिन्न इलाकों में फैले 68 आपातकालीन स्थलों को खाली करने और शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। बीएनजीआरसी के अनुसार, चक्रवात गैमेन से आई बाढ़ ने व्यापक रूप से क्षति पहुंचाई है। लगभग 6,675 घर और 1,698 धान की फसलें जलमग्न हो गईं, जबकि 617 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए।

एक मंच पर बाइडन-ओबामा-क्लिंटन

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति का समर्थन करते नजर आए दोनों पूर्व प्रेसिडेंट

न्यूयॉर्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन के साथ एक हाई प्रोफाइल धन इकट्ठा करने वाले कार्यक्रम में शामिल हुए। यह कार्यक्रम मैनहट्टन के रेडियो सिटी म्यूजिक हॉल में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति जो बाइडन को फिर से चुने जाने के लिए चलाए गए अभियान के लिए 25 मिलियन धन इकट्ठा किया गया है। यह राशि उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जुटाए गए राशि से अधिक है।

राष्ट्रपतियों की तिकड़ी ने कार्यक्रम में लिया हिस्सा

कार्यक्रम में कई सितारों में हिस्सा लिया था, जिसमें सिंगर क्वीन लतीफा और लिजो ने परफॉर्म किया। राष्ट्रपतियों की तिकड़ी ने इस कार्यक्रम में कई सवलों के जवाब दिए। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर मजाकिया तौर पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में शामिल होने वाले दर्शकों को राष्ट्रपतियों की तिकड़ी के साथ तस्वीर खिचवाने का मौका भी मिला। इस तस्वीर के लिए उन्हें 100,000 का भुगतान करना था। बाइडन के कार्यक्रम के आयोजन के दौरान फलस्तीनी समर्थकों ने प्रदर्शन भी किया। हॉल के अंदर भी कुछ प्रदर्शनकारियों ने हंगामा किया।

पुलिस अधिकारी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए राष्ट्रपति बाइडन

इस कार्यक्रम में शामिल होने से पहले राष्ट्रपति बाइडन पुलिस अधिकारी जोनाथन डिलर की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए, जिनकी सोमवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाइडन ने पुलिस अधिकारी की मौत को लेकर न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स से संपर्क भी किया था। इस घटना के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कानून और व्यवस्था की वापसी का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने इस घटना पर राष्ट्रपति बाइडन पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं किया।

डोनाल्ड ट्रंप के अभियान का पूरा ध्यान पुलिस व्यवस्था और आप्रवासन पर राष्ट्रपति बाइडन के रुख पर आलोचना करने पर केंद्रिंत है। बता दें कि मौजूदा समय में राष्ट्रपति बाइडन के पास पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक फंड है। 2016 में अपने पहले राष्ट्रपति अभियान के दौरान एक पॉर्न स्टार को कथित तौर पर पसे का भुगतान करने के मामले पर 15 अप्रैल को सुनवाई हो सकती है।

अफगानिस्तान में कांपी धरती

4.6 की तीव्रता से लगे भूकंप के झटके

काबुल, 29 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान (एनसीएस) केंद्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह 5:11 बजे अफगानिस्तान में भूकंप आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 रही। एनसीएस डेटा के अनुसार, भूकंप का केंद्र अक्षांश 36.04 और देशांतर 71.19 पर 110 किमी की गहराई पर पाया गया। अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं आई है।

पिछले साल आया था विनाशकारी भूकंप

अफगानिस्तान भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र है। पिछले साल 7 अक्टूबर को अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में 6.3 तीव्रता का तेज भूकंप आया था, जिसने कई गांवों को तबाह कर दिया था। इसे अफगानिस्तान में हाल के समय में आए सबसे विनाशकारी भूकंप में गिना गया था, जिसमें 2000 लोग मारे गए थे हजारों घायल और बेघर हो गए थे। कई महीनों बाद भी लोग लोग पुनर्निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ये मुस्लिम देश बेच रहा था इजराइल को हथियार, जनता को पता लगा तो हो गया बवाल

फिलिस्तीन, 29 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पिछले दो दिनों से ट्रेंड कर रहा है। फिलिस्तीन और मुस्लिम दुनिया के मसीहा समझे जाने वाले तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन पर गंभीर आरोप लगे हैं। तुर्की की एक ट्रेड रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि तुर्की ने युद्ध के दौरान इजराइल को हथियार बेचे हैं। मीडिया आउटलेट 'द क्रैडल' ने 'ट्रेंडिंग इकोनॉमिक्स' की एक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए लिखा कि जनवरी में देश ने इजराइल को कीमती मेटल, केमिकल, कीटनाशकों, परमाणु रिएक्टर पार्ट्स, बारूद, विस्फोटक, विमान के हिस्सों, हथियारों और गोला-बारूद सहित करीब 319 मिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया।

'करार डेली' के मुताबिक ये ट्रेड तुर्की की इंडिपेंडेंट इंडस्ट्रियलिस्ट्स एंड बिजनेसमैन एसोसिएशन से जुड़ी कंपनियों ने किया है, जिनको देश में राष्ट्रपति एर्दोआन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। इस रिपोर्ट के बाहर आने के बाद सोशल मीडिया पर तुर्की राष्ट्रपति के खिलाफ भूचाल आ गया है। फिलिस्तीन समर्थकों ने इजराइल के साथ हथियारों के व्यापार को फिलिस्तीनियों के 'पीठ में छुरा घोंपने' जैसा करार दिया है। सोशल मीडिया पर लोगों ने तुर्की और एर्दोआन के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है।

तुर्की ने दी सफाई

मामले के तूल पकड़ने के बाद तुर्की को सफाई देनी पड़ी है। तुर्की की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बयान में कहा, "तुर्की हमेशा से फिलिस्तीन का समर्थक रहा है। ऐसा कभी नहीं हो सकता कि तुर्की किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल हो जो फिलिस्तीन के खिलाफ इस्तेमाल हो।" बयान में आगे कहा कि डिफेंस मंत्रालय की इजराइल के साथ सैन्य प्रशिक्षण और डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कोई भी डील नहीं हुई है।

"हथियार के नाम पर कुछ और हुआ एक्सपोर्ट"

टीसीडीसीसीडी ने एक्स पर लिखा, "कथित एक्सपोर्ट रिपोर्ट के 93वें चैपटर में प्रोडक्ट जंग के हथियार और गोला-बारूद नहीं हैं, बल्कि खेल और शिकार जैसे निजि कामों के लिए इस्तेमाल होने वाले अनग्रूव्ड राइफल स्पेयर पार्ट्स, सहायक उपकरण और मछली पकड़ने के प्रोडक्ट्स हैं।"

जिन्ना और गांधी का नाम लेकर भारत से बातचीत को गिड़गिड़ाया पाक

कहा- संघर्ष हमारा भाग्य नहीं

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व में नई सरकार आने के बाद एक बार फिर से दोनों देशों के बीच बातचीत और व्यापार की मांग तेज होने लगी है। भारत से व्यापार शुरू करने का बयान देने के बाद अब पाकिस्तान ने महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना का नाम लेकर बातचीत शुरू करने की गुहार लगाई है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी उच्चायोग के प्रभारी साद अहमद वारिच ने कहा कि संघर्ष और तनाव का चक्र हमारा भाग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और भारत भूतकाल की छाया से निकल सकते हैं और दोनों देशों की जनता के लिए भविष्य की उम्मीद की पटकथा लिख सकते हैं जो शांतिपूर्ण सह अस्तित्व, संप्रभु समानता और आपसी सम्मान पर आधारित होगा।

पिछले 5 साल में पहली बार आयोजित पाकिस्तानी राष्ट्रीय दिवस में भारत ने अपना कोई भी प्रतिनिधि नहीं भेजा था। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तानी प्रभारी ने हालांकि कश्मीर का जिक्र किया लेकिन उनका लहजा मेल-मिलाप करने वाला था। उन्होंने कश्मीर को लेकर आपसी शांति और स्थिरता पर जोर दिया। उन्होंने भारत और पाकिस्तानियों के डिबेट, क्रिकेट के प्यार और अच्छे खाने का भी जिक्र किया। वारिच ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों के संस्थापक दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण रिश्ते चाहते थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लक्ष्य को आपसी समझ के आधार पर हासिल किया जा सकता है।

भारत के साथ व्यापार पर तैयार है पाक?

वारिच ने कहा कि आपसी समझ के आधार पर लंबे समय से चल रहे आ रहे जम्मू-कश्मीर समेत अन्य मुद्दों का समाधान किया जा सकता है। पाकिस्तानी प्रभारी ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब हाल ही में पाकिस्तान के नए विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के साथ व्यापार का समर्थन किया था। हालांकि बाद में पाकिस्तान में आलोचना होने के बाद अब वह अपने बयान से पलट गए हैं। पाकिस्तान ने सफाई दी है कि उसका भारत के साथ व्यापार शुरू करने की कोई योजना नहीं है। साल 2019 में भारत के अनुच्छेद 370 को जम्मू-कश्मीर से खत्म करने पर पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार को बंद कर दिया था। इससे पहले इशाक डार ने कहा था कि पाकिस्तान गंभीरतापूर्वक भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान के बिजनसमैन लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि भारत के साथ व्यापार को फिर से शुरू किया जाए तभी देश की कंगाली दूर होगी। वहीं पाकिस्तान की सरकार अकड़ में इससे दूर भाग रही है। माना जा रहा है कि जनरल असीम मुनीर के इशारे पर पाकिस्तान अभी अकड़ दिखा रहा है ताकि भारत पर दबाव बनाया जाए।

इजरायल ने सीरिया में की एयरस्ट्राइक, 36 जवानों की मौत

सीरिया, 29 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से हालात तनावपूर्ण हो रहे हैं। इसकी वजह ये है कि इजरायल ने शुक्रवार को सीरिया में एयरस्ट्राइक की है। अलेप्पो शहर के पास हुई इजरायली एयरस्ट्राइक में सीरिया की सेना के 36 जवानों की मौत हुई है। सेना का कहना है कि इस हमले में कई लोग बुरी तरह घायल भी हुए हैं, जबकि बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। सीरियाई मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से बताया है कि इजरायली एयरस्ट्राइक ऐसे समय पर हुई है, जब देश के विद्रोही गुटों ने अलेप्पो और इसके आस-पास के इलाकों पर ड्रोन से हमला किया है। हालांकि, अधिकारी की तरफ से हमले में हताहत होने वाले लोगों की सटीक संख्या नहीं बताई गई है। मगर एएफपी ने बताया है कि 36 सैनिक मारे गए हैं। ये हमला अलेप्पो के पास हुआ है, जो सीरिया के सबसे प्रमुख शहरों में से एक है।

हिज्बुल्लाह ग्रुप को बनाया गया निशाना

ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि इजरायली हमलों में अलेप्पो के दक्षिणी उपनगर जिब्रीन में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्लाह ग्रुप के मिसाइल डिपो को टारगेट किया गया। इस हमले में दर्जनों सैनिक मारे गए और कई घायल हुए हैं। ऑब्जर्वेटरी का कहना है कि हमले के दो घंटे बाद भी धमाकों की आवाज सुनी गई है। इजरायली अधिकारियों की तरफ से अभी तक इस हमले को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

स्पेन में समुद्र किनारे ऊंची लहरों और तेज हवाओं का कहर, तट पर खड़े चार लोगों की मौत

मैड्रिड, 29 मार्च (एजेंसियां)। स्पेन के कई हिस्सों में तेज हवाओं और तेज बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। अटलांटिक और भूमध्यसागरीय तटों पर तीन घटनाओं में समुद्र में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। दक्षिण-पश्चिम में पुर्तगाल के तट पर ऊंची लहरों की चेतावनी के बीच ये मौतें हुईं। स्पैनिश पुलिस ने कहा कि मोरक्को से आए एक युवक और एक जर्मन व्यक्ति की पूर्वी शहर टैरागोना के पास भूमध्यसागरीय तट पर मौत हो गई। सिविल गार्ड ने कहा कि जर्मन व्यक्ति मोरक्को के युवक को बचाने की कोशिश में पानी में चला गया था और बचाते-बचाते दोनों की मौत हो गई। वहीं, स्पेन के उत्तरी तट पर अटलांटिक महासागर में गिरने से एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई।

स्पेन की ईएफई एजेंसी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से कहा कि वह व्यक्ति ब्रिटिश नागरिक था। आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि बचावकर्मियों ने दो अलग-अलग घटनाओं में शव बरामद किए हैं, जो उत्तरी शहर गिजोन के पश्चिम तट पर लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर हुई थीं।

अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा, विदेश मंत्रालय ने चीन को दिया जवाब

ईटानगर, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्रालय ने लगातार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताने वाले बयानों पर टिप्पणी की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग जितनी बार चाहे अपने बेतुके दाव दोहराता रहे लेकिन इससे हमारा रुख नहीं बदलेगा कि अरुणाचल प्रदेश हमारा हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जारी रखने के सवाल के जवाब में यह बात कही। उनकी यह टिप्पणी चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान द्वारा सोमवार को चीन के दावे को दोहराए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। विदेश मंत्रालय ने चीन को जवाब देते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश मामले पर हमने बार- बार कहा है कि चीन अपने निराधार दावों को जितनी बार चाहे दोहरा सकता है, हमारी बात बदलनी वाली नहीं है। अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा था और है और हमेशा रहेगा। इससे पहले भी भारत ने एक बयान में कहा था कि चीन का भारतीय नेताओं के अरुणाचल दौरे का विरोध करना बेतुका है और निराधार है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन के उस दावे के बाद ये जवाब दिया, जिसमें चीन ने अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा बताया था। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग जियाओगांग ने 15 मार्च को एक बयान जारी कर कहा था कि वो भारतीय नेताओं के अरुणाचल दौरे का विरोध करता है। बता दें, पीएम मोदी ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में सेला टनल का उद्घाटन किया था। जिस के बाद चीन का ये बयान सामने आया। जिस में चीन ने कहा कि 'जिजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का हिस्सा है और चीन भारत के कथित अरुणाचल प्रदेश को न कभी स्वीकार करेगा और इसका सख्ती से विरोध करता है।' हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन को सख्त जवाब देते हुए कहा कि भारत पहले भी चीन के ऐसे दावों को सिरे से खारिज कर चुका है।

गाजा के अस्पताल में दूसरी बार भड़की लड़ाई 200 लड़ाके मारे गए; 800 गिरफ्तार

यरुशलम, 29 मार्च (एजेंसियां)। गाजा सिटी के अल शिफा अस्पताल और इसके आसपास के इलाकों में भीषण लड़ाई जारी है। साढ़े पांच महीने के युद्ध में गाजा सिटी में दूसरी बार लड़ाई भड़की है। हमास और इस्लामिक जिहाद के लड़ाके अस्पताल के भीतर और अन्य ठिकानों से इजरायली सैनिकों और उनके टैंकों पर रॉकेट और मोर्टार से हमले कर रहे हैं। 18 मार्च को अस्पताल परिसर में घुसे इजरायली सैनिकों ने अभी तक वहां पर 200 से ज्यादा लड़ाकों को मारा है।

इजरायली सैनिकों ने अस्पताल परिसर से 800 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में करीब 500 की हमास और इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों के तौर पर पुष्टि हो चुकी है। गाजा के सबसे बड़े इस अस्पताल में हजारों बेघर लोगों ने शरण ले रखी है। इनके बीच छिपे लड़ाकों ने जब इजरायली सैनिकों पर हमले शुरू किए तब अस्पताल परिसर में इजरायली सेना घुसी थी। लड़ाई में अस्पताल परिसर में शरण लिए आमजनों और मरीजों के घायल होने की सूचना है। लड़ाई के चलते उनके इलाज में बाधा आ रही है। समुचित इलाज के अभाव में पांच लोगों के मरने की सूचना है। अस्पताल में मौजूद आमजनों और मरीजों के लिए खाने की किल्लत भी पैदा हो गई है।

गाजा के कई अन्य स्थानों पर भी लड़ाई जारी है, मरने वाले कुल फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 32,552 तक पहुंच गई है। इस बीच फलस्तीन प्राधिकार के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने गुरुवार को नया मंत्रिमंडल घोषित किया।

दक्षिण अफ्रीका में बस पुल से खाई में गिरी, 45 लोगों की मौत; सिर्फ एक बच्ची की बची जान

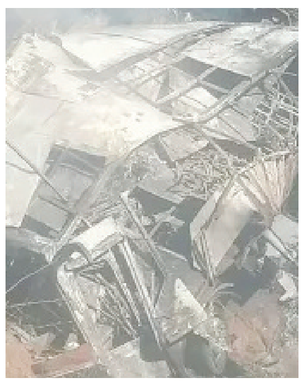

केपटाउन, 29 मार्च (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका में गुरुवार को ईस्टर सेलिब्रेशन के लिए लोगों को लेकर जा रही बस एक पहाड़ी दर्रे पर बने पुल से नीचे गिर गई। पुल से गिरने के बाद बस में आग लग गई जिसके चलते कम से कम 45 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बस पड़ोसी देश बोत्सवाना से मोरिया शहर जा रही थी। देश के उत्तरी लिम्पोपो प्रांत के प्राधिकारियों ने बताया कि हादसे में केवल 8 साल की एक बच्चा जीवित बची है जिसका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बच्ची को भी हालांकि गंभीर चोटें आई हैं। लिम्पोपो प्रांतीय सरकार ने बताया कि बस ममातलकाला पुल से 164 फुट नीचे खाई में गिर गई जिसके बाद उसमें आग लग गई। प्रांतीय सरकार ने बताया कि तलाश अभियान जारी है लेकिन कई शव इतनी बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान कर पाना मुश्किल हो गया है और वे अभी बस में ही फंसे हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि उनका मानना है कि बस पड़ोसी देश बोत्सवाना से मोरिया शहर जा रही थी जो मशहूर ईस्टर तीर्थस्थल है। उनके मुताबिक ऐसा लगता है कि बस के ड्राइवर ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और उसकी भी मौत हो गयी। राष्ट्रीय परिवहन विभाग ने बताया कि परिवहन मंत्री सिंडिसिवे चिकुंगा एक सड़क सुरक्षा अभियान के लिए लिम्पोपो प्रांत में मौजूद थीं और उन्होंने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि चिकुंगा ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और हादसे की वजह का पता लगाया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ईस्टर की छुट्टियों के दौरान सड़क दुर्घटनाओं के खतरे से अक्सर आगाह करती रहती है क्योंकि यह सड़क यात्रा के लिए व्यस्त और खतरनाक समय होता है। पिछले साल ईस्टर वीकेंड के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में नागरिकों की मौत से भड़का चीन निर्माण कार्य रोककर सैकड़ों श्रमिकों को हटाया

बिजिंग, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बीते दिनों हुए आत्मघाती हमले में पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। अब चीन ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। चीन की एक कंपनी ने इसी अशांत प्रांत में एक जलविद्युत परियोजना में निर्माण कार्य रोक दिया है और सैकड़ों श्रमिकों को काम से हटा दिया है। जानकारी के मुताबिक, पावर कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन ऑफ चीन ने निर्माण संबंधी कार्यों को निलंबित करके यहां 2,000 से अधिक श्रमिकों को काम से हटा दिया है। बीते दिनों खैबर पख्तूनख्वा के शांगला की बिशाम तहसील में विस्फोटक से भरे एक वाहन ने दूसरे वाहन को टक्कर मार दी थी जिसके बाद भीषण धमाका हुआ। जिस वाहन को निशाना बनाया गया उसमें कई चीनी नागरिक सवार थे, जिसमें से 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एन्य नागरिक की भी मौत हुई है। हमले को लेकर चीन की ओर से इस हमले की जिम्मेदारी भी किसी ने नहीं ली है।

गौरतलब है कि, बीते कुछ वर्षों में पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर होने वाले हमलों में इजाफा हुआ है। इन हमलों में अब तक कई चीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। ज्यादातर हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के इलाके में हुए हैं। बलूचिस्तान में स्थानीय आबादी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ है, बावजूद इसके चीन ने यहां भारी निवेश कर रखा है। चीनी नागरिकों पर हुए हमले के बाद पाकिस्तान का भी बयान सामने आया है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलूच ने दुश्मनों की पहचान उजागर किए बिना कहा है कि पाकिस्तान और चीन घनिष्ठ मित्र हैं। हमें इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि यह आतंकी हमला पाकिस्तान-चीन मित्रता के दुश्मनों द्वारा किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों और उनके मददगारों को न्याय के दायरे में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

श्रीलंका में एक और 'हंबनटोटा' बनाने की तैयारी, चीन बनाएगा बंदरगाह और हवाई अड्डा, भारत की बढ़ी चिंता

बीजिंग, 29 मार्च (एजेंसियां)। चीन के कर्ज के नीचे दबा श्रीलंका साल 2022 में डिफॉल्ट कर गया था। आर्थिक संकट ऐसा था कि देश में भुखमरी जैसी स्थिति बन गई थी। इससे श्रीलंका को बचाने के लिए भारत आगे आया था। अब जब एक बार फिर श्रीलंका अपने पैरों पर खड़ा हुआ है तो वह दोबारा चीन के करीब जाने में लगा है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने चीन की यात्रा पर गए हैं। बुधवार को उन्होंने कहा कि चीन ने श्रीलंका के रणनीतिक गहरे बंदरगाह और राजधानी के हवाई अड्डे को विकसित करने का वादा किया है। चीन के साथ मिलकर श्रीलंका बंदरगाह बनाने की बात तब कर रहा है, जब वह घाटे के कारण हंबनटोटा पोर्ट को बीजिंग को लीज पर दे चुका है। गुणवर्धने ने कहा कि चीन श्रीलंका के बाहरी ऋण पुनर्गठन में मदद करेगा जो 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आईएमएफ बेलआउट को बनाए रखने की एक महत्वपूर्ण शर्त है। ऋण पुनर्गठन बर चीन की स्थिति सार्वजनिक नहीं हुई है। लेकिन श्रीलंकाई अधिकारियों का कहना है कि चीन अपने कर्जों पर कटौती करने का अनिच्छुक था। लेकिन समयसीमा बढ़ाने और ब्याज दरों को एडजस्ट करने को तैयार है। 2022 में श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार पूरी तरह खाली हो गया था और वह आवश्यक आयात नहीं कर सकता था। डिफॉल्ट होने के बाद श्रीलंका में प्रदर्शन देखे गए। इस कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश छोड़कर भागना पड़ा था। गुणवर्धने के कार्यालय ने कहा चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने वादा किया था कि चीन श्रीलंका की ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया में लगातार मदद करेगा और श्रीलंका को अपनी अर्थव्यवस्था विकसित करने में मदद करेगा। बयान में आगे कहा गया कि चीन ने कोलंबो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और हंबनटोटा बंदरगाह को विकसित करने के लिए मदद की पेशकश की। कोलंबो हवाई अड्डे का विस्तार जापान की फंडिंग से किया जा रहा था। लेकिन डिफॉल्ट के बाद से यह काम रुक गया। हंबनटोटा बंदरगाह को चीन के कर्ज के जरिए श्रीलंका ने बनाया था। लेकिन 2017 में चीन के स्वामित्व वाली कंपनी को श्रीलंका ने 1.12 अरब अमेरिकी डॉलर में 99 साल के पट्टे पर सौंप दिया था। चीन के इस बंदरगाह पर कब्जे के बाद से भारत की चिंता बढ़ गई है।

भीलवाड़ा का टिकट बदलकर सीपी जोशी को देने की तैयारी

ब्राह्मणों की नाराजगी से हुए डैमेज को कंट्रोल करने की कोशिश; दामोदर गुर्जर राजसमंद शिफ्ट होंगे

डॉ. सीपी जोशी
भीलवाड़ा

दामोदर गुर्जर
भीलवाड़ा से राजसमंद

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजसमंद उम्मीदवार सुदर्शन सिंह रावत के टिकट वापस करने और एक भी सीट पर ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारने से उठे विवाद के बाद अब कांग्रेस ने नए सिरे से एक्सरसाइज शुरू कर दी है। अब कांग्रेस भीलवाड़ा से पूर्व स्पीकर सीपी जोशी को उम्मीदवार बनाने की तैयारी कर रही है। भीलवाड़ा से मौजूदा कांग्रेस उम्मीदवार दामोदर गुर्जर को राजसमंद शिफ्ट करने का प्रस्ताव है। सीपी जोशी के नाम पर जल्द मुहर लगने की संभावना है।

डॉ. सीपी जोशी 2009 से 2014 तक भीलवाड़ा से सांसद रह चुके हैं। इसलिए उनके नाम पर फिर से विचार किया गया है। प्रदेश में इस बार कांग्रेस के एक भी सीट पर ब्राह्मण चेहरे को टिकट नहीं देने के बाद विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस रणनीतिकारों ने डैमेज कंट्रोल की जरूरत बताते हुए यह फॉर्मूला निकाला कि पार्टी के सीनियर नेता सीपी जोशी को चुनाव लड़ने के लिए मनाया जाए। पहले सीपी जोशी चुनाव लड़ने को तैयार नहीं थे। केंद्र और राज्य के सीनियर नेताओं के कहने के बाद जोशी तैयार हो गए हैं।

राजसमंद से पिछली बार भी गुर्जर को टिकट दिया था

पार्टी ने भीलवाड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार दामोदर गुर्जर को राजसमंद से टिकट देने का प्रस्ताव दिया है। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने इसके पीछे तर्क दिया है कि दामोदर गुर्जर की उम्मीदवारी छीनकर उन्हें दूसरी जगह से टिकट नहीं दिया तो गुर्जर वोटर्स नाराज हो सकते हैं। कोई नाराज नहीं हो इसीलिए शिफ्टिंग फॉर्मुले के तहत दामोदर गुर्जर को भीलवाड़ा की जगह राजसमंद से लड़ाने का प्रस्ताव है। इससे गुर्जर वोटर्स भी नाराज नहीं होंगे। राजसमंद से पिछली बार कांग्रेस ने गुर्जर नेता देवकीनंदन काका को टिकट दिया था। इसी फॉर्मूले के हिसाब से दामोदर गुर्जर को राजसमंद शिफ्ट करने की तैयारी है।

भीलवाड़ा, राजसमंद और बांसवाड़ा पर आज-कल में फैसला

भीलवाड़ा और राजसमंद सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर जल्द फैसला होने की संभावना है। कांग्रेस कभी भी इन सीटों पर नए सिरे से उम्मीदवारों की घोषणा कर सकती है। बांसवाड़ा सीट गठबंधन में छोड़ने या उम्मीदवार उतारने पर भी फैसला बाकी है। इसका फैसला भी भीलवाड़ा, राजसमंद के साथ होने की संभावना है।

कांग्रेस ने इस बार एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा

कांग्रेस ने इस बार एक भी सीट पर ब्राह्मण चेहरे को उम्मीदवार नहीं बनाया। इसे लेकर ब्राह्मण संगठनों और कांग्रेस के ब्राह्मण नेताओं ने नाराजगी जताई थी। कांग्रेस के पास ब्राह्मण समाज से कई वरिष्ठ नेता हैं। कांग्रेस हाईकमान तक यह मामला पहुंचा था। कांग्रेस के रणनीतिकारों ने इस मामले में डैमेज कंट्रोल करने का फॉर्मूला सुझाया। इसके तहत सीपी जोशी को चुनाव लड़वाने का सुझाव दिया।

सीपी जोशी तैयार नहीं थे, वरिष्ठ नेताओं के समझाने पर चुनाव लड़ने को तैयार हुए

दरअसल, सीपी जोशी पहले चुनाव लड़ने को तैयार नहीं थे। सुदर्शन सिंह रावत के टिकट वापस करने और एक भी ब्राह्मण चेहरे को टिकट नहीं देने से गलत मैसेज जाता देख कांग्रेस ने रणनीति बदली। सीपी जोशी का नाम तो सबने सुझा दिया, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने के लिए मनाना भी जरूरी था। इसके लिए पूर्व सीएम अशोक गहलोत, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए तैयार किया। इसमें दिल्ली से भी कुछ वरिष्ठ नेताओं ने सीपी जोशी को मनाने का प्रयास किया। इसके बाद सीपी जोशी को टिकट देने का प्रस्ताव हाईकमान को भेजा गया है।

जंगल में अवैध शराब के कारोबार का पर्दाफाश

भट्टियां तोड़ी-1400 लीटर वॉश किया नष्ट पहले ही भाग छूटे बदमाश

टोंक, 29 मार्च (एजेंसियां)। टोंक जिले में डिग्गी थाना इलाके के कलमंडा के जंगल में अवैध शराब के कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। यहां कार्रवाई करते हुए पुलिस ने करीब 1400 लीटर हथकढ़ शराब नष्ट किया और भट्टियां तोड़ी। हालांकि कार्रवाई की भनक लगने से आरोपी पहले ही मौके से भाग छूटे।

पुलिस और आबकारी विभाग लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर और ज्यादा एक्टिव हो गए है। इन दोनों विभाग की टीम ने मिलकर शुक्रवार अलसुबह डिग्गी थाना इलाके के कलमंडा के जंगल में छापा मारा। इस दौरान बड़ी मात्रा में वॉश और भट्टियां मिली। इसमें करीब 1400 लीटर वॉश नष्ट किया गया। हालांकि मौके से कोई आरोपी नहीं मिला। पुलिस कार्रवाई की भनक लगने से अवैध शराब के कारोबार में शामिल बदमाश पहले भी भाग छूटे।

एसपी संजीव नैन ने बताया कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता को लेकर पुलिस अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रह रही है। इस कड़ी में शुक्रवार को भी सुबह मालपुरा एएसपी रामकुमार कस्वा, मालपुरा डीएसपी महेन्द्र कुमार के निर्देशन में डिग्गी थानाधिकारी कप्तान सिंह मय टीम और आबकारी विभाग मालपुरा प्रहराधिकारी शिवकुमार शर्मा, मालपुरा आबकारी अधिकारी कनिका मेहता मय टीम ने शुक्रवार सुबह डिग्गी थाना क्षेत्र में कलमंडा इलाके में कलमंडा क्षेत्र में सहोदरा नदी के पास जंगल में दबिश दी। मौके पर अवैध रुप से बनाई जाने वाली हथकढ़ शराब की 2 भट्टियां और हथकढ़ शराब बनाने के काम आने वॉश मिली। पुलिस टीम ने 1400 लीटर वॉश नष्ट की है। डिग्गी थाना प्रभारी कप्तान सिंह ने बताया कि अवैध हथकढ़ शराब बनाने वालों समेत उन सभी लोगों पर सख्त निगरानी रखी जा रही, जिनसे कानून व्यवस्था और चुनाव प्रभावित होने की संभावना हो।

खाली दुकान में मिला अज्ञात युवक का शव

उदयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर के धानमंडी थाना क्षेत्र के अश्विनी बाजार में शुक्रवार को खाली पड़ी दुकान में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर धानमंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उठवाकर एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्युरी में रखवाया। जानकारी अनुसार शव करीब 3 से 4 दिन पुराना बताया जा रहा है। आसपास दुकानदारों को जब तेज बदबू आ रही थी। तब उन्होंने खाली पड़ी दुकानों की तरफ जाकर देखा तो कचरे के बीच शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। इसके बाद उन्होंने धानमंडी पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराकर शव को मॉर्च्युरी शिफ्ट कराया।

मंच पर भिड़े धारीवाल और गुंजल

रात में एक दूसरे से मिले; सुबह पूर्व मंत्री ने कहा प्रहलाद बोलें मेरे पर लगाए आरोप गलत हैं

कोटा, 29 मार्च (एजेंसियां)। कोटा में कांग्रेस उम्मीदवार प्रहलाद गुंजल और पूर्व मंत्री शांति धारीवाल मंच पर ही लड़ पड़े। गुंजल के भाजपा छोड़ कांग्रेस में आने के बाद शुक्रवार को कोटा में यह पहली सभा थी। धारीवाल ने गुंजल को संबोधित करते हुए कहा- अब आपने कांग्रेस जॉइन कर ली है। अब आप ये कहिए कि आपने मुझ पर जो आरोप लगाए थे वो सब गलत थे। इस बयान के बाद गुंजल और उनके समर्थक नाराज हो गए और जमकर नारेबाजी की। दरअसल, लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस कार्यालय में जनसभा का आयोजन किया गया था। इससे पहले गुंजल ने गुरुवार रात धारीवाल से मुलाकात भी की थी। वहीं उन्होंने कहा कि ये भी कहिए की अब आप सेक्युलर हैं। इस पर गुंजल मंच पर खड़े हो गए और धारीवाल को टोकते हुए कहा-आप सीनियर नेता हैं और मंच पर ऐसी बात शोभा नहीं देती। इतने में ही गुंजल और धारीवाल के समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

4 दिन से लापता बच्ची का शव नहर में मिला

भरतपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। मेरी बेटी होशियार थी, अगर वह गुम हुई होती तो कहीं से भी घर के नंबर पर कॉल करके सूचना दे देती। स्कूल से भी वह मैडम का फोन लेकर कॉल कर देती थी। मुझे लगता है कि उसका अपहरण कर हत्या की गई है। पुलिस से ज्यादा हमने तलाश की, पुलिस ने कुछ नहीं किया। यह आरोप भरतपुर के कोतवाली थाना इलाके के बड़ा मोहल्ला में रहने वाले होती सिंह का। जिसकी 12 साल की गुमशुदा बेटी वंदना का शव शुक्रवार सुबह 9 बजे शहर के चौबुर्जा इलाके में सुजान गंगा नहर में राहगीरों को पड़ा मिला। वंदना 25 मार्च से लापता थी। शव देखकर लोगों ने मथुरागेट थाना पुलिस को कॉल किया।

खेत में हो रही थी अफीम की खेती 506 पौधे जब्त

घर की तलाशी में डोडा-पोस्त भी मिला

श्रीगंगानगर, 29 मार्च (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के सादुलशहर इलाके के गांव खाट सजवार में पुलिस ने एक ढाणी में बने खेत में अफीम के 506 पौधे बरामद किए। आरोपी के यहां तलाशी ली तो घर में रखा 5 किलो डोडा-पोस्त भी बरामद हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी पिछले लंबे समय से नशे के कारोबार से जुड़ा था। उसने खेत में ही अफीम उगाकर इसे बेचने की तैयारी की थी। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को इलाके के गांव खाट सजवार में एक ढाणी में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती होने का पता लगा था। सूचना की पुष्टि होने पर सीआई सुमेर सिंह की देखरेख में आरोपी के यहां गुरूवार को दबिश दी गई।

बांग्लादेशी नागरिक जहां रुके उस होटल पर मामला दर्ज

सी-फॉर्म नहीं करवाया जमा; बांग्लादेशी युवक से अब जयपुर में होगी पूछताछ

जैसलमेर, 29 मार्च (एजेंसियां)। जैसलमेर में पकड़े गए बांग्लादेशी युवक से जैसलमेर में पूछताछ के बाद अब जयपुर में पूछताछ होगी। युवक रूबेल को सुरक्षा एजेंसियां जयपुर लेकर रवाना हुई। इस दौरान दोनों बांग्लादेशी नागरिकों को जैसलमेर में बिना सी-फॉर्म के रुकवाने वाली होटल रामदेव पैलेस के संचालक चतरसिंह पर मामला दर्ज किया गया है। विदेशी नागरिकों की जानकारी छिपाने के मामले में सीआईडी बीआई- एफ़आरओ कार्यालय द्वारा मामला दर्ज कराया गया है। हालांकि पूछताछ के दौरान हुई मौत मामले में अभी तक बुजुर्ग बांग्लादेशी का शव जवाहिर हॉस्पिटल की मोर्चरी में ही रखा है। बांग्लादेशी दूतावास की तरफ से जवाब आने के बाद ही मृतक के शव का निर्णय लिया जाएगा।

जिस होटल में रुके बांग्लादेशी, मालिक पर मामला दर्ज

गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान बॉर्डर स्थित तनोट इलाके में 23 मार्च की रात को 2 बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद दुलाल मियां (58) पुत्र मोहम्मद अब्दुल सतार व रुबेल मियां (29) पुत्र अफिल मियां निवासी इस्लामपुर जिला सुनामगंज बांग्लादेश पकड़े गए थे। पकड़े गए युवक रूबेल ने पूछताछ में बताया कि वे 22 मार्च को जैसलमेर स्थित होटल रामदेव पैलेस में रुके थे। इस पर सुरक्षा एजेंसियों ने जानकारी जुटाई। जानकारी में सामने आया कि होटल संचालक चतर सिंह ने विदेशी नागरिकों को होटल में रुकवाने के बाद उनका सी फॉर्म 24 घंटे के भीतर जमा नहीं करवाया। विदेशी नागरिकों को बिना जानकारी रुकवाने पर होटल संचालक पर मामला दर्ज किया गया है।

रूबेल से जयपुर में होगी पूछताछ

जैसलमेर में पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों में से एक बुजुर्ग की मौत के बाद 24 मार्च से रूबेल नामक बांग्लादेशी दे सुरक्षा एजेंसियों ने कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में रूबेल द्वारा ज्यादा जानकारी नहीं देने पर उसे जयपुर भेजा गया है। अब जयपुर में रूबेल से सुरक्षा एजेंसियां कड़ाई से पूछताछ करेगी। फिलहाल मृतक बुजुर्ग दुलाल मियां का शव एक हफ्ते से जवाहिर हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखा है। बांग्लादेशी दूतावास द्वारा निर्देश मिलने के बाद ही शव का निर्णय लिया जाएगा।

पाकिस्तान जाने की फिराक में थे दोनों

गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान से लगती जैसलमेर सरहद पर बांग्लादेश के कई नागरिकों को इससे पहले भी पकड़ा जा चुका है। ये लोग बांग्लादेश से जैसलमेर होते हुए पाकिस्तान के रास्ते अरब में रोजगार के लिए जाने के लिए आते हैं। कई एजेंट इनको इस तरह का लालच देकर जैसलमेर भेज देते हैं ताकि यहां से वे बांग्लादेश से भारत में आने की तरह जैसलमेर से अरब चले जाए। मगर बिना जानकारी के यहां आने वाले बांग्लादेशी पकड़े जाते हैं। ऐसे ही 23 मार्च को 2 बांग्लादेशी जैसलमेर के सीमावर्ती इलाके तनोट में पुलिस के हत्थे चढ़े। जिनमें से एक बुजुर्ग की पूछताछ के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का झालावाड़ दौरा

कहा-विकसित भारत के संकल्प को सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर पूरा करेंगे

झालावाड़, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे झालावाड़ पहुंची। उन्होंने शहर के गोविंद भवन में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। शाम 7 बजे तक चली बैठक में कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल पर काम करने की जानकारी दी गई।

राजे शाम झालावाड़ पहुंची यहां कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद अपेक्षित कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उनके परिवार का ही एक हिस्सा है। यही कारण है कि पिछले तीन दशकों से उनके पारिवारिक और आत्मिक रिश्ते अभी भी प्रबल हैं। समय के साथ हमारी सरकारों ने यहां के जिले और शहर के विकास कार्यों को हमेशा से ही प्राथमिकता से पूरा किया है। राजे ने चुनाव की शुरुआत एवं बूथ स्तर तक की रणनीति पर कार्यकर्ताओं के साथ विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वह बूथ स्तर के गांव- गांव और ढाणी- ढाणी तक के प्रत्येक मतदाता तक पहुंच कर भाजपा की रीति नीति और जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने के लिए प्रेरित करें। आपेक्षित कार्यकर्ताओं की बैठक में मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक एवं युवा मोर्चा ओबीसी, महिला, किसान, एससी,एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष, विस्तारक इत्यादि दायित्ववान पदाधिकारी तथा कार्यकर्ताओं के अलावा विधायक गोविंद रानीपुरिया, कालूलाल मेघवाल, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर समेत पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा उम्मीदवार सांसद दुष्यंत सिंह ने कहा कि परवन सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्य को और तेज गति से कराए जाने के प्रयास होंगे, साथ ही रेल ,सड़क, पेयजल एवं बिजली व मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा कृषि उपज मंडी परिसर का विस्तार , शिक्षा एवं रोजगार के कार्यों को भी तेज़गति से आगे ले जाने का संकल्प दोहराएंगे।

'कांग्रेस का टिकट नहीं ले रहा है कोई'

महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने कहा- समुद्र ही नाले में जाकर मिले तो फिर क्या होगा

डूंगरपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। डूंगरपुर के अटल सामुदायिक भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में लोकसभा प्रत्याशी महेंद्रजीत सिंह मालवीया, सांसद कनकमल कटारा, जिलाध्यक्ष हरीश पटेल, सुशील कटारा सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे। बीजेपी से बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा प्रत्याशी महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

महेंद्रजीत मालवीया ने कहा कि देश में प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डबल इंजन की सरकार में विकास को नई रफ्तार मिल रही है। वागड़ का बेणेश्वर धाम हो या फिर मानगढ़ धाम। दोनों ही जगह पर विकास के कई काम हुए हैं। जो काम बचे हैं उन्हे भी डबल इंजन की सरकार पूरा करेगी। वागड़ के विकास में 12 नई ट्रेन चलाई गई, जिसका फायदा भी यहां के लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कांग्रेस और बीएपी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और बीएपी ये काम करवा सकते हैं क्या? महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बड़े चक्कर में पड़ गई है। पार्टी टिकट देने का कहती है, लेकिन यहां कोई टिकट ले नहीं रहा है। सुनने में ये आ रहा है कि कांग्रेस पार्टी बीएपी से मिलकर चुनाव लड़ेगी।

कार्यालय उद्घाटन में तू-तू, मैं-मैं

श्रवण चौधरी ने मधुसूदन भिंडा और नंदकिशोर महरिया को इशारों में कहा राहु केतू

फतेहपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। झुंझुनू लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार शुभकरण चौधरी के फतेहपुर के पोद्दार सदन के अंदर कार्यालय उद्घाटन के कार्यक्रम जबरदस्त तू-तू, मैं-मैं हो गई। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और विधानसभा चुनाव में फतेहपुर के प्रभारी रहे कृष्ण कुमार जांदू और वहां मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच जमकर बहस देखने को मिली। भाजपा नेताओं के बीच बचाव करने के बाद मामला शांत हुआ। विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने को लेकर चुनाव लड़े मधुसूदन भिंडा और फतेहपुर के पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि 2 दिन पहले जयपुर के भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भाजपा में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। लेकिन वहां इन नेताओं को भाजपा में शामिल नहीं किया गया। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि एक-दो दिन में इन नेताओं को भारतीय जनता पार्टी में शामिल किया जाएगा। जिससे नाराज विधानसभा प्रत्याशी श्रवण कुमार चौधरी ने कार्यालय उद्घाटन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले लोकसभा चुनाव में फतेहपुर में तीन-तीन कार्यालय खोले जाते थे, लेकिन इस बार सिर्फ बीजेपी का यह एक ही कार्यालय रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि 2028 में भारतीय जनता पार्टी जिसको भी टिकट देती है। मैं उसके साथ रहूंगा।

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में आधे नेता राजस्थान के

गहलोत, पायलट, डोटासरा, जूली भी लिस्ट में, कई स्थानीय नेताओं को भी जिम्मेदारी

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी के बाद अब कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए 40 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया है। चुनाव आयोग को भेजी गई प्रचारकों की लिस्ट में आधे नेता राजस्थान के हैं, जबकि आधे केंद्रीय स्तर के नेता हैं। स्टार प्रचारकों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, कन्हैया कुमार सहित 21 केंद्रीय नेताओं को शामिल किया गया है।

राजस्थान से जिन 19 नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया गया है, उनमें प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सीपी जोशी, मोहन प्रकाश, हेमाराम चौधरी, रघु शर्मा, हरीश चौधरी के साथ विधायकों को भी स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी दी है। प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी भी स्टार प्रचारकों में हैं। स्टार प्रचारकों में अलग अलग इलाके के विधायकों को भी शामिल किया है। हिंडोली से विधायक अशोक चांदना, फतेहपुर से विधायक हाकम अली और सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर को स्टार प्रचारकों में शामिल किया गया है। इन विधायकों के जरिए जातीय समीकरणों को बैलेंस करने का प्रयास भी किया है। डूंगरराम गेदर, कुमावत समाज के प्रमुख चेहरे हैं। नहरी क्षेत्र में प्रभाव है। हाकम अली शेखावाटी में कांग्रेस के प्रमुख मुस्लिम चेहरों में हैं। अशोक चांदना की गिनती हाड़ौती के प्रमुख चेहरों में होती है।

कांग्रेस ने इन 40 नेताओं को बनाया स्टार प्रचारक

मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, गोविंद सिंह डोटासरा, रजनी पाटिल, टीकाराम जुली, अशोक गहलोत, सचिन पायलट, जितेंद्र सिंह, मोहन प्रकाश, डॉ. सीपी जोशी, भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, सुखविंद्र सिंह सुक्खू, रणदीप सिंह सुरेजवाला, प्रमोद तिवारी, हरीश चौधरी, चरणजीत सिंह चन्नी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हेमाराम चौधरी, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा, वीरेंद्र सिंह राठौड़, अमृता धवन, नीरज डांगी, धीरज गुर्जर, रघु शर्मा, जिग्नेश मेवाणी, आलोक शर्मा, अल्का लांबा, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास, एनएसयूआई प्रभारी वरूण चौधरी, विधायक अशोक चांदना, हाकम अली, डूंगरराम गेदर, शिमला नायक और रामलाल मीणा।

दूसरे फेज की नामांकन सभाओं में जाएंगे स्टार प्रचारक

प्रदेश में अगले सप्ताह से स्टार प्रचारकों की सभाओं की शुरुआत होगी। अब तक की नामांकन सभाओं में स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल बड़े नेता गए हैं। गोविंद सिंह डोटासरा, अशोक गहलोत, सचिन पायलट और टीकाराम जूली अब तक पहले फेज की नामांकन सभाओं में गए हैं। अब दूसरे फेज की नामांकन सभाओं में दूसरे स्टार प्रचारक भी जाएंगे।

6 अप्रैल को खड़गे, राहुल, सोनिया की जयपुर में सभा और घोषणा पत्र की लॉन्चिंग कांग्रेस की 6 अप्रैल को जयपुर में बड़ी चुनावी सभा की तैयारी है। जयपुर की सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और वरिष्ठ नेता रहेंगे। यह पहली बड़ी चुनाव सभा है, इस सभा में कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया जाएगा।

सरकार वाल्मिकी बोया समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया है कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना में वाल्मिकी बोया समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शुक्रवार को यहां गांधी भवन में आयोजित वाल्मिकी बोया की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद राज्य सरकार वाल्मिकी बोया समाज के लोगों के कल्याण, विकास और शिक्षा में उचित स्थान देने की जिम्मेदारी लेगी।

इस मौके पर उन्होंने वाल्मिकी बोयाल समुदाय के लोगों से कहा कि वे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को अपना समर्थन दें क्योंकि राज्य सरकार ने 100 दिनों में अच्छा प्रशासन दिया है। रेवंत रेड्डी ने खुलासा किया, तेलंगाना प्रशासन के मामले में देश में एक मॉडल बन गया है और राज्य सरकार ने पिछले तीन महीनों में 30,000 नौकरियों की भर्ती के अलावा गरीबों के कल्याण के लिए काम किया है।

यह आरोप लगाते हुए कि कर्मचारियों का पिछली बीआरएस सरकार पर से विश्वास उठ गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कई गलतियाँ कीं और फोन टैपिंग से लोगों को आतंकित किया। उन्होंने पिछली सरकार के दौरान फोन टैपिंग की कार्रवाई का बचाव करने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की भी आलोचना की और कहा कि केटीआर दोषी महसूस करने के बजाय बेशर्मी से बोल रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "केटीआर को जल्द ही फोन टैपिंग मामले का परिणाम भुगतना पड़ेगा। जो लोग फोन टैपिंग के दोषी हैं, उन्हें चार्लापल्ली जेल में गिना जाएगा।"

मुख्यमंत्री ने जिले के विकास के लिए केंद्र से धन लाने में विफल रहने के लिए महबूबनगर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार डीके अरुणा की भी आलोचना की और कहा कि उन्हें लोकसभा चुनाव में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

काटेदान में महिला की हत्या

पुलिस कर रही यौन उत्पीड़न की जांच

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात मैलारदेवपल्ली के काटेदान में एक सुनसान जगह पर एक महिला की हत्या कर दी गई। पीड़ित की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, उसे स्थानीय निवासियों ने झाड़ियों के बीच सिर पर चोट के साथ मृत पाया, जिन्होंने शुक्रवार को पुलिस को सूचित किया।

पुलिस महिला के साथ यौन उत्पीड़न की जांच कर रही है।

मौके पर पहुंची पुलिस और क्ल्यूज़्स टीम और डॉग स्क्वायड ने जांच की। संदेह है कि उसके सिर पर पत्थर से हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिसने कहा हम सभी संभावित कोणों से जांच कर रहे हैं कि क्या हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया था। स्थानीय पुलिस स्टेशनों को सतर्क कर दिया गया है।

संदिग्धों का सुराग पाने के लिए आसपास और घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़कों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि उसकी हत्या घटनास्थल पर ही की गई, या कहीं और हत्या कर शव को वहां फेंक दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया।

कांग्रेस बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं खरीद सकती: हरीश राव

-जो गए उन्होंने पार्टी को नही माँ को दिया धोका
- उन्हें दोबारा पार्टी में प्रवेश नही मिलेगा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज स्पष्ट कर दिया कि कांग्रेस पार्टी सच्चे बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं को नहीं खरीद सकती, हालांकि उसने पार्टी के कुछ नेताओं को खरीद लिया है। उन्होंने केके और कडियम श्रीहरि जैसे पार्टी नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन लोगों ने संकट के कठिन समय में पार्टी को धोखा दिया, उन्होंने अपनी माँ को धोखा दिया है और यह स्पष्ट कर दिया कि जो लोग चले गए हैं उन्हें दोबारा पार्टी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

हरीश राव ने दुब्बाका निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित मेडक संसदीय चुनावों की तैयारी बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुलाबी झंडे की शुरुआत से, दुब्बाका विधानसभा क्षेत्र उनका गढ़ था। मैं शुरू से ही बीआरएस का समर्थन करने के लिए दुब्बाका के लोगों और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं। बीआरएस पार्टी ने दुब्बाका में सिंचाई का पानी और पीने का पानी पहुंचाया। कांग्रेस और भाजपा ने कुछ नहीं किया है।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी के झूठ और धोखे को लोगों तक ले जाने और उन्हें समझाने के लिए कहा और आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी छह गारंटियों को लागू करने में असमर्थ है। वह झूठ फैला रही है कि बीआरएस शासन के दौरान कुछ नही हुआ था।

उन्होंने कहा, रेवंत अभी भी विपक्ष के नेता की तरह बोल रहे हैं। वें मानव बम की तरह व्यवहार न करें, बल्कि मानवीय व्यवहार करें। रेवंत अपने 100 दिनों के शासन को देखने के बाद लोगों से वोट देने के लिए कह रहे हैं। क्या उन्होंने 100 दिनों में चुनावी वादों को लागू किया? 4,000 रुपये पेंशन, रायथु बंधु, एक तोला सोना और धान पर बोनस जैसे वादे अब तक लागू नहीं किए गए। कई समय-सीमाएं बीत चुकी हैं लेकिन किसी पर भी अमल नहीं हुआ।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश की पूजा में भाग लेते राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, राम राजू, विजय कुमार अग्रवाल, राहुल सिंघल, प्रवीण अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, भोज रेड्डी, सुधाकर रेड्डी, महेश डकोटिया, प्रमोद सरायवाला, मंसाराम रूंगता एवं अन्य।

नानी बाई को मायरो का हुआ समापन

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल रोड कल्लाकल स्थित या देवी श्री आईजी एसवीएसटी गौशाला में राजाराम महाराज के सानिध्य में संत कृपाराम महाराज के तीन दिवसीय नानी बाई के मायरो का समापन हुआ। ताराराम सिरवी ने बताया कि इस कार्यक्रम में भाजप नेता इटाला राजेंद्र ने संत कृपाराम महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सभी भक्तों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया। इस अवसर पर पधारे सभी पदाधिकारी एवं मारवाड़ी युवा मंच मेडचल व कल्लाकल मारवाड़ी समिति को महाराज द्वारा सम्मानचिन्ह प्रदान किए गए। इस अवसर पर नन्दारेड्डी, शांतिलाल सुतार, गोगाराम सिरवी, प्रेम राज प्रजापति, सुनील अग्रवाल, रामसुख बगड़ी, प्रतापराम, मोहनलाल, सोहनलाल सिरवी, बहादुर गुर्जर, भीकाराम गुर्जर, चिमनाराम, सेशाराम, पुखराज भाटी, माणिकचन्द एवं एनी सभी गोभक्त उपस्थित थे।

आसिफाबाद में रोका गया बाल विवाह

बाल विवाह करने पर ठोस कार्रवाई : तहसीलदार

आसिफाबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद के तहसीलदार श्रीनिवासराव देशपांडे ने कहा कि बाल विवाह करने पर कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को आसिफाबाद मंडल के परसनंबला गांव में बाल विवाह कराए जाने की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी गांव पहुंचे और विवाह समारोह रुकवा दिया।

इस अवसर पर बालक-बालिकाओं और उनके अभिभावकों को बाल विवाह के खतरे समझाते तहसीलदार ने कहा कि लड़की की शादी 18 वर्ष की उम्र के बाद ही की जानी चाहिए। यदि इससे पहले की गई तो उम्र के प्रभाव के कारण उसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

बताया गया कि माता-पिता दोनों 18 साल की उम्र पूरी करने के बाद शादी करने पर सहमत थे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की देखभाल की जिम्मेदारी सभी को उठानी चाहिए और यदि कहीं भी बाल विवाह होते हुए दिखाई दे तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा। इस कार्यक्रम में एसआई राज्यलक्ष्मी, सीडीपीओ सादिया रुकसाना, जिला बालिका कल्याण अधिकारी महेश, ग्रामीण व अन्य लोग शामिल थे।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार को

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा निशुल्क भव्य स्वास्थ्य जांच शिविर 31 मार्च को कबूतर खाना स्थित श्री महैश्वरी विद्यालय में आयोजित किया गया है। इस जांच शिविर के प्रयोजक मनोहर लाल, विद्याधर अग्रवाल है। इस जांच शिविर में डाक्टरों द्वारा रक्तचाप, शुगर जांच, सामान्य रोगों संबंधित, हड्डियों, स्त्री, बच्चों, हृदय से संबंधित रोगों, नेत्र, त्वचा, नाक कान गला, दांत, फिजियोथैरेपी और प्राकृतिक विधी एकुप्रेशर आदि रोगों की जांच कि जाएगी । निशुल्क दवाइयां का वितरण किया जाएगा। अग्रवाल मानव सेवा मंच ने स्थानीय वासीयों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हो सेवाओं को लाभ उठाने का आव्हान किया है।

नांदेड़ डिवीजन में ब्रॉड गेज का सौ प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा

मनमाड-मुदखेड़-धोन विद्युतीकरण परियोजना का अंतिम शेष खंड अब पूरा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन विद्युतीकरण की दिशा में एक बड़ा जोर देते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे युद्ध स्तर पर अपने नेटवर्क में अपनी संपूर्ण बीजी रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण कर रहा है। इसके हिस्से के रूप में, जोन द्वारा मनमाड-मुदखेड़-धोन परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इस परियोजना के हिस्से के रूप में मिर्खाल-मालटेकडी के बीच 43.3 रूट किलोमीटर की दूरी के लिए अंतिम गैर-विद्युतीकृत रेलवे लाइन का विद्युतीकरण किया गया है। 934 आरकेएम विद्युतीकरण परियोजना के इस अंतिम खंड के पूरा होने के साथ, महाराष्ट्र राज्य में नांदेड़ डिवीजन ने एक मील का पत्थर हासिल किया है, क्योंकि इसकी पूर्ववर्ती ब्रॉड गेज रेल लाइनों में से 100 प्रतिशत अब विद्युतीकृत हैं, उन रेल लाइनों को छोड़कर जिन्हें हाल ही में ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। एससीआर पर मनमाड-मुदखेड़ खंड मराठवाड़ा क्षेत्र में देश के पश्चिमी हिस्सों को देश के दक्षिणी हिस्से से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल लिंक है। यह खंड मराठवाड़ा क्षेत्र को पश्चिम में वित्तीय राजधानी मुंबई, दक्षिण में हैदराबाद, बेंगलुरू और चेन्नई जैसे महत्वपूर्ण शहरों और पूर्व में नागपुर और बिलासपुर से जोड़ता है। इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए, मनमाड-मुदखेड-धोन विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में मनमाड-मुदखेड खंड के विद्युतीकरण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना को वर्ष 2015-16 में 865 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 783 किलोमीटर की दूरी के लिए मंजूरी दी गई थी। पूरे खंड का विद्युतीकरण विभिन्न हिस्सों में शुरू किया गया है। इस परियोजना में महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं और इसे विभिन्न चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है। तेलंगाना में परियोजना की लंबाई धर्माबाद-करनूल शहर (मनोहराबाद-महबूबनगर को छोड़कर) के बीच लगभग 406 किलोमीटर है, कर्नूल-धोन के बीच 54 किलोमीटर की दूरी का खंड आंध्र प्रदेश में पड़ता है। मनमाड-मुदखेड के बीच का खंड मोटे तौर पर मराठवाड़ा क्षेत्र में आता है और 406 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए महाराष्ट्र राज्य का हिस्सा है। ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही की सुविधा प्रदान करने वाली पूरी परियोजना अब सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। यह एससीआर में केंद्रीय रेलवे विद्युतीकरण संगठन (कोर) द्वारा की जा रही सभी रेल परियोजनाओं के विद्युतीकरण के 100 प्रतिशत पूरा होने का भी प्रतीक है। रेल लाइनों का विद्युतीकरण कर्षण शक्ति में परिवर्तन से बचाकर ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने में मदद करता है। इससे कोचिंग और मालगाड़ियों दोनों की मार्ग में रुकावट कम हो जाती है जिससे ट्रेनों की औसत गति में सुधार होता है।

बदरीविशाल पित्ती सच्चे समाजसेवी थे : विधानसभा अध्यक्ष

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के तत्वावधान में स्व.बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के 96 वें जयंती पर उनकी स्मृति में 18 वां व्याख्यान समारोह बंजारा हिल्स में संपन्न हुआ। जिसमें बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती के आदर्श जीवन, समाजसेवा, राजनीति के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सच्चा समाजसेवक बताया गया।

इस अवसर पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डुम प्रसाद कुमार ने कहा कि विधायक के रूप में तत्कालीन आंध्र प्रदेश विधानसभा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बदरीविशाल पित्ती का जीवन और उनके आदर्श नये विधायकों का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी ने 18वीं व्याख्यान में विधायक के रूप में बदरीविशाल पित्ती के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। कला एवं साहित्य प्रेमी थे। सभ्यता, संस्कृति और अनुशासन से उन्हें अगाध प्रेम था। चाहे किसी भी रूप में बात करें, जनहित उनके लिए सर्वोपरि था। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे विधानसभा में उठाए। हैदराबाद नगर निगम के शहीद स्मारक के प्रस्ताव को रद्द करने पर मुख्यमंत्री का विरोध करते हुए निर्णय वापस लेने पर मजबूर किया। मजदूर नेताओं को हथकड़ी पहनाने का विरोध करते हुए उन्होंने इस प्रथा पर कड़ी आपत्ति जतायी। सांप्रदायिक तनाव पर भी प्रश्न उठाये। जनता और राष्ट्र हित के मुद्दों को दरवाज़ों के भीतर ना करके सार्वजनिक चर्चा पर ज़ोर दिया। वह लोकतंत्र का व्यापक दृष्टिकोण रखते थे।

सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि सुरक्षा जाँच के मुद्दे पर आपत्ति जताने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर बदरीविशाल पित्ती का स्वागत करने के पोर्टिको में खड़े थे। हैदराबाद के अति संपन्न व्यक्ति होने के बावजूद मजदूर नेता के रूप में समाज हित में उनकी भूमिका प्रखर रही। ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद पित्ती ने कहा कि बदरीविशाल पित्ती में बड़े राजनेताओं के मुँह पर सच बोलने की हिम्मत थी। वह कट्टर हिन्दी समर्थक थे। जनहित के मुद्दों पर अड़ जाते थे। ग़रीबों के उद्धार के लिए उनके कामों को आगे बढ़ाने के लिए ट्रस्ट शुरू किया गया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ट्रस्ट द्वारा संचालित गतिविधियों की जानकारी दी।

न्यासी लक्ष्मीनिवास शर्मा, विजय कुमार, अजीत गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किए। अवसर पर बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के तत्वावधान में बदरीविशाल पित्ती की 96वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में 'विधानसभा में बदरीविशाल' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। पुस्तक टी. गोपाल सिंह एवं अभिषेक रंजन सिंह द्वारा संकलित तथा अभिषेक राजा द्वारा संपादित की गई है।

कार्यक्रम में श्रीमती रमा पित्ती, रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, उर्मिला अग्रवाल, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अभिषेक रंजन, सुशील नौलखसिया, वेणुगोपाल भट्टड़, वेणुगोपाल भट्टड़, राजीव सिंह, सुब्बाराव, जनार्दन, अग्रोहा बैंक के निदेशक विजय गुप्ता, राजेश अग्रवाल, किरण प्रकाश सहित नगर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आईआईआईटी हैदराबाद और प्लाक्षा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन

स्थिरता के लिए संयुक्त केंद्र करेंगे स्थापित

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईआईटी हैदराबाद और प्लाक्षा यूनिवर्सिटी ने स्मार्ट और सस्टेनेबल कम्युनिटीज पर आधारित एक सस्टेनेबिलिटी सेंटर स्थापित करने के लिए शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर पी जे नारायणन और प्लाक्षा विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर रुद्र प्रताप ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए।

सस्टेनेबिलिटी सेंटर मुख्य रूप से गांवों और कस्बों के आसपास पिरामिड के निचले स्तर के उपयोग के मामलों के अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करेगा। आईआईआईटी हैदराबाद और प्लाक्षा विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से सेंसर, एमएल मॉडल, संचार/5जी, डिजिटल ट्विन्स, अर्थशास्त्र और सामाजिक/मानव विज्ञान सहित टिकाऊ समुदायों पर लागू प्रौद्योगिकियों पर काम करेंगे।

यह वायु प्रदूषण, पानी (नेटवर्क, डब्ल्यूटीपी, एसटीपी, बारिश), ऊर्जा (स्मार्ट मीटर, वितरण, ग्रिड, भंडारण), अपशिष्ट प्रबंधन (ठोस पानी और अन्य), भोजन/कृषि जैसे कार्यक्षेत्रों की समस्याओं को भी उठाएगा। तत्काल अल्पकालिक योजना हैदराबाद और चंडीगढ़ में जल, प्रदूषण और कृषि-अर्थशास्त्र के आसपास परियोजनाएं शुरू करना है।

आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर पी जे नारायणन ने कहा, आईआईआईटी हैदराबाद स्थिरता और टिकाऊ समुदायों के विकास पर संयुक्त अनुसंधान पहल पर प्लाक्षा विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित है। चूंकि हमारे संस्थान बड़े पैमाने पर संस्थागत ढांचे और सामाजिक लक्ष्यों को साझा करते हैं, इसलिए यह सहयोगी केंद्र इम्पैक्ट पर काम करेगा हमारी संयुक्त शक्तियों का लाभ उठाते हुए, संपूर्ण अनुसंधान, शैक्षिक कार्यक्रम और सामुदायिक भागीदारी।

प्लाक्षा विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति प्रोफेसर रुद्र प्रताप ने कहा, तीव्र तकनीकी प्रगति के इस युग में, आईआईआईटी हैदराबाद के साथ हमारा सहयोग टिकाऊ समुदायों को बढ़ावा देने की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। प्लाक्षा विश्वविद्यालय और आईआईआईटी हैदराबाद के संयुक्त प्रयासों के माध्यम से, हम सभी के लिए एक उज्जवल और अधिक न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के लिए, पिरामिड के निचले भाग में समुदायों के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों का समाधान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की आकांक्षा है।

शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग

वारंगल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर वारंगल के 22वें डिवीजन क्षेत्र में पोचम्मा मैदान जंक्शन के पास जकोटिया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर गुरुवार रात एसी शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने तीन दमकल गाड़ियों के साथ डेढ़ घंटे से अधिक समय तक काम किया और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। वर्धनपेट परकाला से तुरंत दो और दमकल गाड़ियों को बुलाया गया और तीन घंटे की मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया।

मंत्री कोंडा सुरेखा, कलेक्टर प्रवीण्या, जीडब्ल्यूएमसी कमिश्नर अश्विनी तानाजी वाखेड़े तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने तीन घंटे से अधिक समय तक काम करने के लिए फायर, बलदिया डीआरएफ कर्मियों और पुलिस को बधाई दी।

टीडीपी के टिकट को लेकर कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन शुरू

अनंतपुर, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को पार्टी उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की। पार्टी ने चार चरणों में 144 विधानसभा सीटों और 17 संसदीय सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। दग्गुबाती वेंकटेश्वर प्रसाद को अनंतपुर शहरी विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद टीडीपी नेता प्रभाकर चौधरी के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के फ्लेक्स और पंपलेट में आग लगा दी गई। उन्होंने अनंतपुर शहर में टीडीपी पार्टी कार्यालय पर हमला किया और कार्यालय की खिड़की के शीशे तोड़ दिए। कार्यालय में फर्नीचर और कंप्यूटर भी नष्ट हो गए। वे इस बात से नाराज़ थे कि जिन लोगों ने पार्टी के लिए कड़ी मेहनत की, उन्हें टिकट नहीं दिया गया और टिकट बेच दिये गये धन ।

समर्थकों ने चंद्रबाबू मुर्दाबाद और लोकेश मुर्दाबाद के नारे लगाये। प्रभाकर चौधरी गुट के आंदोलन के कारण अनंतपुर में तनाव व्याप्त है।

भावसार क्षत्रिय रंगरेज समाज, मुसाबावली द्वारा 7 अप्रैल को नुमाईश मैदान में श्री हिंगुलाज जयंती महोत्सव पर एबीवी फाउंडेशन कि अध्यक्ष काव्या किशन रेड्डी को आमंत्रित करते हुए समाज के अध्यक्ष उमेश जैतने, सुरेश कुमार बेदरे, अशोक कुमार बेदरे, शंकर आस्तुकर, श्याम कुमार नीमकर, मोहन राव देवतराज, घनश्याम पतंगे, किशोर तांदले, बालकिशन सुत्रावे, अश्विनी पतंगे, अर्चना एम. बास्तुकर, तुलसी बगाड़े, अर्चना सुत्रावे, हेमारानी परंकर एवं अन्य।

एनएमडीसी ने पूर्व कर्मचारी पोर्टल का अनावरण किया

हैदराबाद, 29 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी ने पूर्व कार्मिकों के लिए "सम्मान" पोर्टल लॉन्च किया है। इस का उद्घाटन हैदराबाद में कंपनी के मुख्यालय में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताभ मुखर्जी ने किया। निदेशक विनय कुमार, सीवीओ बी. विश्वनाथ, परियोजना प्रमुखों, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष इस अवसर पर उपस्थित थे।

"सम्मान" पोर्टल पूर्व कर्मचारियों को विभिन्न चिकित्सा दावों का प्रबंधन करने, व्यक्तिगत प्रोफाइल, आश्रितों के विवरण और आवेदन की स्थिति देखने के लिए एक सहज, डिजिटल प्लेटफॉर्म है। प्रयोक्ता अनुकूल इस पोर्टल को समय पर प्रतिपूर्ति और सभी सेवानिवृत्ति सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे एनएमडीसी के पूर्व कर्मचारियों को उनकी दहलीज तक आरामदायक और सुविधाजनक सेवा मिलेगी।

"अमिताभ मुखर्जी ने कहा, अपने पूर्व कर्मचारियों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में योगदान है। सम्मान सेवानिवृत्ति के बाद भी एनएमडीसी परिवार को परेशानी के बिना लाभ प्रदान करने की हमारी मूल भावना का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रेरणा फाउंडेशन संस्था के चिन्ह का विमोचन उत्पाद, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जूपाली कृष्ण राव के हाथों किया गया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा पूजा गुप्ता उपस्थित थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पोंटिंग ने अंपायर से बहस की, दो बार गेम रुका

स्कूप शॉट खेलने के चक्कर में बोल्ड हुए जुरेल ,पंत को मिली स्पेशल जर्सी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 9वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 12 रन से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 20 ओवर में 5 विकेट पर 173 रन ही बना सकी।

ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी के लिए 100वां मैच खेला। इस मौके पर उन्हें टीम की ओर से विशेष जर्सी मिली। वहीं, दूसरी पारी में इम्पैक्ट प्लेयर रूल को लेकर दिल्ली के कोच पोंटिंग ने अंपायर से बहस की, जिस कारण दो बार गेम रोका गया। वहीं, ध्रुव जुरेल स्कूप शॉट खेलने के चक्कर में क्लीन बोल्ड हो गए।

पंत को मिली स्पेशल जर्सी

ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के लिए 100 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मैच से पहले, उन्हें टीम के साथियों ने स्पेशल जर्सी दी। जर्सी पर पंत के नाम के साथ ही 100 लिखा था। पंत ने 2016 में आईपीएल डेब्यू किया। उसी साल उन्होंने U19 वर्ल्ड कप में भारत को लीड किया। अपने पहले सीजन को छोड़कर, उन्होंने हर साल 300 से ज्यादा रन बनाए हैं। दिल्ली के किसी अन्य बल्लेबाज ने पंत से ज्यादा रन नहीं बनाए हैं या ज्यादा छक्के (129) नहीं लगाए हैं।

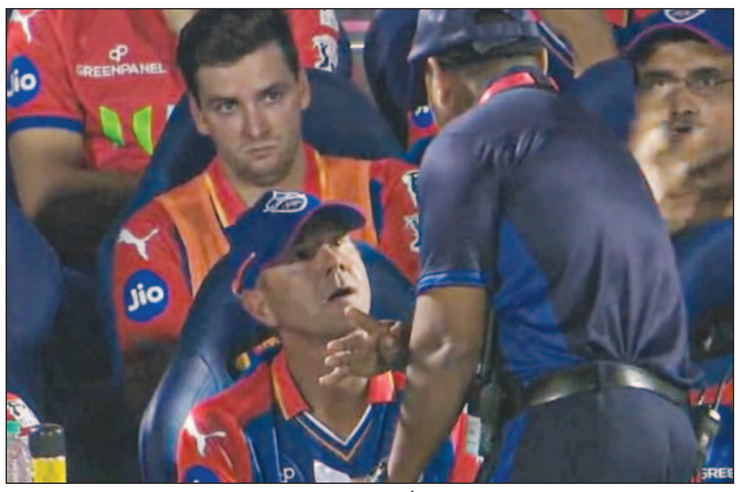

स्कूप शॉट खेलने के चक्कर में बोल्ड हुए ध्रुव जुरेल

राजस्थान रॉयल्स के मिडिल ऑर्डर बैटर ध्रुव जुरेल स्कूप शॉट खेलने के चक्कर में बोल्ड हो गए। उनका विकेट 18वें ओवर में गिरा। एनरिक नॉर्त्या ने उन्हें बोल्ड कर दिया। ओवर की दूसरी बॉल पर जुरेल ने स्कूप खेलने की कोशिश की, लेकिन वे बहुत ज्यादा ऑफ साइड की ओर चले गए और बॉल उनके बैट से लगकर स्टम्प्स पर जा लगी। जुरेल सिर्फ 20 रन ही बना सके।

इम्पैक्ट प्लेयर्स को लेकर पोंटिंग ने अंपायर से बहस की, दो बार गेम रुका

इनिंग्स ब्रेक के बाद राजस्थान रॉयल्स तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर को पारी के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में फील्ड पर लेकर आए। इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान राजस्थान में 3 ही विदेशी प्लेयर (शिमरोन हेटमायर, ट्रेंट बोल्ट और जोस बटलर) के साथ ही उतरी थी। बर्गर बैटर हेटमायर की जगह आए थे। आईपीएल मैच में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में विदेशी तब ही खिला सकते है जब टीम प्लेइंग में 3 विदेशी प्लेयर्स के साथ उतरे।

हालांकि, मुद्दा तब उठा जब रोवमैन पॉवेल फील्डिंग करने राजस्थान के लिए ग्राउंड पर उतर गए। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग ने आरोप लगाया कि इससे वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी राजस्थान के लिए एक ही मैच में खेलने वाला पांचवां विदेशी खिलाड़ी बन जाएगा। जल्द ही अंपायर और प्लेयर्स के बीच भी बहस छिड़ गई और वार्नर, बटलर के साथ अंपायर नितिन मेनन बातचीत में शामिल हो गए, जबकि पोंटिंग ने अपनी शिकायतें फोर्थ अंपायर को बताईं। आखिरकार, पॉवेल को मैदान में आने की अनुमति दे दी गई, भले ही पोंटिंग डगआउट में गुस्से में थे।

इसके बाद 2 बॉल बाद ही गेम फिर रुका। चौथे अंपायर ने टीम शीट ली और पोंटिंग को समझाया कि रॉयल्स ने एक विदेशी को दूसरे की जगह लिया है। हेटमायर डगआउट में हैं। जिसका मतलब है कि उनके पास अभी भी मैदान पर केवल चार विदेशी खिलाड़ी हैं और पॉवेल सब्सटीट्यूट फील्डर के तौर पर आए हैं। वे फील्डिंग के अलावा कुछ नहीं करेंगे।

संदीप ने लपका फ्लाइंग कैच

राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज संदीप शर्मा ने डेविड वॉर्नर का शानदार कैच लपका। दिल्ली की पारी के 12वें ओवर में गेंदबाजी कर रहे अवेश खान ने वार्नर के सामने एक फुल-लेंथ डिलीवरी की, जिसे उन्होंने कवर की ओर ड्राइव करने की कोशिश की। बॉल वॉर्नर के बल्ले के बाहरी किनारे से लगकर पीछे की ओर गई। शॉर्ट थर्ड मैन पर फील्डिंग कर रहे संदीप शर्मा ने तेजी से कैच लपक लिया। कैच के दौरान संदीप का रिएक्शन टाइम 0.94 सेकंड्स रहा।

कुलदीप ने पंत से जबरन डीआरएस का इशारा करवाया, बटलर आउट हुए

पहली पारी के दौरान कुलदीप यादव के कहने पर दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने रिव्यू लिया। 8वें ओवर की दूसरी गेंद पर कुलदीप ने लेग स्टंप की लाइन के पास बॉल फेंकी। राजस्थान के सलामी बल्लेबाज ने इस पर रिवर्स-स्वीप करने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए और गेंद उनके पैड पर लगी। कुलदीप यादव के एलबीडब्ल्यू की अपील करने पर भी अंपायर ने बटलर को नॉटआउट दिया।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत डीआरएस लेने के पक्ष में नहीं थे, लेकिन कुलदीप उनके पास गए और जबरन डीआरएस का इशारा करवाया। कुलदीप काफी आश्वस्त थे और उन्होंने कप्तान को डीआरएस लेने के लिए मजबूर किया। जब बॉल ट्रैकिंग देखी गई, तो उसमें बटलर एलबीडब्ल्यू आउट पाए गए और अंपायर को अपना निर्णय बदलना पड़ा।

हीरो इंडियन ओपन में टॉप-15 में तीन भारतीय

गुरुग्राम, 29 मार्च (एजेंसियां)। हीरो इंडियन ओपन में नियमित रूप से भाग लेने वाले नीदरलैंड के जोस्ट लुइटन ने 7-अंडर 65 का स्कोर किया और फिर डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में संयुक्त बढ़त बना ली। लुइटन डीपी वर्ल्ड टूर पर छह बार के विजेता हैं, लेकिन 2018 के बाद से टूर पर विजेता नहीं रहे हैं। पहले दौर के अंत में, संयुक्त लीडर्स में जापान की अविश्वसनीय युवा प्रतिभा, कीता नकाजिमा और नीदरलैंड के माटेओ मनासेरो शामिल हैं।

इसके बाद 2009 में एक और पूर्व विश्व नंबर 1 शौकिया मनासेरो, जो 2012 तक यूरोप में तीन बार जीतने वाले पहले किशोर बन गए। फिर इस महीने की शुरुआत तक उन्हें जीत नहीं मिली। उनके बोगी-मुक्त 65 ने संकेत दिया कि उनका पुनरुत्थान जारी है।4-अंडर और संयुक्त-14 के समूह में तीन भारतीय शामिल हैं - अमन राज और ओम प्रकाश चौहान, जिनके साथ इस कोर्स में अपने सर्वश्रेष्ठ कार्ड थे, और करणदीप कोचर, जो बाद में उनके साथ शामिल हुए।शीर्ष क्रम के भारतीय शुभंकर शर्मा ने बोगी के साथ शुरुआत की, लेकिन सर्दी और हल्के शरीर दर्द के बावजूद, उन्होंने 2-अंडर 70 का स्कोर पूरा किया और गगनजीत भुल्लर की तरह संयुक्त -34 पर हैं। शर्मा और भुल्लर भारत से पेरिस ओलंपिक के लिए दौड़ में सबसे आगे हैं।

कोलिन्स ने मियामी में अलेक्जेंड्रोवा को हराया पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी डेनियल कोलिन्स ने मियामी ओपन में 14वें नंबर की खिलाड़ी एकाटेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में प्रवेश किया।

2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट, को इस टूर्नामेंट में गैरवरीयता प्राप्त अलेक्जेंड्रोवा को हराने के लिए सिर्फ 75 मिनट की जरूरत थी, जिन्होंने मियामी में अपने पहले सेमीफाइनल के रास्ते में विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक और नंबर 5 वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराया था। 2005 में किम क्लिस्टर्स के बाद मियामी में पहली गैरवरीयता प्राप्त चैंपियन बनने की कोशिश कर रही 30 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खिताब के लिए नंबर 4 वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना से भिड़ेंगी। कोलिन्स ने अपने करियर में पहले दो खिताब जीते हैं, दोनों 2021 में थे। कोलिन्स 2018 में स्लोएन स्टीफंस के बाद मियामी फाइनल में पहुंचने वाली पहली अमेरिकी हैं - जिन्होंने खिताब जीता था। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में केवल चार अमेरिकी ही इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं, जिसमें कोलिन्स और स्टीफंस भी विलियम्स बहनों के साथ शामिल हो गए हैं।

इससे पहले शाम को, वर्ल्ड नंबर 4 रिबाकिना ने सेमीफाइनल में नंबर 27 सीड विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 0-6, 7-6(2) से हराकर सीजन के अपने चौथे फाइनल में प्रवेश किया। रिबाकिना ने ब्रिस्बेन, अबू धाबी में खिताब और दोहा में साल के अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल के साथ, हार्ड कोर्ट पर अपने सीज़न की शानदार शुरुआत का आनंद लिया है।

पिछले साल, रिबाकिना मियामी फाइनल में पेट्रा क्वितोवा से 7-6(14), 6-2 से हारकर सनशाइन डबल जीतने से एक जीत दूर रह गयी थीं। वह पिछले 10 वर्षों में सेरेना विलियम्स और एश्ले बार्टी के साथ लगातार मियामी फाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी हैं, जो 2005-2006 में मारिया शारापोवा के बाद ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी फाइनल में पहुंची

मियामी, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन मार्केल ग्रानोलर्स और होरासियो जेबालोस को हराकर मियामी ओपन पुरुष डबल्स वर्ग के फाइनल में पहुंच गए हैं। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने इस साल की शुरुआत में वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में स्पेन के ग्रानोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस की जोड़ी को 6-1, 6-4 से हराया।

बोपन्ना के पास फिर शीर्ष में पहुंचने का मौका

ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद 44 वर्षीय बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए थे। वह ऐसा करने वाले सबसे उमदराज खिलाड़ी थे। हालांकि दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल और इंडियन वेल्स के राउंड-32 में हारने के बाद यह जोड़ी दूसरे नंबर पर खिसक गई थी, लेकिन मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जीतने से उन्हें सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में दोबारा शीर्ष पर पहुंचने में मदद मिलेगी।

डोडिग-ऑस्टिन की जोड़ी से होगा सामना

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का खिताबी मुकाबले में सामना क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिकेक की जोड़ी से होगा। डोडिग ऑस्टिन की जोड़ी ने एक अन्य सेमीफाइनल मुकाबले में केविन क्राविट्ज और टिम पुट्ज की जर्मनी की जोड़ी को 6-4, 6-7(7), 10-7 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

अबतक 25 डबल्स खिताब जीत चुके हैं बोपन्ना

बोपन्ना के करियर का यह 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल है, जबकि वह पहली बार मियामी ओपन के खिताबी मुकाबले में पहुंचे हैं। ओवरऑल यह उनका 63वां टूर स्तर का फाइनल है। भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल बोपन्ना अबतक अपने करियर में 25 डबल्स खिताब जीत चुके हैं। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का यह पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल है। बोपन्ना के नाम एक खास उपलब्धि भी जुड़ गई है वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं।

अंडर-13 आईलीग : मिनर्वा एकेडमी ने सुदेवा दिल्ली को 6-4 से हराकर शीर्ष पर बनाई जगह

चंडीगढ़, 29 मार्च (एजेंसियां)। मिनर्वा एकेडमी ने अंडर-13 सब-जूनियर आई लीग के रोमांचक मुकाबले में सुदेवा दिल्ली के खिलाफ 6-4 की शानदार जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने जीत के इरादे से की और मिनर्वा ने अटैक के बाद 3 अंक अर्जित करते हुए शीर्ष पर जगह बनाई।

इस जीत के साथ ही सिटी फुटबॉल टीम ने नॉकआउट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। ये मैच उम्मीदों पर खरा उतरा, क्योंकि मिनर्वा एकेडमी और सुदेवा दिल्ली दोनों ने ही अच्छा गेम खेला। इसमें दृढ़ संकल्प और आक्रामक गुणवत्ता का प्रदर्शन किया गया। 10 गोल के रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने थीं। सुदेवा दिल्ली ने लीड हासिल की, लेकिन मिनर्वा एकेडमी ने उनसे आगे निकलते हुए जीत अपने नाम कर ली।

डेनामोनी ने प्रभावशाली 4 गोल के साथ मिनर्वा एकेडमी को लीड किया और इसी के दम पर टीम ने 6-4 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मिनर्वा एकेडमी ने अब 5 मैच में से 5 जीत दर्ज करते हुए 15 अंक अपने खाते में जोड़े। टीम ने नाबाद रहते हुए नॉकआउट चरण में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। यह मैच सभी फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक वास्तविक दृश्य था, जिसमें मिनर्वा के प्रभावशाली प्रदर्शन ने मैदान पर उनकी प्रतिभा, कौशल और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया। अंडर-13 आईलीग में वे अपनी यात्रा जारी रखेंगे। मिनर्वा की नजरें नॉकआउट राउंड में अच्छे प्रदर्शन के बाद खिताब पर होंगी।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की कार्यकारिणी भंग; तदर्थ समिति गठित

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने राज्य संस्था में कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। सहकारिता रजिस्ट्रार अर्चना सिंह ने देर रात मौजूदा समिति को भंग कर दिया और एक तदर्थ समिति का भी गठन किया है जिसमें भाजपा विधायक और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष जयदीप बिहानी को संयोजक बनाया गया है।

इसके अलावा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह, पाली जिला क्रिकेट संघ के सचिव धर्मवीर सिंह, झुंझुनू जिला क्रिकेट संघ के सचिव हरिश्चंद्र सिंह, बीकानेर जिला क्रिकेट संघ के सचिव रतन सिंह और अलवर जिला क्रिकेट संघ के सचिव पवन गोयल को समिति का सदस्य बनाया गया है।

अब लोकसभा चुनाव के 3 महीने के भीतर आरसीए के पांच सदस्यीय तदर्थ समिति की देखरेख में आरसीए कार्यकारिणी के चुनाव कराए जाएंगे, जिसमें अध्यक्ष समेत सभी 6 पदों पर उम्मीदवार चुनाव लड़ सकेंगे।

भाजपा खेल प्रकोष्ठ के संयोजक एवं दौसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने कहा कि सरकार ने मौजूदा कार्यकारिणी को भंग कर राजस्थान क्रिकेट में चल रही लूट और तानाशाही को खत्म कर दिया है। पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में जमकर भ्रष्टाचार हुआ था, जिसमें अध्यक्ष, सचिव और अन्य पदाधिकारी भी शामिल थे। अब उनके खिलाफ निष्पक्ष जांच होगी, तभी राजस्थान के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को न्याय मिलेगा। यहां बताना जरूरी है कि स्पोर्ट्स काउंसिल ने वित्तीय अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन के आरोप में 22 फरवरी को आरसीए के खिलाफ कार्रवाई की थी और आरसीए कार्यालय को सील कर दिया था। इसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ने भी 29 फरवरी, 4 मार्च, 12 मार्च और 19 मार्च को सहकारिता विभाग में अपना पक्ष रखा था।

इस दौरान आरसीए के पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यालय सील होने के कारण दस्तावेज जमा नहीं किये जा सके। अधिकारियों ने कहा कि इस तथ्य पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जांच अधिकारी ने आरसीए अधिकारियों को 28 मार्च तक अपना पक्ष रखने का आखिरी मौका दिया था और इसलिए गुरुवार रात को यह कार्रवाई की गई।

पाकिस्तान मई में टी20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड का दौरा करेगा

लाहौर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम 2018 के बाद पहली बार टी20 सीरीज खेलने के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने तीन मैचों की सीरीज के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। सीरीज के तीनों मैच 10 से 14 मई तक डबलिन के कैसल एवेन्यू में खेले जाएंगे।

पाकिस्तान ने आखिरी बार 2018 में आयरलैंड के उद्घाटन टेस्ट मैच के लिए आयरलैंड का दौरा किया था। यह आखिरी बार था जब दोनों टीमें सभी प्रारूपों में भिड़ी थीं। यह श्रृंखला पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच पहली बहु-मैच द्विपक्षीय टी20 भिड़ंत होगी। इससे पहले, दोनों टीमें सबसे छोटे प्रारूप में केवल एक बार 2009 में एकतरफा मैच में भिड़ी थीं। जुलाई 2020 में दो मैचों की टी20 श्रृंखला निर्धारित की गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण यह दौरा आगे नहीं बढ़ सका। आयरलैंड श्रृंखला से पहले, मेन इन ग्रीन 18 अप्रैल से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। आयरलैंड दौरे के समापन के बाद, पाकिस्तान 22-28 मई के बीच चार टी20 मैचों में इंग्लैंड से भिड़ेगा।

आंध्र क्रिकेट ने हनुमा विहारी को कारण बताओ नोटिस भेजा

खिलाड़ी ने अब तक नहीं दिया जवाब; कप्तानी विवाद में एसोसिएशन का एक्शन

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने हनुमा विहारी को एक महीने के बाद कारण बताओ नोटिस दिया है। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने पहले उन्हें आंध्र के कप्तान के पद से हटाने के लिए एसोसिएशन में राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कही थी। इसके बाद ही एसोसिएशन ने नोटिस भेजा है।

विहारी ने अभी तक उस नोटिस का जवाब नहीं दिया है, जो कुछ दिन पहले एसीए की बैठक के बाद दिया गया था। एसीए के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, हां, हमने उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा है और हम उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। एसोसिएशन इस मुद्दे को लंबा नहीं खींचना चाहता। हनुमा विहारी ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन के पहले मैच के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। आंध्र को रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन के क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ 4 रन से हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद विहारी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने एसोसिएशन के दबाव में कप्तानी छोड़ने की बात कही थी।

पहले मैच के बाद विहारी को कप्तानी से हटाया था

विहारी ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 सीजन की शुरुआत आंध्र के कप्तान के रूप में की थी, लेकिन पिछले साल के रनरअप बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद उन्होंने पद छोड़ दिया। रिकी भुई ने सत्र के बाकी मुकाबलों में टीम का नेतृत्व किया। विहारी ने उस समय कप्तानी छोड़ने के लिए, व्यक्तिगत कारणों को जिम्मेदार ठहराया था। लेकिन, बाद में दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि एसोसिएशन ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा था। विहारी ने कहा, मैं बंगाल के खिलाफ पहले मैच में मैं कप्तान था। उस मैच के दौरान मैं 17वें खिलाड़ी पर चिल्लाया और उसने अपने पिता (नेता) से शिकायत की, बदले में उसके पिता ने एसोसिएशन से मेरे खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हमने पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले बंगाल के खिलाफ 410 रन का पीछा किया था लेकिन मेरी बिना किसी गलती के कप्तानी से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था।

विहारी ने भारत के लिए 16 टेस्ट खेले

हनुमा विहारी ने भारत के लिए कुल 16 टेस्ट खेले हैं। उन्होंने 839 रन बनाए। इसमें उनका एक शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में निकला। सिडनी में उनकी 161 बॉल में 23 रन की नाबाद पारी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जिताने में भी मदद की।

AUTO GEAR SHIFT

माइलेज से कोई समझौता नहीं | क्लच पैडल रहित | रेवोल्यूशनरी ऑटो गियर शिफ्ट टेक्नोलॉजी

बड़ी बचत

CELERIO ₹59 000* S-PRESSO ₹59 000*

CELERIO S-PRESSO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership. | Maruti Suzuki vehicles are now available under CSD & CPC* | For bulk order, mail at: nishant.vijayvergia@maruti.co.in.

AUTHORISED DEALERS: TELANGANA STATE: RKS: (NARSINGI) CALL: 9848898488, **VARUN:** (NIZAMBAD) CALL: 8462236236, (KARIMNAGAR) CALL: 0878- 2950555. **HYDERABAD: ADARSHA:** (ATTAPUR) CALL: 8897973366, (KARMANGHAT) CALL: 8297576633. **KALYANI MOTORS:** (NACHARAM) CALL: 9100102157, (LB NAGAR) CALL: 9100102157. **GEM MOTORS:** (KONDAPUR) CALL: 9272506060. **ACER:** (TIRUMALGIRI) CALL: 9154073240. **AUTOFIN:** (BOWENPALLY) CALL: 040-67292222. **JAYABHERI:** (GACHIBOWLI) CALL: 040-67263425. (UPPAL) CALL: 9281105815. **PAVAN:** (SECUNDERABAD) CALL: 7093711199. **VARUN:** (BEGUMPET) CALL: 040-44607676, (BANJARA HILLS) CALL: 040-44887676, (KUKATPALLY) CALL: 040-44587676, (VANASTHALIPURAM) CALL: 040-24029979, (GACHIBOWLI) CALL: 040-49497676. **RKS:** (NARSINGI) CALL: 9848898488, (SOMAJIGUDA) CALL: 9848898488, (MALAKPET) CALL: 9848898488, (SECUNDERABAD) CALL: 9848898488, (KUSHAIGUDA) CALL: 9848898488. **MITHRA:** (HIMAYATHNAGAR) CALL: 040-27634444, (MEHDIPATNAM) CALL: 7799884949. **SAI SERVICE:** (ERRAGADDA) CALL: 7331168888, (MIYAPUR) CALL: 7331168888. **E-OUTLETS: SAI SERVICE:** (SANGAREDDY) CALL: 7331168888. **ADARSHA:** (SIDDIPET) CALL: 9581656633. **VARUN:** (MEDAK) CALL: 9703656111. **AUTOFIN:** (MEDCHAL) CALL: 8885040034. **PAVAN:** (IBRAHIMPATNAM) CALL: 7093711199.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer, and ISL/ Corporate offer (wherever applicable) on Celerio Petrol (AGS variant) & S- Presso Petrol (AGS variant). #As per JATO dynamic certificate dated 14th August 2023. #As certified by Test Agency Under Rule 115 (G) of CMVR 1989. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. *Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Offers valid for limited models and in select states only. Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. Accessories and features shown in the pictures may not be part of the standard equipment and may vary according to the variant. Creative Visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour shown may vary from actual body colour due to printing on paper. Black Glass shade on the car is due to lighting effect. Above offers are valid till 31st March 2024 or till stocks last, whichever is earlier.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.